बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
रविवार 07 सितम्बर 2025
वर्ष 18, अंक 344
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

ख़ास ख़बर

लाल किला से 1 करोड़ के कलश चोरी

ब्लास्ट की धमकी देने वाला गिरफ्तार

पावागढ़ शक्तिपीठ में रोपवे टूटने से 6 की दर्दनाक मौत

राजस्थान में हाईवे बहा, उदयपुर में कॉलोनियां डूबीं

भोपाल में बड़ा तालाब ओवरफ्लो, बड़वानी में भूस्खलन, दिल्ली के कई इलाकों में बाढ़

बाढ़ पीड़ित राज्यों को मिलेगी बड़ी राहत, प्रधानमंत्री मोदी लेंगे हर एक प्रदेश का जायजा

कई राज्यों में बाढ़ के चलते पीएम मोदी और नड्डा कैंसिल किया सांसदों का डिनर, अब उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले सीधे होगी वर्कशॉप

10 सितंबर को बनारस पहुंचेंगे मॉरीशस के प्रधानमंत्री, 11 को पीएम मोदी से होगी वार्ता

भूटान के पीएम भारत दौरे पर आए, जयशंकर ने मुलाकात कर जताई खुशी

भारत-अमेरिका रिश्तों पर जयशंकर ने कहा-साझेदारी को महत्व देते हैं पीएम मोदी और ट्रंप

पीएम मोदी और मैक्रों ने की यूक्रेन जंग समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा

ट्रंप ने की भारत से मजबूत रणनीतिक साझेदारी की तारीफ, पीएम मोदी ने किया स्वागत

सांबा में अहम प्रतिष्ठानों के ऊपर नजर आया पाक ड्रोन

कुछ ना कहना

सपा विधायक के घर पर चला बुलडोजर, सरकारी जमीन को कराया कब्जा मुक्त

जीएसटी सुधार से मध्यमवर्ग को बड़ी राहत, अर्थव्यवस्था में आएगी नई ऊर्जा -केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

जिले के ग्रामों मे शहतूत एवं टसर रेशम पर जागरूकता कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

किसानों को रेशम कृमि पालन से संबंधित दी गई जानकारी आर्थिक सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण कदम है रेशम उत्पादन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय रेशम बोर्ड-बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, बालाघाट और जिला रेशम कार्यालय, बालाघाट द्वारा जिले के किरनापुर विकासखंड के ग्राम नेवरगांव एवं बटरमारा एवं दिनांक 04 सितंबर को खैरलांजी विकासखंड के ग्राम मोवाड़ और 03 सितंबर को विकासखंड बालाघाट के ग्राम गर्रा मे शहतूत रेशम प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों, टसर रेशम उत्पादन प्रद्योगिकियों पर क्षेत्र प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को शहतूत एवं टसर रेशम की खेती और रेशमकीट पालन की नवीनतम तकनीकों से अवगत कराना था जिससे उनकी पैदावार और आय में वृद्धि हो सके। प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों मे डॉ. बावस्कर दत्ता मदन, वैज्ञानिक-सी, सुश्री जे कोमल, वैज्ञानिक-बी, बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर, सुरेन्द्र चिचाम, जिला रेशम अधिकारी,सुश्री हर्षा रायचंदानी, उच्च श्रेणी लिपिक, बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, केंद्रीय रेशम बोर्ड, बालाघाट के एल घोरमरे, कनिष्ठ रेशम निरीक्षक, सुखचन्द चौधरी, स्थायी करनी, श्री बी एल बोपचे, प्रवर्तक जिला रेशम कार्यालय, बालाघाट द्वारा रेशम कृषकों को रेशम उत्पादन बढ़ाने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में रेशम कृषको ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया, जिन्होंने नई तकनीकों को सीखने में गहरी रुचि दिखाई। कार्यक्रमों के दौरान, विशेषज्ञों ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत

जानकारी दी, जिसमें किसानों को शहतूत के पौधों को लगाते समय सही दूरी बनाए रखने के महत्व के बारे में बताया गया। यह तकनीक पौधों के बेहतर विकास, सूर्य के प्रकाश के उचित अवशोषण और हवा के संचार के लिए महत्वपूर्ण है। प्रदर्शन में शहतूत की नई और उन्नत किस्मों की जानकारी दी गई जो अधिक उपज और बेहतर गुणवत्ता वाले पत्ते प्रदान करती हैं। इन किस्मों के उपयोग से रेशमकीट पालन में रेशम का उत्पादन भी बढ़ सकता है। किसानों को मिट्टी की जांच के आधार पर संतुलित और प्रभावी तरीके से उर्वरकों के उपयोग के बारे में सिखाया गया। यह तकनीक न केवल पौधों के स्वास्थ्य को सुधारती है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता को भी बनाए रखती है। विशेषज्ञों ने पौधों की वृद्धि और विकास को नियंत्रित करने वाले विकास नियामकों (Growth Regulators) के सही उपयोग के बारे में मार्गदर्शन दिया, जिससे पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।फसल को कीटों और बीमारियों से बचाने के लिए प्रभावी और पर्यावरण-अनुकूल उपायों पर जोर दिया गया।किसानों को जैविक और रासायनिक दोनों तरह के नियंत्रण उपायों के बारे में बताया गया।शहतूत की पत्तियों का उपयोग करके रेशमकीट का पालन कैसे किया जाए, इस पर विशेष ध्यान दिया गया। इसमें साफ-सफाई, विसंक्रमन, तापमान और आर्द्रता का नियंत्रण, और कीटों को स्वस्थ रखने के तरीकों को शामिल किया गया था। इस पहल की सराहना करते हुए किसानों ने कहा कि इस तरह के प्रदर्शन उनके लिए बहुत उपयोगी हैं। हम इन तकनीकों को अपनाकर अपनी आय को बढ़ाने की उम्मीद करते हैं। डॉ. बावस्कर दत्ता मदन ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।जिससे अधिक से अधिक किसान इन तकनीकों का लाभ उठा सकें और क्षेत्र में रेशम उत्पादन को बढ़ावा मिल सके।

राज्यस्तरीय शिक्षक पुरस्कार- समर्पित प्रयासों को मिला सम्मान

बालाघाट के शिक्षक सौरभ कुमार शर्मा को किया गया सम्मानित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पित सेवा के लिए श्री सौरभ कुमार शर्मा को राज्यस्तरीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री शर्मा उच्च माध्यमिक शिक्षक (भूगोल) हैं और शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा में कार्यरत हैं। शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान को राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई है और उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थी एवं शिक्षक साथियों ने लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि यह सम्मान केवल उनके लिए नहीं, बल्कि उनके विद्यार्थियों,संस्था के हितार्थ कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति और उन समर्पित शिक्षकों के लिए है, जो उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उन्होंने यह उपलब्धि अपने समर्पित विद्यार्थियों और सहकर्मी शिक्षकों को समर्पित की। उन्होंने विशेष रूप से यह भी कहा कि यह सम्मान उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा समयांतराल में दिए गए मार्गदर्शन और ADPC महोदय श्री राजेंद्र श्रीवास्तव के निर्देशों से मिली प्रेरणा के कारण प्राप्त हो सका। सौरभ कुमार शर्मा को यह सम्मान शिक्षक दिवस 2025 के अवसर पर आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा अकादमी, भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार म.प्र. के माननीय राज्यपाल मंगूभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हाथों उन्हें सम्मानित करते हुए प्रदान किया गया।

शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का हुआ अनूठा सम्मान

वयोवृद्ध एवं अस्वस्थ गुरुजनों का उनके निज निवास जाकर किया गया सम्मान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आजकल वैसे तो शिक्षक दिवस हर स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में मनाया जाता है या कहीं कहीं अलग स्थानों में भी मनाया जाने लगा है। परन्तु उकवा की सामाजिक संस्था सर्वधर्म सेवा समिति उकवा के सदस्यों ने इस बार कुछ अलग ही अंदाज में शिक्षक दिवस के पर्व को मना कर सबका दिल जीत लिया। समिति के सदस्यों ने वयोवृद्ध एवं बीमार शिक्षकों के घर जाकर शिक्षक दिवस पर उनका सम्मान किया। इस अनूठे सम्मान से शिक्षक भी भावुक हो गए और खुशी से उनकी आंखें भी नम हो गई। शिक्षक दिवस अपने गुरु के प्रति अपने कृतज्ञता व्यक्त करने का वह पर्व जब उनके छात्र साल भर जो गुरु उन्हें विद्या प्रदान करते है,उनके प्रति अपने स्नेह को प्रकट करते हुए, उनका आभार व्यक्त कर उनका सम्मान करते है। बहुत सारे गुरुजन ऐसे है,जो आज उम्र के 80 या 90 वर्ष पूर्ण कर चुके हैं और इस चमकीली दुनिया की चमक में कही खो गये हैं । उनके पढ़ाए छात्र भी अपनी जीवन चर्या में व्यस्त होकर अपने उन गुरुजनों को स्मरण नहीं कर पाते और शिक्षक दिवस पर वो शिक्षक जिन्होंने अपनी मेहनत से कई बड़े अधिकारी, शिक्षक और राजनेता व्यापारी पैदा किए ,वो सही सम्मान नहीं पा पाते। ऐसे तमाम उम्र दराज गुरुजन जो 70 वर्ष या उससे अधिक की आयु पूर्ण कर चुके है, ग्राम उकवा की सामाजिक संस्था सर्व धर्म सेवा समिति के सदस्य उनके निज निवास, उनके गृह ग्राम में घर घर जा कर उनके निवास पर उनके चरण धोकर उनकी आरती उतार कर उनका शाल श्रीफल से सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। उम्र के इस पड़ाव में इतना सम्मान पा कर बहुत सारे गुरुजन बहुत भावुक होकर युवाओ को दिल से अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं। इस वर्ष भी सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक के नेतृत्व में समिति के सक्रिय सदस्य नरेश बघेल, अखिल घरडे, नितिन कुमार, संतोष सोनी, सचिन पदमें, राहुल मेश्राम, राकेश सरपा, संदीप गजभिए, सर्वेश नागवंशी, प्रमोद मरकाम आदि सदस्यों द्वारा ग्राम गुदमा के 83 वर्षीय रोकड़े सर, ग्राम सोनपुरी के बिसेन सर 70 वर्ष, राहंगडाले सर, एफ एस घुले 87 वर्ष, येरपुडे सर, ग्राम पोंडी के डीएस ठाकरे सर, ग्राम उकवा के उजागवांकर मैडम, मार्को मैडम, धुर्वे सर, मर्सकोले सर, आदि वयोवृद्ध गुरुजनों का अनेक ग्रामों में घर घर जाकर शाल श्रीफल से सम्मान किया, जो अपने आप में बहुत ही अनूठा आयोजन था जिसने भी इसे सुना खूब सराहना की।

नगर के मुख्य मार्ग गड्ढे में तब्दील आमजन को हो रही परेशानी

बैहर(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय बस स्टैंड के समीप मुख्य सड़क लोक निर्माण विभाग की सड़क है पर रिंग रोड बालाघाट की ओर जाने वाले मार्ग से मस्जिद होते हुए बस्ती की ओर जाने वाली सड़क मरम्मत के अभाव में गड्ढा में तब्दील हो गया है। गड्ढो के भराव की नितान्त आवश्यकता है। प्रेम इलेक्ट्रॉनिक दुकान के संचालक अंबुज जायसवाल ने बताया कि रात में किसी ने गड्ढो में भराव के लिए काली गिट्टी डाल कर चला गया था। इसी के दूसरे छोर चाय दुकानदार लक्ष्मी दास परिवार ने बताया की 15 दिन पूर्व किसी ने कई गिट्टी डाल दिया है। इसी प्रकार इसी दिशा में 20 कदम दूर आगे पुल का दूसरा छोर शुरू होता है जहा से बस स्टैंड का प्रवेश स्थल है। पुल के अंतिम पिल्लर के पास से वर्षा का पानी जाने से एक से सवा फुट गहरा गड्ढा बन गया है।। नगर का यह अति व्यस्त स्थल है और प्रतिदिन यहां से सैकड़ो वाहनों का आना-जाना होते रहता है।यही से राहगीर भी आते जाते रहते हैं। इस स्थल पर किसी भी दिन भारी अनहोनी होने की संभावना बनी हुई है। सम्बंधित विभाग के उच्च अधिकारियों से समय से पूर्व सड़क किनारे गड्ढे में मलबा भरवाने की अपेक्षा है। ताकि आमजन को राहत मिले और होने वाली घटना दुर्घटनाएं टाली जा सके।

वयोवृद्ध अथवा अस्वस्थ गुरुजनों का उनके निवास में जाकर किया गया सम्मान

उकवा(पद्मेश न्यूज)। आजकल वैसे तो शिक्षक दिवस हर स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में मनाया जाता है,या कही कही अलग स्थानों में भी मनाया जाने लगा है। किन्तु उकवा की सामाजिक संस्था सर्वधर्म सेवा समिति के सदस्यों ने कुछ अलग ही अंदाज में शिक्षक दिवस के पर्व को मना कर सहसा ही सबका दिल जीत लिये। शिक्षक दिवस अपने गुरु के प्रति अपने कृतज्ञता व्यक्त करने का वह पर्व जब उनके छात्र साल भर जो गुरु उन्हें विद्या प्रदान करते है।उनके प्रति अपने स्नेह को प्रकट करते हुए ,उनका आभार व्यक्त कर उनका सम्मान करते है।परन्तु बहुत सारे गुरुजन ऐसे है।जो आज उम्र के अस्सी या नब्बे वर्ष पूर्ण कर चुके और दुनिया की चमक में कही न कही उनके पढ़ाए छात्र भी अपनी जीवन चर्या में व्यस्त होकर अपने उन गुरुजनों को स्मरण नहीं कर पाते और शिक्षक दिवस पर वो शिक्षक जिन्होंने अपनी मेहनत से कई बड़े अधिकारी शिक्षक और राजनेता व्यापारी पैदा किए वो सही सम्मान नहीं पा सकते। ऐसे तमाम उम्र दराज गुरुजन जो सत्तर वर्ष या उससे अधिक की आयु पूर्ण कर चुके है।ग्राम उकवा की सामाजिक संस्था सर्व धर्म सेवा समिति के सदस्य उनके निज निवास उनके गृह ग्राम में घर घर जा कर उनका चरण धो उनकी आरती उतार उनका साल श्रीफल से सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किये ।,उम्र के इस पड़ाव में इतना सम्मान पा कर बहुत सारे गुरुजन बहुत भावुक हो कर यूवाओ को दिल से अपना आशीर्वाद प्रदान किये। सामाजिक

कार्यकर्ता जेम्स बारीक के नेतृत्व में समिति के सक्रिय सदस्य नरेश बघेल ,अखिल घरडे,नितिन कुमार ,संतोष सोनी,सचिन पदमें,संदीप गजभिये,राहुल मेश्राम,राकेश सरपा,सर्वेश नागवंशी,प्रमोद मरकाम,आदि सदस्यों द्वारा ग्राम गुदमा के 83 वर्षीय रोकड़े गुरुजी, ग्राम सोनपुरी के बिसेन गुरुजी 70 वर्ष,राहंगडाले गुरुजी ,एफ एस घुले गुरुजी 87 वर्ष, येरपुडे गुरुजी ,ग्राम पोड़ी के डीएस ठाकरे गुरुजी, ग्राम उकवा के उजागवांकर शिक्षिका,मार्को शिक्षिका,धुर्वे गुरुजी,मर्सकोले गुरुजी आदि वयोवृद्ध गुरुजनों का अनेक ग्रामों में घर घर जाकर साल श्रीफल से सम्मान किया जो अपने आप में बहुत ही अनूठा आयोजन था।जिसकी जिसने भी सुना खूब सराहना की गई।

कटंगी कालेज में शिक्षक दिवस एवं पोषण आहार सप्ताह का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।दिनांक 6 सितंबर 2025 को उच्च शिक्षा मध्य प्रदेश शासन द्वारा राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी में राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों के अंतर्गत महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया । प्रभारी प्राचार्या डॉ कुसुमलता उइके द्वारा डॉ निखत खान, अधीर घोड़ेश्वर, डॉ आशीष मेश्राम एवं महाविद्यालय के समस्त स्टाफ द्वारा मां सरस्वती एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पर पूजा अर्चना की गई। छात्र छात्राओं द्वारा सभी शिक्षकों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्र आदित्य चौधरी, डॉ आशीष कुमार मेश्राम, डॉ कुसुमलता उइके जी द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने अपने उदगार व्यक्त किए गए, जिसमे माता सावित्री बाई फुले, डॉ राधाकृष्ण सर्वपल्ली जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया।राष्ट्रीय सेवा योजना एवं विवेकानंद कैरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में पोषण आहार सप्ताह के अंतर्गत पोषण आहार पर परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसके वक्ता श्री अधीर घोड़ेश्वर क्रीड़ा अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पोषण आहार से संबंधित जानकारी प्रदान कर भविष्य में अपने खान पान में सुधार कर एवम प्रतिदिन एक घंटा व्यायाम करने की सलाह दी गई ।कार्यक्रम में डॉ आशीष मेश्राम, डॉ अनिल डोंगरे, डॉ धीरेंद्र चौधरी, विक्रांत भीमटे, डॉ सलेहा अख्तर, श्रीमती मिताली पारधी, डॉ वैशाली भगत, डॉ आकांक्षा मेश्राम, नवीन नकतोड़े, सोनवाने, श्रीमती अंजुलता गोस्वामी, श्रीमती रागिनी गुप्ता, श्रीमती अनिता देशमुख, श्रीमती पूजा भगत, कुमारी साक्षी ठाकरे, श्रीमती एकता राहंगडाले, श्रीमती बिसेन मेडम की सेवा योजना की सौरभ टेंभरे, सूरज देवाहे, नितेश वट्टी, अंजलि ठाकरे, रुचि बिसेन आर्या विश्वकर्मा, शिवानी ठाकरे, एवं समस्त समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, महाविद्यालय के स्टॉफ का सहयोग सराहनीय रहा। मंच संचालन आदित्य चौधरी, अंजली ठाकरे ने एवम आभार प्रदर्शन डॉ निखत खान सहायक प्राध्यापक द्वारा किया गया ।

श्रीगणेश प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। प्रथम पूज्य आराध्य भगवान श्री गणेश की आराधना एवं उपासना का महापर्व दस दिवसीय गणेश गणेशोत्सव के समापन के साथ ही भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया है। भक्तों द्वारा भगवान श्रीगणेश की मनोहारी प्रतिमा को अपने घरों में विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए विराजित किया गया है तो चौक चौराहों मे सार्वजनिक समितियों द्वारा बप्पा की प्रतिमा स्थापना कर पूरे भक्ति भाव पूजन गया। सुबह शाम विघ्नहर्ता गणेश भगवान की आराधना के गीतों की स्वरलहरियां एवं आरती पूजन से

समूचा माहौल भक्तिमय रहा। श्रद्धालुओं द्वारा पूजा पंडालो को रोशनी से जगमग कर दिया गया जो देखने वाले लोगों को मोहित एवं आनंदित करते रहे । सार्वजनिक समितियों द्वारा इस दस दिवसीय महापर्व पर प्रतिदिन लोगों के मनोरंजनार्थ प्रतिदिन मटकी फोड़ प्रतियोगिता, कुर्सी दौड़ सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो के साथ प्रसादी एवं भण्डारा वितरण का कार्यक्रम रखा गया था।वही अंतिम दिन विधि विधान से हवन पूजन किया गया। तथा डी जे की धुनों पर नाचते एवं गुलाल उठाते हुए गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोषों के साथ भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं का नगर भ्रमण कराकर स्थानीय नदी तालाबों के घाटों पर प्रतिमाओं का बड़े ही आस्था से विसर्जन किया गया।

बोधगया मुक्ति आंदोलन रैली का किरनापुर में कार्यक्रम सम्पन्न

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)।आज दिनांक 6 सितम्बर 2025 दिन शनिवार को पूज्य भंदन्त धम्मशिखर जी के नेतृत्व में बिहार स्थित महाबोधि महाविहार बोधगया को गैर बुद्धिस्टो से मुक्ति दिलाने को लेकर गत 20 अगस्त 2025 से डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर की जन्मस्थली महू से शुरू हुई विशाल धम्म शांति मशाल यात्रा का आगमन आज तहसील किरनापुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत किरनापुर स्थित शाक्य मुनि बुद्ध विहार किरनापुर में आगमन हुआ।जहां बुद्धिष्ट ग्रामवासियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत कर ग्राम में शांति मशाल रैली निकाली गई। लांजी से रैली का आगमन स्थानीय कावरे चौक मे हुआ

डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैंड किरनापुर में पूज्य भंते जी द्वारा माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात् रजेगांव मार्ग एवं किरनाई मंदिर मार्ग होते हुए शाक्य मुनि बुध्द विहार में पहुंचकर तथागत भगवान बुद्ध एवं बाबा साहब प्रतिमा में माल्यार्पण कर विहार में पूजा वंदना कर बोधगया महाबोधि महाविहार को मुक्त कराने का संकल्प लेकर भिक्षु संघ द्वारा किये जा रहे आंदोलन को तन मन धन से सहयोग कर सफल बनाने का आव्हान किया गया। इस अवसर पर भिक्खु संघ के सभी पूज्य भंते जी ने अपने विचारों द्वारा सभी के कल्याण की मंगलमैत्री करते हुए बुद्ध की शांति और करुणा से महाविहार के मुक्ति के लिए क्षेत्रीय धर्मालंबियों को प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में एस आर पटले, वी एन मेश्राम, एम आर बागड़े, जे पी रामटेके,दुर्गेश भीमटे, विनय चौरे,राकेश बोरकर, विनोद बांसोड़,एन एल निकुशे, राजेन्द्र वैद्य, एन आर खांडेकर, जे के गेडाम, प्रकाश घोड़ेश्वर, संतोष खोबरागड़े, राहुल वैद्य, दिलीप घरड़े,अमरदीप रामटेके, पुष्पा बांसोड़,उमा मेश्राम,सरोज ताई भीमटे सुरेखा पटले, ममता बोरकर, सीमा बोरकर, विशाखा थूलकर,सहित सभी प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से उपासक उपासिकाओ की प्रमुख उपस्थिति एवं सराहनीय योगदान रहा। अंत में महाबोधि महाविहार मुक्ति आन्दोलन के लिए उपस्थित उपासक उपासिकाओ द्वारा मुक्त कंठ से भिक्षु संघ को दान देकर शांति मशाल रैली ने आगे के गंतव्य के लिए प्रस्थान किया।

कमला नेहरू महाविद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासकीय कमला नेहरू महाविद्यालय में आज दिनांक 06 सितंबर 2025 को स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ एवं भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक दिवस आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम शुभारम्भ माँ सरस्वती की पूजा वंदना एवं समस्त प्राध्यापकों के पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. दीपरत्ना मासूलकर ने सावित्री बाई फूले एवं अरुणिमा सिन्हा के प्रेरक प्रसंग सुनाकर विद्यार्थियों के सफल भविष्य निर्माण की कामना की। तत्पश्चात डॉ सरोज घोडेश्वर ने शिक्षक के महत्त्व को समझाया डॉ. श्वेता मोर एवं डॉ विजय तुरकर ने राष्ट्रनिर्माण में शिक्षक के योगदान पर महत्त्व डाला। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. सुनील मासूलकर ने शिक्षकों के महत्त्व को समझते हुए विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए विभिन्न क्षेत्रो पर शिक्षकों के योगदान के महत्त्व को बताते हुए व्याख्यान दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन छात्र वन्दना लाकरा एवं मिनाक्षी गजभिये द्वारा किया गया तथा विभिन्न छात्रों द्वारा गीत गायन एवं भाषण दिए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राध्यापक प्रदीप गजभिये ने धन्यवाद ज्ञापित किया गया।उपरोक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की छात्रों का अभूतपूर्व योगदान रहा।

मदनपुर में साक्षरता सप्ताह अंतर्गत निकाली गई रैली

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला मदनपुर विकासखंड वारासिवनी में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत साक्षरता सप्ताह की गतिविधियों के तहत ग्राम में साक्षरता रैली निकाली गई, तत्पश्चात शाला के सभागार में सभा का आयोजन किया गया।जिसमें शाला के शिक्षक छात्र एस एम सी के सदस्य ,अध्यक्ष , रसोईया अक्षर साथी एवं सेवानिवृत शिक्षक उपस्थित रहे ।कार्यक्रम में बीआरसी कार्यालय से विकासखंड स्त्रोत समन्वयक सतेंद्र शरणागत जी एवं विकासखंड सह समन्वयक (साक्षरता)भोजराज पटले उपस्थित रहे। विकासखंड सह समन्वयक भोजराज पटले द्वारा सभी चिन्हित असाक्षरों को 20 सितंबर को होने वाली साक्षरता परीक्षा में शामिल कराने का आह्वान किया गया। उल्हास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के जिला मिशन संचालक एवं कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन में यह कार्यक्रम संपूर्ण जिले में संचालित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 15 वर्ष के ऊपर के सभी असाक्षरों को 2027 तक पूर्ण साक्षर करने का लक्ष्य रखा गया है। जिले एवं विकासखंड स्तर पर यह कार्यक्रम सभी ग्राम एवं बसाहट में कक्षाएं संचालित की जा रही है।जिसकी परीक्षा आगामी में 20 सितंबर 2025 को होना है। वारासिवनी विकासखंड के विकासखंड स्रोत समन्वयक श्री सतेंद्र शरणागत जी द्वारा सभा को संबोधित कर इच वन टीच वन की तर्ज पर अपने पड़ोस के चिन्हित असाक्षरों को साक्षर बनाने हेतु उपस्थित जन समुदाय से अपील की गई।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

गणपति बप्पा मोरया, अगले वर्ष तू जल्दी आ ...

जयघोष के साथ हुआ गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर शुरू

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले सहित ग्रामीण अंचलों में भी धूमधाम के साथ अनंत चतुर्थी पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया, जहां भक्तों द्वारा सुबह से ही घरों में विराजित की गई प्रतिमाओं को नदी और कुंड में विसर्जन किया गया , तो वहीं सार्वजनिक रूप से बैठाली गई गणेश प्रतिमाओं को ढोल, नगाड़े तथा डीजे की धुन पर शहर के प्रमुख चौक ,चौराहों से भ्रमण करवाते हुए नदी के घाटों में पहुच कर पूरे विधि विधान के साथ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया ।

आपको बता दे कि शनिवार को अनंत चतुर्दशी, से दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन हो गया है, इसके साथ ही घरो और सार्वजनिक स्थानो में विराजित प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला भी प्रारंभ हो गया है। भक्त, बप्पा को नाचते-गाते विदाई देते हुए अगले बरस जल्द आने का जयघोष भी लगा रहे है। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए विसर्जन कुंड में व्यापक व्यवस्था की गई हैं। ताकि विसर्जन के दौरान होने वाली कोई अप्रिय घटनाए ना हो। मुख्यालय के वैनगंगा नदी के छोटे पुल, विसर्जन कुंड, जागपुर घाट और गायखुरी घाट के अलावा मुख्यालय से लगे और ग्रामीण क्षेत्रों के सरोवरो में क्षेत्रीय प्रशासनिक, पुलिस और नगरपालिका तथा पंचायत ने सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए है। मुख्यालय के विसर्जन घाटो में पुलिस, विसर्जनकर्ता, नगरपालिका कर्मियों को तैनात किए जाने के साथ ही विसर्जन करने आने वाले लोगों के लिए टेंट भी लगाए गए है। मुख्यालय में शनिवार की सुबह से प्रारंभ हो चुके, प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला देररात तक चलेगा। जिसके चलते घाटो में देर शाम को होने वाले विसर्जन के मद्देनजर, प्रकाश व्यवस्था भी की गई है। वहीं प्रशासनिक अधिकारी भी विसर्जन स्थलों में पहुंचकर, व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए है। एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि वैनगंगा नदी में लगभग साढ़े तीन मीटर पानी है, बहाव तेज है, इसलिए सुरक्षित स्थानों पर प्रशासनिक व्यवस्था के तहत विसर्जन करें और पूजा सामग्री को नियत स्थान पर डाल दे। नगर के सराफा बाजार में विराजित किए गए बालाघाट का राजा, गणेश प्रतिमा का सबसे अंतिम में विसर्जन होगा। 8 सितंबर को समिति, सायंकाल 4 बजे विसर्जन शोभायात्रा निकालेगी। जो शहर के प्रमुख मार्गो से होकर, वैनगंगा नदी पहुंचेगी। जहां प्रतिमा का भक्तिभाव से विसर्जन किया जाएगा।

शहर के प्रमुख घाटों में की गई , विसर्जन की व्यवस्था

जिला प्रशासन द्वारा कुछ दिन पहले ही शांति समिति की बैठक में एवं कलेक्टर द्वारा निरीक्षण कर विसर्जन घाटों में पर्याप्त व्यवस्था बनाने की बात कही गई थी ,उसी अनुसार इस बार भी शहर के गायखुरी घाट, मोती तालाब के नीचे स्थित तालाब , वैनगंगा नदी , बूढ़ी स्थित नदी के किनारे एवं अलग-अलग शहर के नदियों के घाट में विसर्जन की व्यापक व्यवस्था बनाई गई है , जहां पर विसर्जन के लिए प्रतिमा रखने के लिए स्टैंड, लाइट की व्यवस्था, पंडाल और प्रतिमा विसर्जन के लिए बनाए गए कुंड में गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन करने की व्यवस्था बनाई गई है ।

पुलिस सहित प्रशासन के अधिकारी रहे मौजूद

अनंत चतुर्दशी से ही गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया था एवं पुलिस द्वारा व्यवस्था बनाते हुए शहर के चौक ,चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया है । जितने भी विसर्जन के घाट बनाए गए हैं , वहां पर पुलिस के बड़े अधिकारियों से लेकर जिला प्रशासन के अधिकारी भी विसर्जन स्थल पर मौजूद रहे ,स्वयं एसडीएम गोपाल सोनी सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया गया ।

ढोल नगाड़े की धुन पर नाचते थिरकते दी गई बप्पा को विदाई

श्रद्धालु ,भक्तों द्वारा गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन स्थल लेकर जाया जा रहा था, उस समय श्रद्धालुओं द्वारा ढोल, नगाड़े और डीजे की धुन पर नाचते थिरकते हुये नजर आये, तो वहीं वैनगंगा नदी के किनारे विसर्जन घाट पर भी बहुत से श्रद्धालु भक्तों एवं महिलाओं द्वारा गणेश जी की प्रतिमाओं को विसर्जन के दौरान खूब नाचते थिरकते नजर आए और अगले बरस तु जल्दी आ के जयघोष के साथ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया ।

इनर व्हील क्लब ऑफ बालाघाट टाइग्रेस ने मनाया शिक्षक दिवस

एमएलबी के शिक्षकों को किया गया सम्मानित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इनर व्हील क्लब ऑफ बालाघाट टाइग्रेस द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल बालाघाट में

शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का तिलक एवं उपहार देकर सम्मान किया गया । इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार जैन ने विचार रखते हुए कहा शिक्षक हमारे समाज के स्तंभ है वह हमारे जीवन में सही दिशा देने वाले दीपक की तरह है जो स्वयं जलकर अज्ञान का अंधकार दूर करते हैं शिक्षक हमें केवल पढ़ाई नहीं सिखाते बल्कि अनुशासन ईमानदारी कर्तव्य और मानवता जैसे मूल्यों को भी सिखाते हैं इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष राधिका असाटी ने कहा आज के आधुनिक युग में जहां तकनीक और ज्ञान के अनेक साधन उपलब्ध हैं वहां भी शिक्षक का महत्व सबसे बड़ा है क्योंकि ज्ञान को सही दिशा देना चरित्र का निर्माण करना और अच्छा इंसान बनना केवल शिक्षक ही कर सकता है। जिला योग आयोग अध्यक्ष तपेश असाटी ने कहा हमारे जीवन के शिक्षक पथ प्रदर्शक होते हैं वह हमें केवल किताबों का ज्ञान नहीं देते बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं जैसे दीपक स्वयं जलकर अंधकार को दूर करता है वैसे ही शिक्षक अपना समय और ऊर्जा लगाकर हमारे भविष्य को उज्जवल बनाते हैं। उनकी मेहनत मार्गदर्शन और प्रेरणा के बिना हम सफलता की ओर अग्रसर नहीं हो सकते कार्यक्रम में संस्था की छात्राओं ने संस्था के सम्मान में स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की एवं शिक्षकों की महत्वता दर्शाने वाला गीत गुरुओं का सम्मान कभी ना भूले हम , प्रस्तुत किया इस अवसर पर इनर व्हील क्लब आफ बालाघाट टाइग्रेस ने सभी शिक्षकों व शिक्षिकाओं को गिफ्ट प्रदान किया जिसमें प्रमुख रूप से संस्था की अध्यक्षा श्रीमती राधिका साथी, सचिव सोनल गांधी रश्मि बिसेन, मनीषा छुटटानी ,रिया पसरिचा, पूजा अग्रवाल, माधुरी अग्रवाल, राधिका सरोदे, रोशनी सचदेव, सारिका शांडिल्य, मिस्टी सोमानी, रेखा बानोदिया, सौम्या बेदी, और रानी धनवानी की कार्यक्रम में उपस्थिति रही।

ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को नहीं मिल रही स्वास्थ्य सुविधाएं

तिरोड़ी क्षेत्र के आरोग्य केंद्र में मरीज को नहीं मिलते डॉक्टर, युवक ने लगाया आरोप, बीएमओ बोले दी जा रही है पूरी सुविधाएं

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजनों को उनके घरों तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने हेतु ग्रामीण अंचलों में अनेको योजना संचालित की जा रही हैं, जिसके चलते उपस्वास्थ्य केंद्र और आरोग्य केंद्र संचालित किये जा रहे हैं ,किंतु आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले आमजन को उनका स्वास्थ्य बिगड़ने पर स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही है। जिसका एक ताजा मामला महकेपार आरोग्य केन्द्र का सामने आया है, यहां पर एक युवक ने स्वास्थ्य विभाग पर आरोप लगाते हुए बताया कि उनके क्षेत्र के आरोग्य केंद्र में चिकित्सक उपस्थित नहीं होने के कारण उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही है, जबकि यहां के संबंधित अधिकारी बता रहे हैं कि आरोग्य केन्द्रों में पूरी स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही है। आपको बता दे कि जिले के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने, शासन प्रयासरत है यही कारण है कि लाखो रूपए की लागत से आयुष्मान केन्द्रो को प्रारंभ किया गया है, जहां आवश्यकतानुसार डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी रखे गए है, लेकिन, इनका लाभ क्षेत्रवासियों को नहीं मिल रहा है, बीमारो के ईलाज के लिए बनाए गए आरोग्य केन्द्र, जिम्मेदारो की अनदेखी के कारण बीमार

हालत में दिखाई देते है। केन्द्र में मौजूद स्वास्थ्य अमला, नदारद रहता है, जिससे लोगों को उपचार नहीं मिल पा रहा है। ऐसी ही स्थिति महकेपार आरोग्य केन्द्र में है, जहां मरीजों को उपचार नहीं मिलने की शिकायत, ईलाज कराने आए युवक कृष्णा ठाकरे और नितेश उचबगले ने की है। कृष्णा ठाकरे, सर्दी-खांसी का उपचार कराने आया था। जबकि नितेश उजबगले, रात में ईलाज के लिए स्वास्थ्य अमला नहीं मिलने पर सुबह वह अस्पताल ईलाज कराने पहुंचे थे। गोरेघाट में भी इसी तरह की समस्या, ग्रामीणों का सामने आ रही है। जबकि इन आरोग्य केन्द्रो से तकरीबन दो दर्जन ग्रामीण क्षेत्र जुड़े है, जहां से बीमार मरीज, यहां उपचार कराने आते है, ऐसे में जब वायरल फीवर सहित मलेरिया के मामले सामने आ रहे है, तब आरोग्य केन्द्रो में डॉक्टरो और स्वास्थ्य अमले के नहीं मिलने से लोगों को बिना ईलाज करवाये वापस लौटना पड़ रहा है। कृष्णा ठाकरे ने बताया कि वह सर्दी-खांसी का उपचार कराने आया था, लेकिन यहां कोई नहीं है। युवक नितेश उचबगले ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में हो रहे निर्माण सामग्री के अव्यवस्थित रखे होने से उनकी मोटर सायकिल अनियंत्रित होकर पलट गई थी। जिससे पैर में चोटे आने पर वह ईलाज कराने आरोग्य केन्द्र आए थे लेकिन यहां कोई नहीं है। हालांकि इस मामले में बीएमओ पंकज दुबे ने बताया कि महकेपार और गोरेघाट में डॉक्टरो के शासकीय आवास है, कल जरूर, महकेपार के डॉ. छुट्टी पर थे लेकिन स्टॉफ रहता है, अब तक तो ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है और यदि ऐसा है तो वह देख लेंगे, अभी मैं कंफर्म करता हूं। जबकि ताजा मामला, आदिवासी बैगा परिवार की महिला सुगवती पति बिरन मरसकोले पिछले कई दिनों से बीमार थी। हालत यह पहुंच हो गई थी कि उसे जल्द उपचार नहीं मिलता तो शायद ही वह बच पाती।

पर्युषण पर्व सम्पन्न ,जैन समाज द्वारा नगर में निकाली शोभायात्रा

श्री जी की भव्य शोभायात्रा आज, विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री दिगंबर जैन पंचायत बालाघाट द्वारा धूमधाम से पर्युषण पर्व मनाया गया। दशलक्षण महापर्व पर पूरे 10 दिनों तक रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।इस दौरान रोजाना 1008 श्री आदिनाथ मंदिर में सुबह 7ः30 अभिषेक शांतिधारा, 8बजे शांति धारा शांतिमय पूजन, 9 बजे से पूजन, प्रवचन बबीना से पधारी हुई ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी एवं प्रीती दीदी द्वारा किए गए।10दिन के कार्यक्रम श्री दिगंबर जैन पंचायत मंदिर की में संपन्न हुए , वही रोजाना शाम को 7ः30 बजे संगीतमय आरती का आयोजन ,दीदी द्वारा प्रतिक्रमण एवं प्रश्न उत्तर कराए गए प्रतिदिन यह कार्यक्रम संपन्न हुए अपनी आत्मा शुद्ध के लिए एक टाइम पानी लेकर उपवास करने वालों ने अपनी तपस्या की। जिसके उपरांत शनिवार को नगर में एक शोभायात्रा निकाली गई जिसमें श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ शामिल हुए।

दसलक्षण महापर्व पर उपवास एवं सहयोग करने वालो को किया गया सम्मानित

दसलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर उपवास की आराधना करने वाले सभी श्रावक श्राविकाओं के भावों व शक्ति के लिए सभी ने खूब खूब अनुमोदना की है। जिनका श्री दिगंबर जैन पंचायत द्वारा स्वागत कर, उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।व्रताया गया जिन्होंने उपवास करने वालों मे प्रमुख रूप से अमन राजेंद्र जैन, प्रणीत प्रवीण, संकल्प प्रवीण, सम्यक प्रशांत जैन ,श्रीमती आयुषी एकांत, नितेश सिंघई जैन, श्रीमती वंदना राजेश जैन, अंकुर सिंघई, सुबोध जैन, श्रीमती आकांक्षा आकाश ,कु . सुरभि जैन ,मौली अंकित, संकल्प मनोज ,रिजु जैन ,वंदना राजेश जैन ,श्रीमती अंजली आशीष , रिद्धि आशीष,श्रीमती सुनीता सिंघई, अश्विन अजय जैन (अंकी) और मंदिर की में विशेष रूप से सहयोग एवं प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष रूप से अपना सहयोग प्रदान करने वाले श्रावकों का भी श्री दिगंबर जैन पंचायत द्वारा स्वागत किया गया एवं उन्हें स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिवादन किया गया।

आज भव्य रूप से निकाली जाएगी श्री जी की शोभायात्रा

इसी कड़ी में आज रविवार 7 सितंबर को श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो नगर के मुख्य मार्ग से भ्रमण करते हुए महावीर भवन पहुंचेगी वहां पर श्री जी का अभिषेक पूजन कर मंदिर में विराजमान किया जाएगा रविवार की दोपहर आयोजित इस भव्य शोभायात्रा और विभिन्न कार्यक्रमों में उपस्थिति की अपील श्री दिगंबर जैन पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार जैन, सचिव अजय जैन कोषाध्यक्ष निलेश वाकलीवाल सहित अन्य पदाधिकारी सदस्यों द्वारा की गई है।उक्त जानकारी सह सचिव सिंघई अमन जैन द्वारा दी गई।

अमृतविद्या पीठ हायर सेकेण्डरी स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय अमृतविद्यापीठ हायर सेकेण्डरी स्कूल में देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह का शुभारंभ सेवानिवृत्त शिक्षक डी पी चौरागड़े के द्वारा माँ सरस्वती ,डॉ. राधाकृष्णन के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। तथा समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का पुष्पगुच्छ एवं उपहार भेंट कर छात्र छात्राओं के द्वारा सम्मान किया गया। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। सेवानिवृत शिक्षक डी पी चौरागड़े ने कहा की आज प्रतिभावान गरीब बच्चो की करना चाहिये ताकी समाज में हर शिक्षकों का दायित्व बनता है। जिससे हमारा समाज आने वाली पीढी और शिक्षा का स्तर उचां रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्था की प्राचार्या गीता सदाफले ने छात्र छात्राओं को सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन से शिक्षा लेकर भविष्य बनाने का संदेश दिया। और सभी छात्र छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट में संपन्न हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट, शैक्षणिक गतिविधियों के साथ‌‌ साथ विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भी विद्यार्थियों को उपलब्धि के लिए उचित अवसर प्रदान करता है । विद्यालय में प्रतियोगिता की भावना विकसित करने के लिए सभी कक्षा के बच्चों को चार सदनों शिवाजी सदन टैगोर सदन, अशोक सदन और रमन सदन में विभाजित किया जाता है और इन सदनों के बच्चों में परस्पर प्रतियोगिताएं आयोजित होती है । इसी क्रम में विगत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में वर्ष भर आयोजित पाठ्य सहगामी क्रियाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 6 अगस्त 2025 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया और सत्र 2025-26 के सदन पदाधिकारी विद्यार्थियों को बैज एवं शेश से अलंकृत किया गया । इस अवसर पर 123 बटालियन CRPF भरवेली के SECOND IN COMMAND श्री अनूप कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गौरवपूर्ण उपस्थिति दी एवं पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई, साथ ही डॉ. श्रीमती सरिता खोब्रागढ़े, प्रोफेसर, कन्या महाविद्यालय बालाघाट एवं डॉ. आशा गोहे, प्रोफेसर, पी एम एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय बालाघाट ने विशेष अतिथि के तौर पर शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाया और विद्यार्थियों को शील्ड तथा प्रमाण-पत्र प्रदाय किए गए । सभी अतिथियों ने और विद्यालय के प्राचार्य श्री अरुण कुमार तुमसरे ने भी सभी विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई और शुभकामनाये दी साथ ही अन्य बच्चों को भी अगली बार बेहतर प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा सभी सदन नायकों/ नायिकाओं को समूह भावना से संबंधित शपथ दिलायी गयी । इसके उपरांत सत्र 2024-25 में आयोजित पाठ्य सहगामी क्रियाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिनमे विशेष पुरस्कार, प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले,कुल मिलाकर लगभग 120 विद्यार्थियों को अतिथियों के कर कमलों से प्रमाणपत्र और प्रतीक चिन्ह के साथ पुरस्कृत और सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय की पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रभारी श्रीमती अंकिता यादव के साथ अन्य शिक्षकों ने भी यथोचित सहयोग प्रदान किया ।

फसल बीमारी की रोकथाम के लिए जिला स्तरीय डायग्नोस्टिक टीम का गठन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खरीफ वर्ष-2025 में जिले में लगाई गई फसलों में कीट व्याधी एवं बीमारी नियंत्रण के लिए उचित जानकारी व मार्गदर्शन से कृषक को अवगत कराने उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने जिला स्तर पर डायग्नोस्टिक टीम का गठन किया है। जिला स्तरीय डायग्नोस्टिक टीम में डॉ. उत्तम बिसेन कृषि वैज्ञानिक, डॉ. एस.आर.धुवारे कृषि वैज्ञानिक, खेलावन डहेरिया सहायक संचालक कृषि, श्री राजेश कुमार खोबरागडे सहायक संचालक कृषि, विनय धुर्वे सहायक संचालक कृषि तथा संबंधित ब्लॉक के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं कृषि विस्तार अधिकारी शामिल है। जिला स्तरीय दल समन्वय स्थापित कर समय-समय पर जिले में कीटव्याधी नियंत्रण एवं बीमारी की रोकथाम के लिए भ्रमण कर किसानों को उचित सलाह देंगे। जिले के कृषकों को सूचित किया गया है कि जिन कृषकों की फसल में बीमारी या कीट व्याधि पाई जाती है तो वे अपने ग्राम के कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर उचित मार्गदर्शन ले सकते है।

जिला चिकित्सालय के निःशुल्क शव वाहन ने 30 शवों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर शासकीय अस्पताल में उपचार के दौरान या अन्य किसी कारण से मृत व्यक्ति के शव को सम्मान के साथ उसके घर तक पहुंचाने के लिए निःशुल्क शव वाहन की सुविधा 01 अगस्त 2025 से उपलब्ध कराई गई है। इसके अंतर्गत जिला चिकित्सालय बालाघाट को 01 शव वाहन उपलब्ध कराया गया है। इस शव वाहन ने अब तक 30 शवों को उनके गंतव्य तक निःशुल्क पहुंचा कर पीडित परिवारों की मदद की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप एवं सिविल सर्जन डॉ निलय जैन द्वारा 01 अगस्त 2025 को जिला चिकित्सालय बालाघाट में शव वाहन सेवा का शुभारंभ किया गया था । जिससे अस्पताल में उपचार के दौरान मृत शरीर को परिवार जन सम्मान के साथ अपने घर ले जा सकते हैं। संजीवनी 108 जिला प्रबंधक शुभम लिल्हारे ने बताया कि निःशुल्क शव वाहन से अगस्त माह में 24 व चालू सितम्बर में अब तक 06 इस प्रकार कुल 30 शवों को निःशुल्क उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया है। जिसमें बैहर, वारासिवनी, किरनापुर, लालबर्रा, लामता, परसवाड़ा, लांजी, कंटगी एवं बालाघाट ब्लॉक के ग्राम शामिल हैं। निःशुल्क शव वाहन की सेवा प्राप्त करने के लिए निःशुल्क नम्बर 108 या 1080 पर काल कर प्राप्त की जा सकती है। अभी 01 शव वाहन बालाघाट जिले को प्राप्त हुआ है, भविष्य में इसकी संख्या 02 की जायेगी । इस योजना में जिले की शासकीय संस्था में रोगी अथवा दुर्घटना पीडित की उपचार के दौरान मृत्यु होने पर मृतक को उसके निवास स्थल/शमशान घाट तक निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। शासन के प्राप्त निर्देशानुसार शव वाहन का संचालन जिले की सीमा के अंदर किया जाएगा। विभाग द्वारा शव वाहन का संचालन राज्य शासन द्वारा संचालित शासकीय चिकित्सा संस्थानो में हुई मृत्यु के प्रकरणों में उपयोग किया जाएगा। निजी चिकित्सालय, निवास स्थल एवं अन्यत्र किसी भी स्थान में हुई मृत्यु के प्रकरण में शव वाहन उपलब्ध करायें जाने की पात्रता नहीं होगी।

तीन दिन से लापता व्यक्ति का फांसी पर लटकी लाश पुलिस ने किया बरामद

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

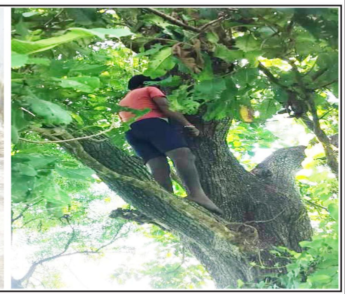

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थानांतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बम्हनी के 28 वर्षीय श्रीपाल राजुरकर तीन दिनों से लापता था। जिसकी लाश पेड़ में लटकी हुई पुलिस ने शनिवार को बरामद किया गया। जिसके बाद आवश्यक कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बम्हनी निवासी रूपचंद राजुरकर का 28 वर्षीय बेटा श्रीपाल राजुरकर की शादी हो चुकी थी, जिसके दो बच्चें है और जो अपनी पत्नि व बच्चों के साथ अलग रहता था। गत 3 सितंबर को श्रीपाल दोपहर 12 बजे के बाद खेत की ओर जा रहा हूं कहकर घर से निकला था, लेकिन देरशाम तक वह वापस घर नही आया तो परिजनों ने उसकी आसपास एवं रिस्तेदारी में पतासाजी किये किन्तु कही कुछ पता नही चला। जिसके बाद लालबर्रा थाना पहुंचकर गुम रिपोर्ट दर्ज करवाई गई और लापता हुए व्यक्ति की तलाश में जुट गये। शनिवार को सुबह के समय पुनः परिजन वैनगंगा नदी के समीप स्थित खेत पीपलघाट की ओर जाकर देखे तो साझा के पेड़ में एक व्यक्ति लटका हुआ दिखाई दिया। जिसके समीप पहुंचकर देखे तो उसकी पहचान दिन तीनों से लापता श्रीपाल राजुरकर के नाम से की गई। जिसके बाद उसके परिजनों व पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं तीन दिनों से लापता व्यक्ति का शव पेड़ में फांसी पर लटकी देखी जाने की जानकारी ग्राम में आग की तरह फैल गई। जिसके बाद घटना स्थल में लोगों की भीड़ लग गई। वहीं पुलिस को तीन दिनों से लापता व्यक्ति का शव मिलने की जानकारी लगने के बाद थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक दुर्गाप्रसाद झिझोते पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचकर ग्रामीणजनों की मदद से शव को पेड़ से नीचे उतारकर आवश्यक कार्यवाही करने के बाद मृत व्यक्ति की लाश को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। जहां चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि बम्हनी निवासी 28 वर्षीय श्रीपाल राजुरकर फर्नीचर बनाने का काम करने के साथ ही कृषि कार्य करता था, जिसके परिवार में उसकी पत्नि, दो बच्चें है और वर्तमान में पोटियापाट घाट नदीटोला में किराये के मकान में रहता था। 3 सितंबर को दोपहर में खेत जा रहा हूं कहकर घर से निकला था, लेकिन देरशाम तक घर वापस नही आया और उसके बाद से वह लापता हो गया था एवं तीन दिन बाद शनिवार को वैनगंगा नदी के समीप पीपलघाट स्थित खेत के पेड़ पर फांसी पर लटका हुआ दिखाई दिया, जिसकी मौत हो चुकी थी। जिससे लग रहा है कि किसी मानसिक तनाव में आकर उसने फांसी लगा ली होगी, जिससे उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वहीं मृतक व्यक्ति अपने माँ-बाप का इकलौता बेटा था। जिसके परिवार में अब उनकी पत्नि, दो बच्चें एवं माँ-बाप है और श्रीपाल की मौत हो जाने से परिवार को जीविकापार्जन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

मृतक के परिजनों को दिलवाया जायेगा योजना का लाभ - ढबाले

सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि तीन दिन से लापता श्रीपाल राजुरकर का शव शनिवार को अधिया के खेत स्थित पेंड से फांसी पर लटका हुआ देखा गया। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई और उसने किस कारण से फांसी लगाया है, कारण अज्ञात है। साथ ही यह भी बताया कि जानकारी मिल रही है कि पूर्व में वन विभाग में नौकरी लगने के लिए उसने डेढ़ लाख रूपये किसी को दिया था और कुछ दिनों तक डयूटी में गया भी है। लेकिन विगत दिवस बहियाटिकुर के पोटुटोला बीट में बाघ के मौत के मामले में जो कर्मचारी फरार है उन्हे रूपये मृतक ने दिया था एवं कुछ दिनों तक काम करने के बाद बंद हो गया था और रूपये वापस नही मिलने के कारण मानसिक तनाव में रहा होगा, इसी के चलते फांसी लगाया होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है एवं मृतक के परिजनों को शासन की योजना का लाभ दिलवाया जायेगा।

मामले की जांच की जा रही है - दुर्गा

दूरभाष पर चर्चा में सहायक उपनिरीक्षक दुर्गाप्रसाद झिझोते ने बताया कि बम्हनी के श्रीपाल तीन दिनों से लापता था, जिसकी गुम रिपोर्ट थाने में दर्ज करवाई गई थी और पुलिस व परिजन उसकी पतासाजी कर रहे थे। शनिवार को सुबह के समय पोटियापाट नदीटोला से कुछ दुर स्थित पीपलघाट के समीप पेड़ पर फांसी पर लटका हुआ शव दिखाई दिया। जिसकी जानकारी लगने के बाद घटना स्थल पहुंचकर लाश बरामद कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं प्रथम दृष्टया फांसी लगाने से उसकी मौत होना पाया गया। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

डीएफओं नेहा श्रीवास्तव विधायक अनुभा मुंजारे पर लगा रही है झूठा आरोप - मनीष

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में कहा कि बालाघाट उत्तर वन मंडल में पदस्थ डीएफओं श्रीमती नेहा श्रीवास्तव द्वारा बालाघाट-लालबर्रा विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे पर रूपयों के लेन-देन की मांग का जो आरोप लगाया जा रहा है वह आरोप बेबुनियाद व निराधार है। जबकि पूर्व में लालबर्रा विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत बहियाटिकुर बीट के पोटूटोला में वन विभाग के कर्मचारियों के इशारे पर मृत बाघ को बिना पंचनामा एवं विधिवत नियमानुसार बिना सरकारी कार्यवाही के उसे जलाने का कार्य किया गया था। जिसके जांच के दौरान आदिवासी सुरक्षाकर्मियों पर मामला दर्ज करवाकर उन्हें जेल भेज दिया गया। बड़े दोषी अधिकारियों व कर्मचारी पर अब तक किसी प्रकार की कोई बड़ी कार्यवाही नही की गई है। श्री कुशवाहा ने बताया कि विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा बाघ में मामले में आदिवासी भाईयों पर जो कार्यवाही कर बड़े अधिकारियों को बचाया जा रहा है उक्त मामले को विधानसभा में प्रश्न लगाकर मामले की निष्पक्षता से जांच करने की मांग की गई थी। जिसके फलस्वरुप भोपाल से एक टीम गठित की गई, जिस पर जांच जारी है। जिससे डीएफओं नेहा श्रीवास्तव के पति अधर गुप्ता पर निलंबन की कार्यवाही प्रस्तावित है। उक्त सभी मामले पर नेहा श्रीवास्तव डीएफओं के द्वारा राजनीति का शिकार होकर रूपये मांगने एवं लेन-देन का बेबुनियाद व निराधार आरोप विधायक श्रीमती मुंजारे पर लगाया जा रहा है। जबकि विधायक द्वारा जब से विधायक बनी है रात-दिन जनता की सेवा में लगी हुई है, डीएफओं के द्वारा लगाये गये आरोप की हम निंदा करते है और जनता से चुने गये जनप्रतिनिधियों पर झूठा आरोप लगाने वाले ऐसे प्रशासनिक अधिकारी पर कठोर कार्यवाही करने की मांग शासन-प्रशासन से करते है।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन एवं सामाजिक संगठन ने किया फल वितरण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित रजा मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के द्वारा शुक्रवार को जश्ने ईदमिलादन्नबी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मस्जिद से मोहम्मदी जुलूस निकाला गया और यह जूलूस लालबर्रा हाई स्कूल मार्ग का भ्रमण किया। इस दौरान भीम आर्मी भारत एकता मिशन, सामाजिक संगठन तहसील लालबर्रा कमेटी के द्वारा बिरसा मुंडा सभामंच के सामने जुलूस में शामिल लोगों का फुल मालाओं से स्वागत किया तत्पश्चात फल का वितरण किया गया। इस अवसर पर भीम आर्मी भारत एकता मिशन सामाजिक संगठन जिलाध्यक्ष रितेश बोरकर, स्टूडेंट फेडरेशन जिलाध्यक्ष सुजल मेश्राम, स्वप्निल बंसोड़ तहसील अध्यक्ष, संजीव राव, कार्यकारी अध्यक्ष विजय कांगड़े, इम्तियाज उर्फ इमरान खान, सचिव आईआर खान उपाध्यक्ष, सत्यशील मेश्राम कोषाध्यक्ष, शोहेब कुरेशी , व, आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष मोंटी भाई, अभय मेश्राम, इंद्राज मेश्राम, दीपक मेश्राम, विशाल वैद्य, दीपेंद्र हुमनेकर, नंदनी गजभिये, संजना गजभिये, दानिश ख़ान, सद्दाम भाई, नदीम भाई, शादाब भाई, गगन, अल्लू खान, आतिफ खान, अल्तमश ख़ान, बघौली अध्यक्ष फईम खान सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

दिगम्बर जैन मंदिर से निकली श्रीजी की शोभायात्रा

10 दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण पर्व का हुआ समापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित दस दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण पर्व का 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर विभिन्न कार्यक्रमों के साथ समापन किया गया। इस अवसर पर दिगम्बर जैन मंदिर में जैन धर्मालंबियों के द्वारा प्रातः पूजा अभिषेक किया गया, जिसके बाद शाम 4 बजे बैंडबाजे के साथ श्रीजी की शोभायात्रा निकाली गई जो बस स्टैण्ड होते हुए मानपुर एवं मानपुर से हाईस्कूल मार्ग से सुधीर जैन के निवास पहुंची। जहां पूजन-अर्चन पश्चात शोभायात्रा पुनः दिगम्बर जैन मंदिर पहुंची जहां श्रीजी का पूजन अभिषेक किया गया एवं रात्रि में महाआरती पश्चात् भजन संध्या एवं धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही इस 10 दिवसीय पर्युषण पर्व के अवसर पर रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। चर्चा में दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी अध्यक्ष प्रशांत जैन ने बताया कि गत 28 अगस्त से 6 सितंबर तक पर्युषण पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया एवं 6 सितंबर अनंत चतुर्दशी के दिन प्रातः पूजा अर्चना की गई एवं शाम 4 बजे भगवान श्रीजी की शोभायात्रा बैठ-बाजे के साथ मंदिर से निकाली गई जो नगर भ्रमण कर वापस मंदिर पहुंची जहां महाआरती के पश्चात भजन व ब%चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री जैन ने बताया कि इस 10 दिवसीय पर्युषण पर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से 6 बजे तक अर्हं सर्वधर्म योग शिविर, प्रातः 7 बजे से भगवान महावीर का पूजन अभिषेक, शाम 7 बजे आरती के बाद विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। साथ ही यह भी बताया कि पर्युषण पर्व के अवसर पर अर्हं योग प्रणेता मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज की शिष्य प्रशांत भैया औरंगाबाद से आये है। जिनके द्वारा अर्हं स्वधर्म योग, पूजन अभिषेक संपन्न करवाने के बाद संगीतमय प्रवचन दिया गया और पर्युषण पर्व उत्तम क्षमा धर्म से प्रारंभ होकर उत्तम ब्रम्हचर्य तक चलता है। इस अवसर पर दिगम्बर जैन समाज के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भक्तिभाव के साथ विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश को दी गई विदाई

दिनभर चला, हवन-पूजन, भंडारे एवं प्रतिमा विसर्जन का दौर, बैंड-बाजे एवं डीजे की धुन पर शोभायात्रा निकालकर प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी की आराधना का दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव, धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसके समापन के अवसर पर 6 सितंबर को आस्था और भक्तिभाव के साथ प्रतिमाओं को नदी, नहर एवं तालाबों में श्रध्दालुओं के द्वारा गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आना सहित अन्य जयकारे लगाते हुए भक्तिभाव के साथ विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश को विदाई देकर प्रतिमाओं को विसर्जित किया गया। नगर मुख्यालय में गणेश उत्सव समितियों के द्वारा सार्वजनिक स्थानों एवं क्षेत्रीय भक्तजनों के द्वारा घरों में स्थापित की गई अधिकांश स्थानों पर विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश पर्व के अंतिम दिन 6 सितंबर को हवन-पूजन, भंडारे का आयोजन संपन्न हुए तत्पश्चात डीजे की धुन पर शोभायात्रा निकालकर नृत्य करते हुए पांढरवानी स्थित बड़ा तालाब, सर्राठी नदी एवं ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर, वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट में विसर्जन किया गया। वहीं ग्रामीण अंचलों में नदी-नालों व स्थानीय तालाबों में विसर्जन किया गया। प्रतिमा विसर्जन का सिलसिला देर रात्रि तक जारी रहा जिसमें श्रध्दालुओं में खासा उत्साह नजर आया। वहीं नगर मुख्यालय सहित क्षेत्र में पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात किया गया था। जिसके कारण अब तक किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नही हुई है। वहीं क्षेत्र में चहूंओर सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों के द्वारा बैंडबाजों की धुन पर जुलूस निकालकर नाचते-झूमते हुए गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ, एक दो तीन चार गणेश जी की जय जयकार सहित अन्य जयकारे व गणेश जी के भक्तिमय गीतों के साथ विसर्जन स्थल पहुंचकर आरती पश्चात विसर्जन किया गया।

मंडी परिसर में हवन-पूजन का हुआ आयोजन

नगर मुख्यालय के राजाभोज जैविक एवं प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में लालबर्रा विकासखंड की सबसे पुरानी श्री गणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के तत्वाधान में गत 27 अगस्त को विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। 6 सितंबर को शाम 4 बजे हवन-पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित के द्वारा हवनपूजन संपन्न करवाया गया जिसमें श्रध्दालुजन पहुंचकर हवनकुण्ड में पूर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। जिसके बाद डीजे की धून पर शोभायात्रा निकालकर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। चर्चा में श्री गणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि समिति के द्वारा विगत वर्षों से मंडी परिसर में प्रथम आराध्य देव श्रीगणेश की आकर्षक प्रतिमा स्थापित कर गणेशोत्सव पर्व धूमधाम से मनाया गया। साथ ही यह भी बताया कि 6 सितंबर को हवन-पूजन संपन्न होने के साथ ही आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया एवं शाम 7 बजे बैंडबाजे के साथ भगवान श्रीगणेश की शोभायात्रा निकाली गई जो अमोली ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर पहुंची। जहां विधि-विधान से पूजन अर्चन कर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर श्री गणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

एसएससी के अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट को पोस्टकार्ड से भेजा पत्र

भर्ती प्रक्रिया में बरती जा रही अनियमितता की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही एवं समय पर परीक्षा संपन्न करवाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय में स्थित पोस्ट ऑफिस कार्यालय पहुंचकर गुरूवार को बढ़ी संख्या में एसएससी के अभ्यर्थियों के द्वारा पोस्ट कार्ड से सुप्रीम कोर्ट को एक पत्र प्रेषित किया गया है। जिसमें अभ्यर्थियों के द्वारा उ'चतम न्यायालय से एसएससी भर्ती परीक्षा में बरती जा रही अनियमितता, फर्जीवाड़ा एवं धोखाधड़ी की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही एवं नियमानुसार समय पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद नई भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करवाने की मांग की है। चर्चा में अभ्यर्थियों ने बताया कि केंद्र सरकार के द्वारा अपने विभिन्न विभाग में द्वितीय व तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती एसएससी के माध्यम से करवाई जाती है। जिसके लिए प्रक्रिया के तहत स्वीकृत पदों में भर्ती के लिये विज्ञापन जारी कर आवेदन पत्र मंगवाये जाते है और परीक्षा आयोजित कर चयन प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्तियां की जाती है परंतु गत माह पूर्व आयोजित की गई एसएससी परीक्षा में व्यवधान और तकनीकी समस्याएं दिखाई दी। जैसे कि गलत सेंटर डिटेल्स, देरी से एडमिट कार्ड, कम्प्यूटर फ्रीज होना, बायोमेट्रिक फेल्योर और साक्षात्कार एवं निगरानी की लापरवाही सहित अन्य समस्याओं आई है। जिसके बाद सरकार के द्वारा ये परीक्षाएं स्थगित कर दी गई और पूर्व में आयोजित परीक्षा का समय पर परीक्षा परिणाम घोषित भी नही किया गया है और जिनका चयन हुआ है उनकी नियुक्ति भी नही की गई है एवं पुनः एसएससी की भर्ती प्रक्रिया की जा रही है जिसका हम विरोध कर रहे है। आगे बताया कि परीक्षा के समय परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था भी ठीक नहीं रहती है, कई बार परीक्षाएं असंगत स्थानों पर आयोजित होती हैं एवं कई अभ्यर्थियों को दूर-दूर जाकर परीक्षा देनी पड़ती है। इस प्रकार की समस्याओं से लाखों परीक्षार्थी प्रभावित हो रहे हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए और केंद्र सरकार को जांच, पुनः परीक्षा में सुधार के निर्देश सहित अन्य मांगों को लेकर सुप्रीम कोर्ट को डाक पोस्ट के माध्यम से पत्र भेजा गया है। इस पत्र के माध्यम से हम यही मांग करते है कि केंद्र सरकार एसएससी परीक्षाएं व्यवस्थित और निष्पक्ष रूप से आयोजित करें। परीक्षा परिणाम समय पर जारी कर भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही नई भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करें और जो अनियमितता भर्ती परीक्षा में बरती गई है उसकी निष्पक्ष जांचकर दोषियों पर कार्यवाही करें।

एसएससी भर्ती प्रक्रिया में सुधार होना चाहिए - विक्रमसिंह

विक्रमसिंह राठौर ने बताया कि विगत कई वर्षों से एसएससी की भर्ती प्रक्रिया विवादों में हो रही है। जिसके कारण समय पर परीक्षाएं आयोजित नहीं हो पा रही है और भर्ती प्रक्रिया पूर्ण किये बिना ही एसएससी की नई भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाती है, जिससे अभ्यर्थी बेहद परेशान है। यह परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाती है, लेकिन परीक्षा एजेंसी के द्वारा परीक्षा की व्यवस्था व्यवस्थित रूप से नहीं की जाती है, परीक्षा हॉल में जो कम्प्यूटर लगे होते है उनमें कई कम्प्यूटरों के माऊस नहीं चलते, कुछ में सर्वर की समस्या रहती है। तो कई कम्प्यूटर अपने आप ही चलते चलते बंद हो जाते है जिससे परीक्षार्थियों का समय खराब होता है और उनकी मेहनत बर्बाद हो जाती है जबकि दो घंटे की इस परीक्षा में यह समस्याएं बाधा बन रही है परंतु परीक्षा एजेंसी के द्वारा कोई सुधार कार्य नहीं किया जाता है जिससे अभ्यर्थियों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री राठौर ने बताया कि एसएससी भर्ती परीक्षा की अनियमितता में सुधार हेतु सुप्रीम कोर्ट को डाक पोस्ट के माध्यम से पत्र प्रेषित कर भर्ती प्रक्रिया में सुधार करने एवं जिन भर्तियों में अनियमितता बरती गई है उनकी निष्पक्ष जांच करवाकर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

गणपति अपने गांव चले

ढोल नगाडों की थाप और जय घोष के साथ मूर्ति का हुआ विसर्जन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। २७ अगस्त से प्रारंभ हुआ १० दिवसीय गणेश उत्सव का समापन शनिवार ६ सितंबर को अनंत चतुर्दशी के साथ हो गया। इस वर्ष क्षेत्र के तीन थाना अंतर्गत सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियां के द्वारा जगह जगह भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर १० दिवस पूरे भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना की गई। जिसमें अंतिम दिन गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ जैसे जयकारों के साथ विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा का समापन नदी, नालो ,नहर तालाबों पर किया गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के द्वारा जगह जगह पुख्ता बंदोबस्त तैनात रखा गया। इस वर्ष तिथि के अनुसार गणेश उत्सव ११ दिन का मनाया गया जिसमें ६ सितंबर २०२५ को अनंत चतुर्दशी के दिन सर्वाधिक गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ।

इन स्थानों पर हुआ विसर्जन

बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के गुंजायमान उद्घोष के साथ ६ सितंबर को भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। हालांकि सुबह से ही नहर में मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। नगर के वार्ड नं.३ बड़ी नहर, लाल किवाड़ी, हिमाचल नगर वार्ड क्रमांक १ एवं रामपायली रोड़ स्थित नहर चन्दन, नदी शंकर तालाब के साथी ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न तालाबों एवं नालो सहित अन्य स्थानों पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर प्रारंभ रहा।

पुलिस व्यवस्था रही चाक चौबंद

गौरतलब है कि नगर के भीतरी सीमा से होकर निकली बड़ी नहर पर वहीं शंकर तालाब एवं नगर के किनारे से गुजरने वाली चंदन नदी में प्रतिवर्ष गणेश विसर्जन का कार्य किया जाता है। जिसकी वजह से नहर में पुलिस की चाक चौबंदी के साथ ही नपा द्वारा लाईट व्यवस्था बनाई जाती है। इस मर्तबा भी दोनों ही व्यवस्था ठीक रही। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच नगर वासियों के द्वारा विसर्जन कार्य किया जाता रहा।

डीजे की धुन पर झूमे भक्त

दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व का समापन भगवान श्री गणेश की प्रतिमा विसर्जन के साथ ही समारोह पूर्वक हुआ। हालांकि इस विसर्जन कार्य में सूर्य की तपन ने जरूर लोगों को हलाकान किया लेकिन भक्तों ने डीजे की धुन पर थिरक कर भगवान श्रीगणेश का विसर्जन बड़े ही उत्साह के साथ किया। नगर के विभिन्न मार्गों पर ढोल नगाड़ों सहित डीजे की आवाज सुनाई देती रही जिसमें भगवान गणेश के भक्ति गीत बजाते रहे।

देर रात्री तक चला विसर्जन

प्रतिमा विसर्जन का सिलसिला सुबह से शुरू हुआ जो देर रात्री तक जारी रहा। आज भी कुछ सार्वजनिक पण्डाल में विराजे गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन होने की बात कहीं जा रही है। इन सार्वजनिक पंडालों ने अपनी अलग ही रणनिति विसर्जन को लेकर बनाई है। नगर के सार्वजनिक पंडालों के द्वारा शोभायात्रा के रूप में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जायेगा। यह शोभायात्रा सर्वप्रथम सार्वजनिक पंडालों एवं घरों से निकलकर नगर के चौक चौराहों का भ्रमण करेगी और उसके बाद बड़ी नहर के तट पर पहुँचेगी जहां प्रतिमाओं का विसर्जन विधि विधान से किया जायेगा।

हवन पूजन व भंडारे का हुआ आयोजन

वहीं विसर्जन के एक दिन पूर्व पण्डालों में हवन पूजन के साथ ही विशाल भण्डारे का आयोजन हुआ है। जिसमें नगर ही नही आसपास के ग्रामीणों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और पुण्य लाभ अर्जित किया। हालांकि कुछ पंडालों में हवन पूजन का कार्य व भंडारे का आयोजन ६ सितंबर को किया। ताकि भंडारे के बाद भगवान श्रीगणेश की छोटी पूजा मूर्ति का विसर्जन किया जा सके।

धूमधाम से मनाया जाता है गणेशोत्सव

गौरतलब है कि हमारा जिला महाराष्ट्र राज्य की सीमा से सटे होने के कारण श्री गणेश का दस दिवसीय पर्व धूमधाम से मनाये जाने का रिवाज प्रजलित है। जहां एक और श्रृध्दालुभक्त अपने अपने घरों मे भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजन अर्चन करते है। वहीं सार्वजनिक पण्डालों में भी भगवान श्री गणेश की स्थापना होती है। सार्वजनिक रूप से रखे जाने वाले भगवान श्री गणेश के पण्डालों में आराधना के साथ भक्तिपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। इस मर्तबा भी नगर के सार्वजनिक पंडालों में विभिन्न प्रकार के भक्तिपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

खैरलांजी के पंडालों में रही गणेश उत्सव की धूम

बड़ी आकर्षक प्रतिमाओं ने मोहा भक्तों का मन

खैरलांजी/ वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। दस दिनों तक सार्वजनिक पंडालों और घरों की रौनक बढ़ाने वाले गणपति बप्पा अनंत चतुर्दशी पर अपने धाम को चले गए। इस दौरान जहां भक्तों के द्वारा अपने घर पर प्रतिमाओं

की स्थापना की गई। वहीं सार्वजनिक उत्सव समितियों के द्वारा बड़ा और आकर्षण पंडाल के साथ आठ से दस फीट की बड़ी प्रतिमाएं स्थापित कर दस दिनों तक प्रथम पूज्य श्री गणेश की आराधना भक्ति भाव से की गई। तहसील मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामों में भी ऐसे ही भक्ति भाव और शांति पूर्ण ढंग से बप्पा की आराधना की खबरें प्राप्त हुई है। ऐसे तो प्रतिवर्ष श्री गणेश की पूजा और आराधना के साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है ,लेकिन इस वर्ष समितियों के द्वारा थोड़ा हटके पंडालों की साज सज्जा की गई थी। जिसमें बड़े,आकर्षक और मनभावन भगवान श्री गणेश विराजित थे। जिसकी सभी भक्तों के द्वारा प्रशंसा कर आयोजन समितियों का ऐसे प्रयोग के लिए हौसला अफ्जाई की गई। पंडालों में विसर्जन के पूर्व शुक्रवार को भक्तों की भीड़ देखी गई।

सालेटेका रोड़ और गांधी चौक में की गई थी बड़ी प्रतिमा स्थापित

मुख्यालय के सालेटेका रोड़ पर सांदीपनि स्कूल के सामने विशाल मूर्ति और आकर्षक पंडाल ने सभी को आकर्षित किया। यहां बप्पा की लगभग दस फीट मूर्ति खैरलांजी का राजा के नाम से स्थापित की गई थी। इसी प्रकार ग्राम के हृदय स्थल गांधी चौक में भी समिति के द्वारा आठ से दस फीट की मोहक प्रतिमा स्थापित की गई थी। यह दोनों ही प्रतिमाएं ग्राम वासियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रही। इसके अलावा गणेश मंदिर चौक सहित पताहे दुग्ध डेयरी और अन्य स्थानों पर भी प्रतिमाए स्थापित की गई। इस दौरान समितियों के द्वारा शायरी, लावणी, मटकी फोड़ प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

डीजे की धून पर हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

इस दौरान ग्यारहवें दिन हवन पूजन के साथ घर और सार्वजनिक पंडालों में विराजित प्रतिमाओं का दोपहर से शाम तक डीजे की धून पर थिरकते हुए भक्तों के द्वारा विसर्जन किया गया। भक्त भक्ति गीतों पर बप्पा को बिदाई देने पहुंचे और प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद लेते रहे। इस अवसर पर समितियों द्वारा महाप्रसादी का वितरण किया गया।

कांग्रेसियों ने हजरत मोहमद साहब के जन्मदिन पर मरीजों को किया फल वितरण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के तत्वाधान में कांग्रेसियों ने शनिवार को सिविल अस्पताल वारासिवनी में हजरत मोहमद साहब के जन्मदिन के अवसर पर मरीजों को फल वितरण किया। और ईश्वर से जल्द से जल्द मरीजों के स्वस्थ होने की कामना की। सिविल अस्पताल के संबंधित अधिकारियों को मरीजों को अच्छी सुविधा स्वास्थ लाभ देने के निर्देश भी दिए। इस दौरान कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष स्वप्निल डोंगरे,हाजी अब्दुल राजिक खान,कार्यक्रम के आयोजक राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच जिलाध्यक्ष जावेद अली, गोविल चौरे ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य अशोक मरार ,जनपद सदस्य धार्मिक ईनवाती, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष अनीस बेग ,पूर्व सेक्रेटरी जामा मस्जिद नफ ीस खान, अल्पसंख्यक विभाग विधान सभा अध्यक्ष अरशद कुरैशी ,अयान खान, सत्तू बिसेन ,पप्पू गोन्नाडे ,पिंटू वर्मा,जाकिर खान, शादाब खान, शादाब हसन, सोहेल अंसारी, अब्बू कुरैशी ,अमित फुलबारी, आशु पटले ,सुमेद बंसोड़ ,आबिद कादरी, राजेश कोलते ,शाहीद खान, गनी खान,सोनू कनौजिया, इकबाल खान एवं सभी कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हजरत मोहम्मद साहब अल्लाह का संदेश लेकर आये थे-जावेद अली

राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच जिलाध्यक्ष जावेद अली ने बताया कि १५०० साल पहले पैगंबर सल्लालाहों अलै वसल्लम ने दुनिया को जो पैगाम दिया पूरी दुनिया आज उसका अनुशरण कर रही है । पैगंबर साहब ने बेटी बचाओ का नारा दिया था क्योंकि उस दौर में बच्चियों को जन्म लेते ही दफना दिया जाता था। लेकिन हुजूर सल्लल्लाहो वाले वसल्लम ने बच्चियों को रहमत का फरिश्ता बताते हुए बेटी बचाओ का संदेश दिया। ऊंच नीच,छुआ छूत को खत्म करने एवं सबको समानता का अधिकार देते हुआ उन्होंने हजरत बिलाल जो हब्शी कौम से ताल्लुक रखते थे। जावेद अली ने आगे बताया कि १५०० साल पहले हब्शी कौम को बहुत निचले दर्जे की कौम माना जाता। इस कौम से बहुत छुआ छूत भेद भाव किया जाता था नबी सल्लाहों अलै वसल्लम ने एक हब्शी हजरत बिलाल को सबसे पहली अजान देने का मर्तबा अदा कर पूरी दुनिया को समानता का संदेश दिया। इसके अलावा उन्होंने पड़ोसियों से अच्छे संबंध रखने चाहिए अगर आपका पड़ोसी भूखा है तो आपका खाना हराम है। जल बचाओ का नारा देते हुऐ पानी कम से कम खर्च करने की बात कही। गरीबों, मजलूमों और जरूरतमंदों की हमेशा मदद के लिए के सदका और फितरा फर्ज किया। जब तक अमीर और साहिबे हैसियत अपने धन का कुछ हिस्सा गरीबों को नहीं दे देता तब तक वह धन हलाल नहीं कहलाएगा। मजदूरों को उनकी मजदूरी पसीना सूखने से पहले देने का फरमान सुनाया।

बौद्ध धर्म और मुस्लिम धर्म दोनों ने शांति का संदेश दिया है-स्वप्निल डोंगरे

कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष स्वप्निल डोंगरे ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब का ५७० ई में मक्का शहर में जन्म हुआ था। पूरी दुनिया में उन्होंने शांति का संदेश दिया गौतम बुद्ध के बाद किसी ने अगर संदेश दिया है शांति का तो वह मोहम्मद साहब है। पैगंबर मोहम्मद साहब और गौतम बुद्ध ने शांति अमन स्थापित किया और लोगों को बताया कि जुल्म को रोकना है तो ताकत जरूरी है। बौद्ध धर्म में और मुस्लिम धर्म में जिस मुद्रा में प्रार्थना की जाती है वह दोनों एक है। यह दोनों धर्म अहिंसा मानवता के दृष्टिकोण को लेकर चलते हैं उक्त महापुरुषों ने यही सिद्धांत दिए हैं की हर कोई ताकत प्राप्त करें क्योंकि जिस पर जुल्म किया जा रहा है उसकी रक्षा कर सके।

साक्षरता सप्ताह अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला मदनपुर में निकाली गई रैली

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला मदनपुर में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत साक्षरता सप्ताह की गतिविधियों के तहत ग्राम में साक्षरता रैली निकाली गई। तत्पश्चात शाला के सभागार में सभा का आयोजन किया गया । जिसमें शाला के शिक्षक ,छात्र छात्रायें, एसएमसी के सदस्य ,अध्यक्ष ,रसोईया अक्षर साथी एवं सेवानिवृत शिक्षक उपस्थित रहे । कार्यक्रम में बीआरसी सतेंद्र शरणागत एवं विकासखंड सह समन्वयक साक्षरता भोजराज पटले उपस्थित रहे। विकासखंड सह समन्वयक भोजराज पटले के द्वारा सभी चिन्हित असाक्षरों को २० सितंबर को होने वाली साक्षरता परीक्षा में शामिल कराने का आह्वान किया गया। उल्हास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के जिला मिशन संचालक जिले के कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन में यह कार्यक्रम संपूर्ण जिले में संचालित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत १५ वर्ष के ऊपर के सभी असाक्षरों को २०२७ तक पूर्ण साक्षर करने का लक्ष्य रखा गया है। जिले एवं विकासखंड स्तर पर यह कार्यक्रम सभी ग्राम एवं बसाहट में कक्षाएं संचालित की जा रही है । जिसकी परीक्षा आगामी में २० सितंबर २०२५ को होना है। वारासिवनी विकासखंड के विकासखंड स्रोत समन्वयक सतेंद्र शरणागत ने कहा कि कर इच वन टीच वन की तर्ज पर अपने पड़ोस के चिन्हित असाक्षरों को साक्षर बनाने हेतु उपस्थित जन समुदाय से अपील की गई।

केशव विद्यालय में ज्ञान विकास समिति के द्वारा शिक्षकों का किया सम्मान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। केशव विद्यालय एवं सरस्वती विद्यालय को संचालित करने वाली ज्ञान विकास समिति के द्वारा दोनो विद्यालय के शिक्षकों का ५ सितंबर को सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश नगपुरे ,मनोहर पारधी,ज्ञान विकास समिति के अध्यक्ष प्रदीप तिवारी,उपाध्यक्ष,संजय मान्धाता,सचिव विजय तेलास्कर,सह सचिव शौर्य रूसिया,सदस्य मुकेश अग्रवाल,श्री श्रीरंग देवरस,तिलक पारधी ,रमेश देव्हारे,अनिल खण्डेलवाल, ऋ षि तिवारी, श्रीमती चेतना देवरस एवं अन्य सदस्यगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती व सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना से प्रारंभ कि गयी । कार्यक्रम कि शुरूआत में अतिथि के द्वारा शिक्षकों को शिक्षक दिवस कि शुभकामनाएँ दी और कहा कि शिक्षक शिखर तक ले जाने वाला, क्षमा की भावना रखने वाला व कमजोरी को दूर करने वाला बताया। उन्होनें कहा की प्रथम गुरू माँ होती है और गुरू ही जीवन को सँवारते है। मनोहर पारधी ने कहा की शिक्षा अध्यापन कराने में शिक्षक में निखार आता है। शिक्षक अपना कार्य पूरी निष्ठा और लगन से करें। वहीं मुकेश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक कों नींव का पत्थर कहा तथा समिति के समस्त पदाधिकारियों के द्वारा शिक्षकों को श्रीफल व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कायक्रम के अंत में समिति के अध्यंक्ष प्रदीप तिवारी के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करनें वाले शिक्षकों कों सम्मानित करने की घोषणा की गई।

बरसात की त्रासदी : अतीत, वर्तमान, भविष्य

हिमाचली लोगों ने बेरहम बरसात की अतीत की खौफनाक व त्रासद घटनाओं से सबक नहीं सीखा वर्तमान में भयानक व भयावह घटनाएं घटित हो रही हैं। अतीत में बहुत मानवीय त्रासदी हुई थी और वर्तमान में भी तबाही की डरावनी व खौफनाक पुनरावृति हो रही है। 2 सितंबर 2025 को मंडी के सुन्दरनगर के जंगमबाग गांव भारी वर्षा के कारण पहाड़ी मे भूस्खलन हुआ इस दर्दनाक हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। प्रतिदिन भूस्खलन हो रहे हैं और लाशों के अंबार लह रहे हैं।बरसात ने घर के घर तबाह कर दिए और सब कुछ लील लिया।चिराग बूझ गए परिवार के परिवार खत्म हो गए। आपदा से प्रदेश में अब तक 320 लोगों की मौत हो चुकी हैं। 40 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।20 जून से अब तक 231 बार आपदाएं आई हैं। 95 बार भूस्खलन 91 बार फलैश फल्ड और 45 बार बादल फटे हैं।मणिमहेश यात्रा में फंसे 15000 तीर्थयात्रियों मे से 10000 को सुरक्षित निकाल लिया गया है यात्रा के दौरान 17 श्रध्दालुओं की जान चली गई है। भविष्य को सुरक्षित करना होगा ताकि मानवीय तबाही रुक सके । आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाना होगा ताकि ऐसी रौंगटे खड़े कर देने वाली त्रासदियां रुक सके ।त्रासदी झेल चुके लोगों के जख्म तो भर जाएंगे लेकिन निशान अमिट रहेगें ।सर्तकता व सावधानी बरतनी होगी जीवनशैली बदलनी होगी ।सरकार ने राष्टीय आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 34 के तहत पूरे हिमाचल को आपदा प्रभावित राज्य घोषित कर दिया है।प्रदेश में भारी वर्षा , भूसखलन ,बादल फटने और बाढ़ से 31 अगस्त तक 3ए056करोड़ रुपये का प्रारंभिक नुकसान आंका गया है।बरसात से हिमाचल के सात प्रभावित जिलों में क्रमश: मंडी,कुल्लु,चंबा,शिमला,लाहौल स्पिति,कांगड़ा और हमीरपुर शामिल हैं।प्रकृति से अनावयक छेड़छाड़ बंद करनी होगी ।प्रकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है।हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते हैं और न ही सरकारें सबक सीखती हैं कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर नहीं किए जाते है तब तक नई घटना घटित हो जाती है।वर्तमान घटनाओं के आंकड़े बहुत ही डरावने हैं।सैंज में भी बादल फटने से आई बाढ़ में पिता और पुत्री की मौत हुई थी। 30 जून 2025 को सराज में बादल फटने व बाढ़ आने से सब कुछ तबाह हो गया सराज कभी गुलजार रहता था आज विरान हो चुका है। यहां बाढ़ के कारण पंगलियूर गांव के एक ही परिवार के 11 लोग बेमौत मारें गए केवल मात्र एक लड़की ही बच सकी थी। सराज के बाद मंडी में भी ऐसी ही घटना हुई जिसमें एक ही परिवार के तीन लोग मारे गए थे। 2024 में निरमंड के समेज में बहुत बड़ा हादसा हुआ था जहां बादल फटने से पूरा गांव बह गया था यहां लगभग 45 लोग मारे गए थे। अतीत की त्रासदियों को देखें तो आत्मा सिहर उठती है। 20 अगस्त 2022 को मंडी के गोहर में बादल फटने से एक मकान जमीदोज हो गया जिसमें एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए थे जब एक घर से आठ अर्थियां उठी तो कायनात कांप उठी थी। 25 जुलाई को किन्नौर में भूस्खलन की चपेट में आने से 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। अतीत को भूला दिया गया कोई सबक नहीं सीखा नतीजन हादसे दर हादसे हो रहे हैं। है।16 जून 2025 से हिमाचल में बरसात का कहर मचा हुआ है। यह बरसात निर्बाध रुप से हो रही है। जुलाई,अगस्त दो महीने लगातार बरसात होती रही अब सितंबर माह में भी यह बरसात निरंतर जारी है अब पता नहीं कब तक यह सिलसिला जारी रहेगा यह भविष्य के गर्भ में है। बरसात के कहर ने जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है।हजारों लोग मौत के मुहं में समा चुके हैं।बरसात के रौद्र रुप से हर तरफ तबाही का मंजर हुआ है। आज मानव अपनी करनी पर पछतावा कर रहा है लेकिन अब कोई चारा नजर नहीं आ रहा है। लाचार व बेसहारा हो चुका मानव अब आंसू बहा रहा है।मानव अपनी गलतियों का नतीजा भुगत रहा है। काश पूर्व में यह गलतियां न की होती तो आज यह दुर्गति ना होती मगर माया में अंधा हो चुका इनसान बेहोश हो चुका था तब तक होश आया सब कुछ तबाह हो गया अब अपने किए कर्मों का फल प्राप्त कर रहा है। किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर बरप रहा है।प्रतिवर्ष प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती रहती है तो कभी बाढ का रौद्र रुप जिंदगियां लीलता है।

जीएसटी का नया दौर- कराधान व्यवस्था क्रांति की ओर

भारतीय कराधान व्यवस्था में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) का आगमन एक ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी कदम था। इसने अप्रत्यक्ष करों के जटिल और उलझे जाल को जहां सरल बनाने का प्रयास किया, वहीं शासन एवं प्रशासन में पसरे भ्रष्टाचार एवं अफसरशाही को भी काफी सीमा तक नियंत्रित किया। सुधार, सुविधा एवं जनता को राहत देने के लिये किये इस प्रयास के बावजूद इसमें अनेक जटिलताएं एवं भारी-भरकम कराधान जनता को बोझिल किये हुए था, इस बात को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार लम्बे समय से महसूस कर रही थी, इसीलिये इसवर्ष स्वतंत्रता दिवस के लालकिले के उद्बोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी को अधिक सुगम एवं जनता के हित में करने की घोषणा की। अब सरकार ने इसे और सुसंगठित करते हुए केवल दो स्लैब्स में कराधान को समेट दिया है और कर भी काफी कम कर दिये हैं तो निश्चय ही यह उपभोक्ताओं और कारोबारियों दोनों के लिए राहतकारी है। इसमें मिडल एवं लोअर क्लास का व्यापक ध्यान रखते हुए उन्हें राहत दी गयी है, जिससे हर परिवार के पास ज्यादा खर्च करने लायक आमदनी बचेगी और लोग अन्य वस्तुओं एवं सेवाओं पर अधिक खर्च कर सकेंगे। इन बड़े एवं क्रांतिकारी सुधारों से खपत बढ़ेगी, विकास को तीव्र गति मिल सकेगी। निश्चित ही यह एक नए कराधान युग का सूत्रपात है, जिसमें कर प्रणाली अधिक पारदर्शी, सरल और उपयोगी बनने की ओर अग्रसर है। जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद घोषित जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू करने करने की घोषणा की गई है। जिसमें अब 12 व 28 फीसदी के दो स्लैब को खत्म करके सिर्फ 5 व 18 फीसदी कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल एवं आयाम है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास हुआ है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है। विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। जीएसटी के बड़े सुधार को लेकर विपक्ष और विशेषत: कांग्रेस एवं भाजपा के बीच जो आरोप-प्रत्यारोप शुरु हुआ है, वह इसलिये औचित्यहीन, अतार्किक एवं व्यर्थ है, क्योंकि जीएसटी परिषद ने लम्बी विवेचना एवं आम सहमति से यह फैसला लिया है। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सकेगा। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं। अनेक कर दरों की जटिलता उपभोक्ताओं के लिए हमेशा भ्रम और बोझ का कारण रही। बार-बार की दर-संशोधन प्रक्रियाओं से व्यापार जगत में असमंजस की स्थिति बनी रहती थी। अब दो स्लैब्स की व्यवस्था से यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। उपभोक्ता को वस्तुओं और सेवाओं पर अपेक्षाकृत सरल, न्यायोचित और संतुलित कर ढांचा मिलेगा। इससे न केवल मूल्य स्थिरता आएगी, बल्कि खरीदारी और उपभोग की प्रक्रिया भी सहज होगी। इससे व्यापार एवं उद्योग भी विकास की रफ्तार पकड़ेंगे। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। डिजिटलाइजेशन, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, आधार लिंकिंग और पारदर्शी तंत्र ने व्यवस्था में विश्वास जगाया है। जीएसटी भी इसी कड़ी का एक क्रांतिकारी सुधार है जिसने 'वन नेशन, वन टैक्स' की अवधारणा को मजबूत किया। परंतु सच्चाई यह भी है कि जीएसटी विभाग आज भी भ्रष्टाचार की जक ?न से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाया है। छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को आए दिन नोटिस, जांच और जटिल प्रक्रियाओं के जाल में उलझाया जाता है। कई बार भ्रष्ट तंत्र इन्हें भयभीत कर अनुचित लाभ उठाता है। यह स्थिति जीएसटी सुधार की भावना के विपरीत है। यदि वास्तव में कराधान को क्रांतिकारी मोड़ देना है, तो जीएसटी व्यवस्था को भी पूर्णत: भ्रष्टाचार मुक्त करना अनिवार्य होगा। यह किसी से छिपा नहीं है कि टैक्स विभाग लंबे समय तक भ्रष्टाचार का गढ़ बना रहा। जटिल कानून और अनेक कर-श्रेणियाँ इस भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती थीं। लेकिन जब कराधान पारदर्शी और सरल होगा, तो अधिकारी और कारोबारी के बीच की अनावश्यक जटिलता भी कम होगी। इससे जनता एवं छोटे व्यापारियों का विश्वास व्यवस्था पर मजबूत होगा। अब आवश्यकता है कि सरकार जीएसटी प्रणाली को तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर और अधिक पारदर्शी बनाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल ट्रैकिंग का उपयोग कर कर चोरी रोकने के साथ-साथ अधिकारियों की मनमानी और रिश्वतखोरी पर भी अंकुश लगाया जा सकता है। करदाता के अधिकारों की रक्षा हो, ईमानदार व्यापारी को भयमुक्त वातावरण मिले और उपभोक्ता को राहत-तभी जीएसटी सचमुच क्रांति कहलाएगा। जीएसटी का नया दौर एक बड़ी राहत और परिवर्तन का संदेश लेकर आया है। अब अगला कदम यही होना चाहिए कि इसे भ्रष्टाचार से पूरी तरह मुक्त कर ईमानदार करदाताओं का विश्वास जीता जाए। तभी यह कहा जा सकेगा कि भारत ने वास्तव में 'सही अर्थों में एक राष्ट्र, एक कर और एक पारदर्शी कर व्यवस्था' की ओर निर्णायक कदम बढ़ा लिया है। भारत की आर्थिक यात्रा में कुछ फैसले ऐसे होते हैं, जो केवल नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि युगांतरकारी मोड़ साबित होते हैं। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हालिया सुधार उसी दिशा में उठाया गया एक साहसिक कदम है। कराधान व्यवस्था को सरल बनाने और जनता को सीधी राहत पहुँचाने की दिशा में यह सुधार महज सरकारी निर्णय नहीं, बल्कि एक लोककल्याणकारी दृष्टि का प्रमाण है। आजादी के बाद से भारत में कर-व्यवस्था जटिलताओं, बहुस्तरीय बोझ और भ्रष्टाचार की दलदल में फंसी रही। छोटे व्यापारी हों या आम उपभोक्ता, हर कोई अप्रत्यक्ष करों की इस भूलभुलैया से परेशान था। मोदी सरकार ने जीएसटी को लागू करके पहले ही इस दिशा में बड़ा कदम उठाया था, लेकिन अब इसे और सरल बनाना तथा दो स्लैब्स तक सीमित करना एक क्रांतिकारी सुधार है। इससे न केवल उपभोक्ताओं पर बोझ घटेगा, बल्कि व्यवसाय करने की सुगमता भी बढ़ेगी। अर्थव्यवस्था का असली इंजन जनता की जेब है। जब उपभोक्ता को राहत मिलती है, उसके हाथ में थोड़े अधिक पैसे बचते हैं, तो खपत बढ़ती है। यही खपत उद्योगों को गति देती है, उत्पादन में उछाल लाती है और अंतत: रोजगार के नए अवसर पैदा करती है। जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा असर यही होगा कि यह आर्थिक गतिविधियों को नये पंख देगा और इससे भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्थ बन सकेगा। किसी भी लोकतांत्रिक शासन का मूल्यांकन इस बात से होता है कि वह अपने नागरिकों के हितों को किस हद तक प्राथमिकता देता है। मोदी सरकार ने जीएसटी सुधार के जरिए यह स्पष्ट किया है कि उनकी नीतियाँ महज आँकड़ों का खेल नहीं, बल्कि जनजीवन को आसान बनाने की कोशिश हैं। यह सुधार जनता को केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि मानसिक राहत भी देता है। हालाँकि सुधार के साथ चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। राज्यों को राजस्व हानि की भरपाई, छोटे कारोबारियों को नई व्यवस्था में सहज बनाना और कर-प्रशासन में पारदर्शिता बनाए रखना, ये सब गंभीर प्रश्न हैं। लेकिन यदि इन्हें दूर किया गया तो यह सुधार भारत को एक मजबूत, पारदर्शी और विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था की ओर ले जाएगा। जीएसटी सुधार को जनता के लिए एक 'उपहार' कहना गलत नहीं होगा। यह केवल कराधान का बदलाव नहीं, बल्कि जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की पहल है। यह निर्णय बताता है कि शासन की नीतियाँ केवल सत्ता चलाने के लिए नहीं, बल्कि जनता को राहत देने और देश को विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ाने के लिए बनाई गई हैं। लेकिन यहां यह देखना ज्यादा जरूरी है कि इस बदलाव से वास्तव में आम उपभोक्ता को कितना फायदा होता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उद्योग कर कटौती का लाभ उपभोक्ता तक कैसे पहुंचाते हैं। साथ ही नियामक कितनी सतर्कता से अनुपालन सुनिश्चित करते हैं।

-ललित गर्ग

शिक्षा के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण- सावित्री बाई फुले की विरासत

शिक्षक दिवस उन महान व्यक्तित्वों को सम्मानित करने का अवसर है, जो अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से राष्ट्र का भविष्य संवारते हैं। इस दिन हम भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले (1831-1897) को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं, जिन्होंने हमारे देश में महिला शिक्षा की नींव रखने के लिए पुराने सामाजिक पूर्वाग्रहों को साहसपूर्वक चुनौती दी थी। ऐसे दौर में जब महिलाओं की शिक्षा को नापसंद किया जाता था और अक्सर हिंसक तरीके से इसका विरोध किया जाता था, सावित्रीबाई फुले ने अपने पति महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए स्कूल खोले। उन्होंने केवल पढ़ाया ही नहीं, बल्कि पाठ्यक्रम भी तैयार किए और महिलाओं को ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित करने हेतु कविताएँ भी लिखीं। उनका जीवन साहस का प्रमाण था—वह रोज़ाना एक अतिरिक्त साड़ी के साथ स्कूल जाती थीं, क्योंकि रूढिवादी पुरुष उन पर कीचड़ और पत्थर फेंकते थे। फिर भी वह डटी रहीं, क्योंकि वह जानती थीं कि भारत का भविष्य उसकी बेटियों की शिक्षा में निहित है।

सुधारकों की विरासत और समानता का आह्वान

सावित्रीबाई फुले अपने संघर्ष में अकेली नहीं थीं। भारत के समाज सुधार की यात्रा को राजा राम मोहन राय जैसे महान व्यक्तित्वों ने दिशा दी, जिन्होंने सती प्रथा, बाल विवाह के खिलाफ आवाज़ उठाई और महिला शिक्षा का समर्थन किया। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह और बालिका शिक्षा की वकालत की। आगे चलकर महात्मा गांधी ने भी इस बात पर ज़ोर दिया कि 'महिलाओं की शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम है।' इन सभी सुधारकों का मानना था कि जब तक महिलाएँ शिक्षा से सशक्त नहीं होंगी, भारत को सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता नहीं मिल सकती। यह विरासत आज भी आधुनिक भारत की आकांक्षाओं को दिशा दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अक्सर इस बात पर ज़ोर दिया है कि भारत की विकास यात्रा महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास से आगे बढ़ेगी। 'विकसित भारतञ्च2047' का विज़न भी इसी सोच पर आधारित है, जिसमें महिलाओं को राष्ट्र निर्माण का समान भागीदार बनाया गया है, और इस सशक्तिकरण की नींव शिक्षा है।

महिलाएँ और शिक्षा- अब तक की प्रगति

स्वतंत्रता के बाद से इस दिशा में हुई प्रगति उल्लेखनीय रही है। महिला साक्षरता, जो 1951 में मुश्किल से 8.86 प्रतिशत थी, आज बढ़कर 65.46 प्रतिशत (2011 की जनगणना के अनुसार) हो चुकी है और हाल के सर्वेक्षणों से स्कूलों में लड़कियों के बढ़ते नामांकन यह इंगित करते हैं कि इसमें लगातार सुधार हो रहा है।एकीकृत जिला शिक्षा सूचनाप्रणाली (यूडीआईएसई+) 2021-22 के अनुसार, प्राथमिक स्तर पर लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) अब लड़कों की तुलना में अधिक है। मोदी सरकार ने 2015 में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू की, जिसने समाज की सोच बदली, बाल लिंगानुपात में सुधार किया और स्कूली शिक्षा के हर स्तर पर लड़कियों के नामांकन को बढ़ाया। पोषण अभियान, मिशन शक्ति और सामर्थ्य जैसी पहल मिलकर ऐसा ढांचा तैयार करती हैं, जिसमें शिक्षा को पोषण, सुरक्षा और अवसर का सहारा मिलता है। यूडीआईएसई+ 2024-25 के आँकड़े बताते हैं कि पहली बार भारत में महिला शिक्षकों की संख्या कुल स्कूली शिक्षकों का 54.2 प्रतिशत हो गई है, जो 2014-15 के 46.9 प्रतिशत से कहीं अधिक है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान का नाम बदलकर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान कर दिया है।यह संस्थान महिलाओं और बच्चों से संबंधित कार्यक्रमों को मज़बूत बनाने के लिए क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह सुनिश्चित करता है कि नीतियाँ ज़मीनी स्तर पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित हों। सावित्रीबाई फुले के नाम के साथ, यह संस्थान शिक्षा और सुधार के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के उनके विजन के प्रति जीवंत श्रद्धांजलि है। फिर भी कुछ चुनौतियाँ बनी हुई हैं। कम उम्र में विवाह, सुरक्षा की चिंता और आर्थिक कारणों से कई लड़कियाँ माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ देती हैं। सरकार इन चुनौतियों को दूर करने के लिए छात्रवृत्ति, आवासीय सुविधा, मासिक धर्म स्वच्छता पहल और डिजिटल शिक्षा के अवसर उपलब्ध करा रही है, ताकि हर लड़की बिना रुकावट अपनी पढ़ाई पूरी कर सके।

राष्ट्र-निर्माता के रूप में शिक्षक

महिला शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। वे केवल पढ़ाने का काम नहीं करतीं, बल्कि लाखों बालिकाओं के लिए प्रेरणा और आदर्श भी बनती हैं। इसी तरह वे सावित्रीबाई फुले की मशाल को आगे बढ़ा रही हैं। अध्ययन बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला शिक्षकों की उपस्थिति से लड़कियों का स्कूल में नामांकन और पढ़ाई जारी रखने की संभावना बढ़ जाती है। गरीबी के चक्र को तोड़ने और परिवारों को बेहतर भविष्य का सपना दिखाने में उनका योगदान बेहद अहम है।

विकसित भारत की ओर

जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, शिक्षा विकास का प्रमुख वाहक बनी हुई है। विशेषकर महिलाओं की शिक्षा, इसके प्रभाव को कई गुना बढ़ा देती है- शिक्षित महिलाएँ बेहतर स्वास्थ्य सेवा, कम शिशु मृत्युदर, उच्च पारिवारिक आय और मज़बूत समुदाय सुनिश्चित करती हैं। यूनेस्को के अनुसार, एक लड़की की स्कूली शिक्षा का प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष उसकी भविष्य की आय में 10-20 प्रतिशत की वृद्धि करता है। इसलिए, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय अपनी योजनाओं को सतत विकास लक्ष्य 4 (गुणवत्तापूर्णशिक्षा) और सतत विकास लक्ष्य 5 (लैंगिक समानता) के अनुरूप बनाना जारी रखे हुए है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी लड़की पीछे न छूटे।हम शिक्षा को पोषण, सुरक्षा और कौशल विकास के साथ जोड़कर ऐसा माहौल तैयार कर रहे हैं जहाँ महिलाएँ विद्यार्थी, शिक्षक, उद्यमी और नेता बनकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

सामूहिक संकल्प

सावित्रीबाई फुले की कहानी हमें इस बात की याद दिलाती है कि सच्ची प्रगति साहस से ही जन्म लेती है। पुणे की उनकी साधारण कक्षा से लेकर आधुनिक भारत की उन कक्षाओं तक, जहाँ करोड़ों लड़कियाँ प्रतिदिन शिक्षाग्रहण करती हैं, यह यात्रा महिलाओं और शिक्षा के प्रति समाज के दृष्टिकोण में आए व्यापक बदलाव को दर्शाती है।लेकिन यह मिशन अभी अधूरा है। शिक्षक दिवस को मनाते हुए, आइए हम उनके विजन और हमारे प्रधानमंत्री के इस आह्वान के प्रति स्वयं को पुन:समर्पित करें कि महिला सशक्तिकरण कल्याण नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शक्ति का विषय है।यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक लड़की शिक्षित हो, प्रत्येक महिला सशक्त हो और प्रत्येक शिक्षक का सम्मान हो, हम अपने सपनों का भारत बना सकते हैं।

-सावित्री ठाकुर

श्रद्धया इदं श्राद्धम - जो शर्द्धा से किया जाय, वह श्राद्ध है

वैश्विक स्तरपर भारत मान्यताओं प्रथाओं परंपराओं और गहरी आध्यात्मिकता में आस्था रखने वाले देश के रूप में प्रसिद्ध है।अनेक कारणों में से यह भी एक कारण है की पूरी दुनियां से सैलानी भारत भ्रमण पर आते है जो इन प्रथाओं परंपराओं आध्यात्मिकता को देख उनसे प्रेरणा लेने की कोशिश करते हैं।आधुनिक विज्ञान के इस डिजिटल युग में जहां मानव चांद पर मानव कॉलोनी बनाने की ओर बढ़ गए हैं, सूर्य को अपनी मुट्ठी में लेने के प्रयास हो रहे हैं,मानव का स्थान अब रोबोट ले रहा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनियां हदें पार कर रही है,परंतु भारत एक ऐसा देश है जिसकी सभ्यता और संस्कृति की जड़ें हजारों वर्षों पुरानी हैं।यहाँ का जीवन- दर्शन केवल वर्तमान तक सीमित नहीं है बल्कि अतीत और भविष्य को भी जोड़ता है। इसी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का एक गहरा उदाहरण है पितृपक्ष, जिसे हर वर्ष भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन अमावस्या तक मनाया जाता है। वर्ष 2025में यह पवित्र कालखंड 7 सितंबर से 21 सितंबर तक रहेगा। यह समय भारतीय समाज में पूर्वजों की स्मृति, उनके प्रति कृतज्ञता और उनकी आत्मा की शांति के लिए किए जाने वाले कर्मकांड का प्रतीक है। इस पर्व का महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह मनुष्य को उसकी जड़ों से जोड़ने और सामाजिक सामंजस्य बनाए रखने की प्रेरणा भी देता है। आज भारत के परिवार सच्चे मन से एवं श्रद्धा से श्राद्ध मनाकर अपने पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त कर रहा है। मान्यता के अनुसार इस दौर में हमारे पूर्वज किसी न किसी रूप में धरती पर आते हैं और श्राद्ध को ग्रहण कर हमें आशीर्वाद देते हैं। भारतीय संस्कृति में पितृपक्ष को केवल कर्मकांड का पर्व नहीं माना गया है, बल्कि इसे आस्था और श्रद्धा का जीवंत प्रतीक समझा गया है।श्रद्धया इदं श्राद्धम् का शास्त्रीय उद्घोष यही बताता है कि जब किसी कार्य को श्रद्धा, निष्ठा और कृतज्ञता से किया जाता है तो वह श्राद्ध कहलाता है।इसीलिए पितृपक्ष केवल आचार-विचार का विषय नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, रिश्तों और पारिवारिक मूल्यों का उत्सव है। जब मनुष्य अपने पूर्वजों का स्मरण करता है,उन्हें तर्पण, पिंडदान और भोजन अर्पण करता है, तो यह उसकी आत्मा को भी शांति प्रदान करता है।चूंकि यह 15 दिवसीय श्राद्ध 7 सितंबर 2025 से शुरू हैं, इसलिएआज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से,चर्चा करेंगे, श्रद्धया इदं श्राद्धम - जो शर्द्धा से किया जाय, वह श्राद्ध है।

साथियों बात अगर हम पितृपक्ष का मूल उद्देश्य को समझने की करें तो, यही है कि मनुष्य अपने जीवन में यह स्वीकार करे कि उसका अस्तित्व केवल उसकी मेहनत का परिणाम नहीं है। उसकी रगों में उसके माता-पिता और पूर्वजों का रक्त बह रहा है, उसकी संस्कृति और संस्कार उसके पूर्वजों की धरोहर हैं। इसलिए यह पर्व केवल मृतकों को याद करने का माध्यम नहीं है बल्कि यह जीवितों के जीवन को भी अनुशासित और संतुलित करने का अवसर है। यह हमें यह स्मरण कराता है कि परिवार, समाज और संस्कृति की जड़ों को कभी भुलाया नहीं जा सकता।भारतीय धर्मग्रंथों में यह स्पष्ट कहा गया है कि हर मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण होते हैं,देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण। इनमें से पितृ ऋण सर्वोपरि माना गया है क्योंकि माता-पिता और पूर्वजों के बिना किसी का अस्तित्व संभव नहीं है। देव ऋण हमें प्रकृति और देवताओं के प्रति कृतज्ञ बनाए रखता है,ऋषि ऋण हमें ज्ञान और परंपरा की याद दिलाता है, जबकि पितृ ऋण हमें जीवनदाता और हमारी जड़ों की स्मृति कराता है।माता-पिता,दादा-दादी और उन सभी बुजुर्गों को पितृ ऋण के अंतर्गत माना गया है जिन्होंने हमें जीवन का आधार दिया। इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और उनका तर्पण करना केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं बल्कि जीवन का नैतिक दायित्व भी है।

साथियों बात अगर हम पितृपक्ष के दौरान किए जाने वाले कर्मकांडों की करें तो,उसमें तर्पण पिंडदान और ब्राह्मण भोजन प्रमुख हैं। शास्त्रों के अनुसार, तीन पीढ़ियों तक के पिता पक्ष और तीन पीढ़ियों तक के माता पक्ष के पूर्वजों का स्मरण करना आवश्यक है। इन्हीं को 'पितर' कहा गया है। तर्पण के माध्यम से व्यक्ति जल अर्पण करके यह भावना व्यक्त करता है कि वह अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए समर्पित है। पिंडदान के रूप में अन्न का अर्पण उनके प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। यही कारण है कि इस काल में घर-घर में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण रहता है और लोग अपने पूर्वजों के नाम से विशेष रूप से ब्राह्मणों या जरूरतमंदों को भोजन कराते हैं।

साथियों बात अगर हम पितृपक्ष का एक महत्वपूर्ण पहलू पितृ दोष की करें तो, ज्योतिष और धार्मिक मान्यता के अनुसार, जब परिवार में पूर्वजों की आत्मा को उचित संतुष्टि नहीं मिलती या उनके लिए श्रद्धापूर्वक श्राद्ध, तर्पण आदि नहीं किया जाता, तो इसे पितृ दोष कहा जाता है। इसका प्रभाव परिवार के जीवन पर पड़ता है और इसे अपूर्ण कार्यों, अशांति, असफलता, आर्थिक संकट या मानसिक तनाव से जोड़ा जाता है। पितृ दोष के कारण घर में प्रगति रुक सकती है और परिवारिक संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। इस दोष को दूर करने के लिए शास्त्रों में कई उपाय बताए गए हैं, जैसे,पितृपक्ष में विधिवत तर्पण करना, पिंडदान करना, गाय, कुत्ते और कौवे को भोजन कराना तथा ब्राह्मणों को दान देना। इसके अतिरिक्त, गीता पाठ, विष्णु सहस्रनाम, नारायण बलि और रुद्राभिषेक जैसे अनुष्ठान भी पितृ दोष को शांत करने में सहायक माने गए हैं।

साथियों बात अगर हम आधुनिक संदर्भ में पितृपक्ष का महत्व और भी बढ़ जाने की करें तो,आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर अपने पूर्वजों और पारिवारिक मूल्यों को भूल जाते हैं। लेकिन यह पर्व उन्हें यह स्मरण कराता है कि हमारी जीवनशैली और हमारे संस्कार किसी व्यक्तिगत उपलब्धि का परिणाम नहीं हैं, बल्कि यह पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित धरोहर है। इसी कारण पितृपक्ष को मानव सभ्यता की कृतज्ञता का पर्व कहा जा सकता है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि आधुनिकता के बीच भी परंपराओं को जीवित रखना उतना ही आवश्यक है, जितना प्रगति करना।पितृपक्ष का एक गहरामनोवैज्ञानिक महत्व भी है। जब लोग अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं, तो यह उन्हें आत्मिक संतोष और भावनात्मक स्थिरता प्रदान करता है। यह प्रक्रिया मानसिक शांति और परिवार के भीतर सामंजस्य लाने में सहायक होती है। पूर्वजों का स्मरण करने से व्यक्ति को अपने जीवन के संघर्षों में भी यह प्रेरणा मिलती है कि जैसे उनके पूर्वजों ने कठिनाइयों का सामना किया, वैसे ही वे भी चुनौतियों को पार कर सकते हैं।

साथियों बातें अगर हम पितृपक्ष केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय प्रवासी समाज के माध्यम से पूरी दुनिया में फैल चुका है, इसको समझने की करें तो, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अफ्रीका में बसे भारतीय समुदाय इस काल में विशेष श्राद्ध अनुष्ठान करते हैं। वैश्विक स्तर पर यह पर्व इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उसकी जड़ों से जोड़े रखता है, चाहे वह कहीं भी रह रहा हो। जब प्रवासी भारतीय अपने घरों में पितरों का स्मरण करते हैं और अपने बच्चों को यह परंपरा बताते हैं, तो इससे भारतीय संस्कृति की निरंतरता बनी रहती है। इस प्रकार पितृपक्ष सांस्कृतिक पहचान और वैश्विक भारतीयता का भी प्रतीक बन चुका है।यदि वैश्विक दृष्टिकोण से देखा जाए तो पितृपक्ष का भाव अन्य सभ्यताओं में भी दिखाई देता है। चीन में 'किंग मिंग फेस्टिवल'(टॉब स्वीपिंग डे), जापान में 'ओबोन उत्सव', मैक्सिको में 'डे ऑफ द डेड', और यूरोप के कई हिस्सों में 'ऑल सोल्स डे' जैसे पर्व इसी बात का प्रतीक हैं कि पूरी दुनिया में मनुष्य अपने पूर्वजों को याद करने की परंपरा निभाता है। यह सांस्कृतिक समानता दर्शाती है कि चाहे भाषा, भूगोल और परंपराएँ अलग हों, लेकिन पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता की भावना वैश्विक स्तर पर समान है। इस दृष्टिकोण से पितृपक्ष केवल भारतीय पर्व नहीं बल्कि विश्व मानवता की साझा धरोहर के रूप में देखा जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पितृपक्ष के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न रखकर इसे एक मानव-धर्म और नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाए। जब व्यक्ति अपने पूर्वजों को याद करता है तो वह यह भी सीखता है कि उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या धरोहर छोड़नी चाहिए। इस प्रकार पितृपक्ष केवल अतीत का उत्सव नहीं है बल्कि यह भविष्य के लिए जिम्मेदारी की याद दिलाने वाला पर्व भी है।

साथियों बात अगर हम पितृपक्ष के 15 दिनों में हमारे पूर्वजों के हमारे आसपास होने के संकेतों की करें तो,(1) पितृ पक्ष में कौए का विशेष महत्व माना है, माना जाता है कि इन दिनों में पितर कौवों के रूप में धरती पर आते हैं और जल-अन्न ग्रहण करते हैं। पितृ पक्ष के दौरान अगर कौआ आपके घर में आकर भोजन ग्रहण करता है तो इसका मतलब है कि आपके पूर्वज आपके आसपास मौजूद हैं और आप पर उनकी दया दृष्टि है।(2)श्राद्ध के दिनों में अगर आपको अपने घर के आसपास अचानक से काला कुत्ता दिखाई देता है, तो यह आपके आसपास पितरों की मौजूदगी का संकेत हो सकता है।पितृ पक्ष के दौरान काले कुत्ते को पितरों का संदेशवाहक माना जाता है, इन दिनों में काले कुत्ते का दिखना एक शुभ संकेत माना जाता है, इसका मतलब है कि आपके पितृ आपसे प्रसन्न हैं।(3)पितृ पक्ष के दौरान आपको घर में बहुत सारी लाल चीटियां दिखाई दें तो यह भी पितरों के आसपास होने का संकेत है, माना गया है कि आपके पितृ चीटियों के रूप में आपसे मिलने आते हैं,ऐसे में आपको चीटियों को आटा खिलाना चाहिए इससे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।(4)पितृ पक्ष के दौरान अगर घर में लगी तुलसी अचानक से सुखने लगे तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके पूर्वज आपके आसपास ही कहीं हैं, तुलसी का सूखना इस बात का भी संकेत है कि आपके पूर्वज किसी बात पर आपसे नाराज हैं, ऐसे में पितरों की शांति के लिए उपाय करने चाहिए। (5) हिंदू मान्यताओं के अनुसार पीपल पर पितरों का भी वास होता है, आपके घर में अगर अचानक से पीपल का पेड़ निकल आए तो यह पितरों के आसपास मौजूद होने का संकेत होता है, ऐसे में आपको पीपल पर जल अर्पित करना चाहिए और पितृ दोष से मुक्ति के लिए उपाय करने चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पितृपक्ष 07 से 21 सितंबर 2025 पर विशेष।श्रद्धया इदं श्राद्धम्? - जो शर्द्धा से किया जाय, वह श्राद्ध है।मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज किसी न किसी रूप में धरती पर आते हैं और श्राद्ध को ग्रहण कर हमें आशीर्वाद देते हैं।

-किशन सनमुखदास भावनानी

एफपीआई ने किया आईटी और वित्त सेक्टर से पलायन

[illegible]

1,50,000 के पार जा सकता है 10 ग्राम सोने का भाव

[illegible]

छोटी कारें हुई सस्ती, जीएसटी में कटौती से ग्राहकों को 1.55 लाख तक का फायदा

[illegible]

टेस्ला ने एलन मस्क के लिए प्रस्तावित किया एक ट्रिलियन डॉलर का सैलरी पैकेज

[illegible]

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। [illegible]

वृषभ- आज का दिन आपके लिए [illegible]

मिथुन- आज का दिन आपके लिए [illegible]

कर्क- आज का दिन आपके लिए [illegible]

सिंह- आज का दिन आपके लिए [illegible]

कन्या- आज का दिन आपके लिए [illegible]

तुला- आज का दिन आपके लिए [illegible]

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए [illegible]

धनु- आज आपको [illegible]

मकर- आज का दिन आपके लिए [illegible]

कुंभ- आज का दिन आपके लिए [illegible]

मीन- आज का दिन आपके लिए [illegible]

शब्दजाल - 8013

[illegible]

शब्दजाल - 8012 का हल

दैनिक पंचांग

[illegible]

किल्स वर्ड पहेली - 6957

ऊपर से नीचे - [illegible]

बाएँ से दाएँ - [illegible]

प्रसंगवश: सत्ता की राह

[illegible]

सुडोकू - 7266

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

सुडोकू - 7265 का हल

[illegible]

शब्द पहेली - 8481

बाएँ से दाएँ

1. ईधा बसोड़-3
3. अचार, तरना-3
5. आकाश, व्योम-2
6. पात, आसार-2
8. गर्जन, दहाड़ना-4
11. मदद, आशय-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-3
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. औसत, एकीकरण-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना-3
27. नवाज-3

ऊपर से नीचे

1. रास्ता, जिम्मा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरूरत, आवश्यकता-3
4. बातु, पौरुष-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कद, पाला-3
9. रीति, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खतरा, चाहिए-2
19. तंग, खिलौर-3
21. प्रकाशित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. तप, बीर-2
25. उत्साह, लालच-2

शब्द पहेली -8480 का हल

आर्थिक वृद्धि और जीएसटी सुधारों से स्थानीय शेयर बाजार में रौनक रही

[illegible]

यूरोप में भारत के डीजल निर्यात में अगस्त में दोगुना वृद्धि, रूस प्रतिबंधों का असर

[illegible]

जीएसटी कटौती से मुदास्फीति में कमी और नीति दर में कटौती की संभावना

[illegible]

अनंत चतुर्दशी पर श्री गणेश उत्सव का धूमधाम से हुआ समापन

गणेश सरोवर सहित विभिन्न तालाबों में प्रतिमाओं का किया विसर्जन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्री गणेश उत्सव, जो 27 अगस्त से शुरू हुआ था, 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन बड़े उत्साह के साथ समाप्त हुआ। लांजी क्षेत्र में गणेश उत्सव को बड़े जोश के साथ मनाया गया। जिस उत्साह से गणपति भगवान की प्रतिमा स्थापित की गई, उसी जोश के साथ गणेश तालाब, राजारानी तालाब और काशीनाला जैसे स्थानों पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। डीजे की धुनों पर नाचते-गाते भक्तों ने बाजे-गाजे के साथ गणेश प्रतिमाओं को विसर्जित किया।

गणेश सरोवर में सर्वाधिक विसर्जन, अन्य तालाब भी रहे केंद्र

श्री गणेश सरोवर लांजी में धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां ज्यादातर सार्वजनिक गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है। इसके अलावा काशीनाला, राजारानी तालाब सहित 5-6 अन्य तालाबों में भी प्रतिमाएं विसर्जित की गईं।

एसडीएम ने किया विसर्जन स्थल का निरीक्षण

गणेश सरोवर में सबसे ज्यादा प्रतिमाओं का विसर्जन होने के कारण नगर परिषद, पुलिस प्रशासन और बाढ़ आपदा प्रबंधन ने पहले से ही तैयारियां की थीं। 6 सितंबर को एसडीएम कमलचंद सिंहसार, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, सीएमओ मयूर वाहने, थाना प्रभारी टांडिया और लांजी पुलिस बल ने विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस, बाढ़ आपदा प्रबंधन, डीएससी के जवान और नगर परिषद के कर्मचारी व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय रहे। उन्होंने भक्तों को विसर्जन के लिए दिशा-निर्देश भी दिए।

विधायक राजकुमार कर्राहे ने किया विसर्जन

क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे अपने परिवार और कार्यकर्ताओं के साथ गणेश सरोवर पहुंचे, जहां उन्होंने अपने घर की गणेश प्रतिमा का विधिवत पूजा-अर्चना कर विसर्जन किया। उन्होंने विसर्जन स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रशासन व समितियों से चर्चा की। विधायक ने सभी से सुरक्षित विसर्जन करने, बच्चों को तालाब के पास न जाने देने और धार्मिक गीतों का उपयोग करने की अपील की, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। लांजी में गणेश उत्सव का यह समापन भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ, जिसमें प्रशासन और भक्तों ने मिलकर व्यवस्थित और सुरक्षित आयोजन सुनिश्चित किया।

पाली अकादमिक संस्थान में केक काटकर मनाया गया शिक्षक दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। पाली अकादमिक संस्थान सी.बी.एस.ई. विद्यालय बिसोनी में स्वतंत्र भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति, महानशिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्मदिवस को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रुप में मनाया गया। इस कार्यक्रम में पाली अकादमिक संस्थान की संचालिका श्रीमति वंदना वैद्य, प्रबंधक संजय चौरे, विद्यालय प्राचार्या श्रीमति श्रद्धा कांड्रा तथा समस्त शैक्षिणिक स्टाफ व सभी छात्र-छात्रायें उपस्थित रहें। कार्यक्रम की शुरुआत संचालिका महोदया, प्राचार्या महोदया एवं समस्त शैक्षणिक स्टाफ के द्वारा माता सरस्वती तथा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित तथा माल्यार्पण कर की गई । तत्पश्चात् कक्षा 9वीं के छात्र-छात्राओं द्वारा समस्त शिक्षकों

को शिक्षक दिवस के अवसर पर उपहार देकर तथा तिलक वंदन कर उनका स्वागत किया गया। राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर संचालिका महोदया श्रीमति वंदना वैद्य ने अपने उद्बोधन में बताया कि एक शिक्षक एक मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक होता है जो हमारा हाथ थामता है, हमारे दिमाग को खोलता है और हमारे दिल को छूता है। एक शिक्षक के योगदान को बिल्कुल भी नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। दुनिया भर के कई देशों में शिक्षक दिवस एक विशेष दिन होता है जहाँ स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाता है। भारत में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को मनाया जाता है इसी दिन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म हुआ था। यह परंपरा 1962 से शुरू हुई थी। वे एक दार्शनिक, विद्वान, शिक्षक और राजनीतिज्ञ थे और शिक्षा के प्रति उनके समर्पित कार्य ने उनके जन्मदिन को भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन बना दिया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक मिलनसार शिक्षक थे और अपने छात्रों के सामने हमेशा जो आदर्श प्रस्तुत करते थे, उसके लिए वे उनके बीच लोकप्रिय थे। एक दिन उनके छात्रों और दोस्तों ने उनसे अनुरोध किया कि वे उन्हें अपना जन्मदिन भव्य तरीके से मनाने की अनुमति दें। बदले में उन्होंने कहा कि अगर वे सभी शिक्षकों के सम्मान में उनका जन्मदिन मनाएँ तो यह उनके लिए गर्व और सम्मान की बात होगी। और तब से, 5 सितंबर का दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर केक काट कर समस्त छात्र-छात्राओं के बीच वितरण किया गया।

दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट में हुआ शिक्षक दिवस का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट में 6 सितंबर को शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भारत

के महान शिक्षाविदों को स्मरण किया गया और शिक्षकों का सम्मान किया गया। गुरुओं ने शिक्षा की महत्ता और गुरु-शिष्य की भूमिका पर प्रकाश डाला। बीसीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कु. माही मानकर ने भारत के प्रमुख शिक्षाविदों के योगदान पर प्रकाश डाला, जिनमें शामिल हैं– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन– भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति, जिनकी जयंती 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाई जाती है। उन्होंने नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा पर बल दिया।महात्मा ज्योतिबा फुले– महिलाओं और दलितों की शिक्षा के लिए अग्रणी, जिन्होंने पहला बालिका स्कूल स्थापित किया।स्वामी विवेकानंद– चरित्र निर्माण और आत्म-निर्भरता पर आधारित शिक्षा दर्शन के प्रणेता।डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम– मिसाइल मैन, जिन्होंने युवाओं में शिक्षा और विज्ञान के प्रति प्रेरणा जगाई।डॉ. जाकिर हुसैन– अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया से जुड़े शिक्षाविद्।सावित्रीबाई फुले– प्रथम महिला शिक्षिका, जिन्होंने महिलाओं और दलितों की शिक्षा के लिए कार्य किया।रवींद्रनाथ ठाकुर– शांतिनिकेतन के संस्थापक, जिन्होंने रचनात्मक और स्वतंत्र शिक्षा को बढ़ावा दिया।गोपाल कृष्ण गोखले– शिक्षा प्रसार और सुधार के समर्थक।डॉ. बी.आर. अम्बेडकर– संविधान निर्माता, जिन्होंने शिक्षा को सामाजिक समानता का आधार माना।डॉ. जॉन हेनरी न्यूमैन– जिनके विचारों ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित किया। कार्यक्रम में एक दोहे के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा को समझाया गया– गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट। अन्तर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट। इसका अर्थ है कि गुरु कुम्हार की तरह शिष्य को गढ़ता है, कमियों को दूर कर सही आकार देता है। संस्था की डायरेक्टर शिखा सचिन चावड़ा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। संस्था का लक्ष्य उन्हें न केवल विषयों में निपुण बनाना है, बल्कि विभिन्न मंच प्रदान कर बहुमुखी प्रतिभा विकसित करना भी है।

लांजी में यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टिट्यूट में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टिट्यूट, लांजी में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस, जो शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है, पूरे उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और प्रबंधन ने मिलकर इस दिन को यादगार बनाया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर संस्था के समर्पित शिक्षकों संतोष भरने, भानुप्रताप प्रजापति, राजेश गजभिये और रेणुकुमार वल्थरे को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। संस्था के प्रमुख रमेश आसटकर ने सभी शिक्षकों का तिलक वंदन कर और उपहार भेंट कर उनका सम्मान किया। यह सम्मान शिक्षकों के शिक्षा के प्रति समर्पण और योगदान को रेखांकित करने का एक भावपूर्ण प्रयास था। संस्था की संचालिका श्रीमती रेखा आसटकर ने छात्र-छात्राओं को शिक्षक दिवस के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि 1962 में जब डॉ. राधाकृष्णन भारत के राष्ट्रपति बने, उनके

प्रशंसकों, मित्रों और पूर्व छात्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा व्यक्त की। लेकिन डॉ. राधाकृष्णन ने विनम्रता के साथ सुझाव दिया कि उनके जन्मदिन को व्यक्तिगत उत्सव के बजाय समस्त शिक्षक समुदाय के सम्मान में समर्पित किया जाए। उनकी इस प्रेरणादायी सोच ने पूरे देश को प्रभावित किया, और तभी से 5 सितंबर को भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन न केवल डॉ. राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, बल्कि देशभर के शिक्षकों की मेहनत, समर्पण और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को भी सम्मानित करता है। श्रीमती आसटकर ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन और उनके शैक्षिक दर्शन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डॉ. राधाकृष्णन ने अपने जीवन के 40 वर्ष शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित किए। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रोफेसर रहे। उनके ज्ञान, विद्वता और शिक्षा के प्रति गहरी आस्था ने भारत का नाम विश्व पटल पर रोशन किया। उनका मानना था कि सही शिक्षा वह है जो हमें केवल जानकारी नहीं देती, बल्कि जीवन में सामंजस्य और नैतिकता के साथ चलना सिखाती है। उनके इस दर्शन ने शिक्षा को एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान किया, जो आज भी प्रासंगिक है। कार्यक्रम को और रंगीन बनाने के लिए छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। विशेष रूप से, छात्रा कुमारी आकांक्षा डोंगरे ने एक प्रेरणादायी गीत प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्य छात्र-छात्राओं ने भी अपनी कविताओं और भाषणों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में केक काटकर और मिष्ठान वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ। यह आयोजन न केवल शिक्षकों के सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि छात्र-छात्राओं में शिक्षा के प्रति सम्मान और प्रेरणा जागृत करने में भी सफल रहा।

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन-करुणागिरी समिति के नेतृत्व में निकली मशाल यात्रा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन के तहत पूज्य भदंत धम्मशिखर जी महाथेरो के नेतृत्व में मशाल यात्रा 6 सितंबर 2025 को मलाजखंड से प्रात: 11:30 बजे लांजी पहुंची। यह यात्रा गोंडवाना भवन से रैली के रूप में जनपद पंचायत, सुभाष चौक होते हुए बुद्धघोष बुद्ध विहार, दखनीटोला, लांजी पहुंची। वहां भदंत धम्मशिखर जी ने पूजा-वंदना कर उपस्थित उपासक-उपासिकाओं को त्रिशरण पंचशील दिलाया। महाबोधि महाविहार, बोधगया (बिहार), सम्राट अशोक द्वारा निर्मित पवित्र बौद्ध स्थल है, जहां सिद्धार्थ गौतम को बुद्धत्व प्राप्त हुआ था। यह बौद्धों की सांस्कृतिक विरासत है, लेकिन बीटीएमसी एक्ट 1949 के तहत गैर-बौद्धों का इस पर वर्चस्व है। इस एक्ट के अनुसार, महाविहार की प्रबंधन समिति में चार बौद्ध, चार गैर-बौद्ध और एक हिंदू अध्यक्ष (गया कलेक्टर) शामिल हैं, जिससे गैर-बौद्धों का नियंत्रण बना रहता है। वहां बौद्ध धर्म के आचरण के विपरीत पूजा-पाठ और पिंडदान जैसी प्रथाएं होती हैं।

1891 से शुरू हुआ महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन आज भी जारी है, लेकिन यह स्थल बौद्धों को पूरी तरह सौंपा नहीं गया। बौद्धों का मानना है कि जिस तरह मंदिरों पर हिंदुओं, मस्जिदों पर मुस्लिमों, चर्चों पर ईसाइयों और गुरुद्वारों पर सिखों का पूर्ण अधिकार है, उसी तरह महाबोधि महाविहार पर भी बौद्धों का पूर्ण नियंत्रण होना चाहिए। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 के अनुसार, 26 जनवरी 1950 के बाद पुराने रूढ़िवादी कानून शून्य हो जाने चाहिए, फिर भी बीटीएमसी एक्ट लागू है, जो संवैधानिक रूप से सवाल उठाता है। इन मांगों को लेकर 12 फरवरी से बोधगया में आंदोलन चल रहा है। इसी के तहत भदंत धम्मशिखर जी ने भीम जन्मभूमि, महू से मशाल यात्रा शुरू की, जो नागपुर की दीक्षाभूमि पर समाप्त होगी। मध्य प्रदेश में यह यात्रा बीटीएमसी एक्ट को रद्द करने की मांग के साथ जारी है। कार्यक्रम में करुणागिरी समिति, कलपाथरी के अध्यक्ष पी.डी. भालाधरे, महासचिव ईश्वर बांसोड़, कोषाध्यक्ष अनिल शेंडे, सह-सचिव मनोहर चौरे, वरिष्ठ सदस्य सी.एल. बोरकर, अनंतराम डोंगरे, बी.एल. खोबरागड़े, मनोज बारमाटे, महेंद्र बंसोड, रितेश बांसोड़, राजकुमार भालाधरे, युवराज बारमाटे, रवि मेश्राम सहित भारतीय बौद्ध महासभा, समता सैनिक दल, बहुजन समाज पार्टी, भीम आर्मी, प्रज्ञा महिला मंडल और विभिन्न ग्रामों से आए बौद्ध उपासक-उपासिकाएं शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में ईश्वर बांसोड़ ने आभार व्यक्त किया।

सेन्ट्रल इंडिया एकेडमी स्कूल में मनाया गया शिक्षक दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर मे संचालित शिक्षण संस्था सेन्ट्रल इंडिया एकेडमी स्कूल लांजी में 5 सितंबर को भारत के उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर शिक्षक दिवस का उत्सव हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य हेमंत बनकर द्वारा डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं मां सरस्वती की छायचित्र का पूजन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पपश्चात शिक्षक दिवस पर्व के बारे में छात्र छात्राओं को अवगत कराया गया। इस दौरान स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा गीत व भाषण की शानदार प्रस्तुति दी गई। वही कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती संध्या मिश्रा द्वारा सभी विद्यार्थियों को प्रश्न मंच के माध्यम से उनके विषय संबंधित प्रश्नों की प्रतियोगिता कराई गई। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं द्वारा भी गीत के माध्यम से

राधाकृष्णन के जीवन के बारे में बताया। समिति की सचिव श्रीमती मीरा बनकर एवं अध्यक्ष श्रीमती विभा अनिल तिवारी द्वारा बताया गया कि डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन के बारे में जानकारी देते हुए उपस्थित छात्र छात्राओं को उनके कार्यों एवं व्यक्तित्व के बारे में अवगत कराया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षक शिक्षिकाएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में मनाया गया शिक्षक दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में प्रति वर्ष की भांति शिक्षक दिवस का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमामय ढंग से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती और भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टी.डी. लिल्हारे, विशिष्ट अतिथि एल.आर. मुरकुटे एवं विद्यालय के प्राचार्य पी.के.भीमटे द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद, विद्यालय की 12वीं कला संकाय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना की मधुर प्रस्तुति दी। तत्पश्चात, छात्राओं ने बारी-बारी से प्राचार्य, अतिथियों और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को पेन, श्रीफल और अन्य उपहार भेंटकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से ए.के. लटारे, डी.एस. वाकड़े, अमित आसटकर, बसंत रामटेके, भूपेंद्र चौधरी, बी.सी. टेंभरे, ज्योति पोर्ते, सरस्वती बिल्हारे, माया पारधी, कुमुदनी कचलाहे और भारती कोठारे ने अपने विचार छात्राओं के साथ साझा किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टी.डी. लिल्हारे, विशिष्ट अतिथि एल.आर. मुरकुटे और प्राचार्य पी.के. भीमटे ने शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने अपने शैक्षणिक अनुभवों को डॉ. राधाकृष्णन की जीवनी और उनके दार्शनिक विचारों से जोड़ते हुए प्रस्तुत किया। साथ ही, छात्राओं को खूब पढ़ाई करने और देश का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय परिवार से वरिष्ठ शिक्षक एस.के. बोरकर, जे.एल. धारने, सी.आर. बड़घैया, नोहरलाल पटले, महेंद्र तिड़के, एस.के. सोनवाने, लिणेश्वर दमाहे, करुणा मानकर, किरण मानकर, रेखा घरते, एस.आर. तिडके, बी.एल. सातपुते, खिलेश्वरी राहंगडाले, रीना नागदेवे, विनीता चौधरी, ममता धारने, जीतेश्वरी ठाकरे, सिगोतिया मैडम, राजकुमार नागपुरे, राहुल तिड़के, सागर आसटकर, कौतिका नारनौरे, शीला आसटकर, आम्रपाली पटले, उपासना मटाले और मानसी बोरकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन 12वीं कक्षा की छात्राओं और श्रीमती निशा तिडके द्वारा किया गया। अंत में, प्राचार्य पी.के.भीमटे ने आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आगामी दिनों में मतदाता सूची अपडेशन का काम होगा शुरू

जिले में 10 से अधिक मतदाताओं वाले पतों पर होगी रैंडम जांच

देश में उठ रहे मामलों और शहर की कई विधानसभाओं से पहुंच रहीं हैं शिकायतें, एहतियात के तौर पर जिला प्रशासन उठाएगा कदम

भोपाल

राजधानी में भले ही हाल-फिलहाल में कोई चुनाव नहीं होने हैं। लेकिन मतदाताओं के नाम जोड़ने, काटने सहित अन्य समीक्षा कार्यक्रम जारी है। बताया जा रहा है कि जिले में आगामी दिनों में फिर से मतदाता सूची अपडेशन का काम शुरु होगा। ऐसे में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले में काम शुरू किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि देश में हाल ही में उठे मतदाता सूची पर विवाद और वर्तमान में कई विधानसभाओं में फर्जी मतदाताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में जिला प्रशासन द्वारा फिर से एक ही स्थान पर अधिक मतदाताओं वाले पतों का वेरीफिकेशन करवाने की योजना बना रहा है।प्रशासन 10 से अधिक मतदाताओं वाले पतों पर रैंडम जांच-पड़ताल करने औचक निरीक्षण करेगा। दरअसल, जिले की उत्तर, नरेला, मध्य और हुजूर विधानसभा क्षेत्रों में सबसे ज्यादा शिकायतें इस बात की हैं कि एक ही पते पर दर्जनों लोगों के नाम मतदाता सूची में हैं।

विधानसभा चुनाव के पहले मचा था बवाल, दिल्ली से आई थी जांच टीम

बताया जा रहा है कि मतदाताओं के नाम फर्जी जोड़ने और घटाने का विवाद राजधानी में बहुत पुराना है। 2018 विधानसभा चुनाव के पहले करीब छह साल पहले नरेला विधानसभा में फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़ने का मामला तक पहुंचा था। इसके बाद भारत निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर एक दिल्ली से टीम आई थी, जिसने भोपाल में तीन दिन रुक कर अलग-अलग स्थानों और नामों को लेकर पड़ताल की थी। हालांकि इस जांच रिपोर्ट में शंका वाली बात सामने नहीं आई थी। लेकिन इस विवाद से बचने के लिए एक बार फिर जिला प्रशासन इस मामले में मुश्तैदी दिखाने की तैयारी कर रहा है।

सितंबर के बाद चलेगा विशेष अभियान

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला प्रशासन के नेतृत्व में जिले में लगातार नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया जारी है। इसके बाद भी जिले में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की गतिविधियों को लेकर विशेष अभियान चलाया जा सकता है। संभवत: अक्टूबर, 2025 के बाद यह काम जारी होगा। इस संबंध में जिले की सभी सातों विधानसभा में बीएलओ द्वारा शिविर भी लगाए जाएंगे। इसके साथ ही जो नागरिक 18 साल की उम्र पूरी कर रहे हैं उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन लिए जाएंगे। एक निर्धारित दिनांक तक प्राप्त हुए आवेदनों का निराकरण भी किया जाएगा। इस सारी प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। अफसरों की मानें तो जल्द ही इसका शेड्यूल जारी होने की उम्मीद है।

बागसेवनिया : रेलवे कर्मचारी निकला अधेड़ का हत्यारा मोगरी से किया था हमला

भोपाल । बागसेवनिया इलाके में दो दिन पहले मिली अधेड़ की लाश के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए रेलवे कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। रेलवे कर्मचारी ने ही शराब के नशे में अधेड़ की मोगरी मारकर हत्या कर दी थी। बाद में लाश को पानी के गड्डे में फेंक दिया था। जिससे उसकी मौत पानी में डूबने से होना सामने आए। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। टीआई अमित सोनी के मुताबिक

4 सितंबर को 50 वर्षीय कमल नेपाली की लाश रेलवे कॉलोनी बागसेवनिया में सड़क पर गड्डे में मिली थी। उस समय लग रहा था कि उसकी मौत गड्डे में भरे पानी में डूबने से हुई है। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया, जहां से पता चला कि उसके सिर पर चोट के निशान है, और उसकी हत्या की गई है। जब पुलिस ने पड़ताल की तो पता चला कि जहां लाश मिली है, उसके पास ही रेलवे कर्मचारी ओमप्रकाश शर्मा रहता है।

इतना ही नहीं दोनों साथ में रहते थे। यह खुलासा मृतक की पत्नी ने किया था, जिससे उसका तलाक भी हो चुका था। संदेह के आधार पर पुलिस ने रेलवे कर्मचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। टीआई सोनी ने बताया कि आरोपी ओमप्रकाश शर्मा की उम्र करीब 60 साल है, उसने शादी नहीं की है। इतना ही नहीं आरोपी सनकी स्भाव का है, और किसी से भी झगड़ा कर लेता था। उस दिन भी शराब के नशे में दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इससे गुस्सा होकर लकड़ी की मोगरी से आरोपी ओमप्रकाश ने मृतक के सिर पर लगातार वार कर दिए थे। जिससे उसकी मौत हो गई थी। बाद में आरोपी ने अपने घर के नीचे पानी के गड्डे में उसकी लाश को फेंक दिया था। जिससे लोगों को लगे कि उसकी मौत पानी में डूबने से हुई है।

नेशनल आर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन की रिपोर्ट

शहरी क्षेत्रों के लोगों ने अंगदान में दिखाई ज्यादा रुचि, भोपाल में 3594 रजिस्ट्रेशन

भोपाल। राजधानी में लोगों को जीवन दान देने के लिए शहर क्षेत्रों के लोगों ने रुचि दिखाई है। राजधानी भोपाल ने सबसे अधिक 3,594 पंजीयन कराए गए। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में अंगदान को लेकर लोगों की जागरूकता लगातार बढ़ रही है। नेशनल आर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार अब तक प्रदेश के 23,893 लोगों ने अंगदन का पंजीयन कराया है। इनमें शहरी क्षेत्रों के लोग ज्यादा आगे दिख रहे हैं।

पंजीयन मामले में भोपाल के बाद इंदौर दूसरे नंबर में

राजधानी भोपाल ने सबसे अधिक 3,594 पंजीयन कराए गए हैं। इसके बाद इंदौर 3,225 पंजीयन के साथ दूसरे नंबर पर है। इनके बाद शाजापुर (2,390), सीहोर (2,342) और झाबुआ (1,395) जैसे जिले शीर्ष पर हैं। अंगदान में रुचि दिखाने वाले इन जिलों में जागरुकता अभियान असरदार साबित हो रहे हैं।लोगो ने अंग प्रत्यारोपण की बात करें तो हृदय दान के लिए 14,913, लिवर के लिए 15.187 और फेफड़े के लिए 13,207 लोगों ने संकल्प लिया है। इसके अलावा किडनी दान के लिए 584, आंत के लिए 11,938 और पेंक्रियाज के लिए 11,963 लोगों ने पंजीकरण कराया है।

अंगदान में पिछड़े ये जिले

प्रदेश के कुछ जिले अंगदान पंजीयन में बेहद पीछे हैं। निवाड़ी जिले से अब तक सिर्फ एक व्यक्ति ने पंजीयन कराया है, जबकि श्योपुर (13), डिंडोरी (29), दतिया (40) और आगर मालवा (42) भी सबसे पीछे वाले जिलों में ही शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यहां जागरुकता अभियान की जरूरत और ज्यादा है।
टिशू डोनेशन में भी रुचि: सिर्फ अंग ही नहीं, टिशू डोनेशन में भो लोग आगे आ रहे हैं। हड्डी (11,123), त्वचा (11,096), रक्त वाहिकाएं (10,642) और कार्टिलेज (10,002) दान के लिए सबसे ज्यादा पंजीकरण हुए हैं। इसके अलावा कार्निया (535) और हार्ट वाल्व (493) के लिए भी लोगों ने पहल की है।

अंगदान करने वाले को गार्ड आफ आनर के साथ विदाई

अंगदान करने वालों को मप्र सरकार गार्ड आफ आनर के साथ अंतिम विदाई दे रही है। साथ ही उनके परिवारों को स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाता है। इसके अलावा अंगदान करने वालों को आयुष्मान कार्ड भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें निशुल्क इलाज की सुविधा मिल सकेगी। प्रदेश में सभी मेडिकल कालेजों में अंग प्रत्यारोपण सुविधा विकसित की जाएगी और एक राज्य स्तरीय अंग प्रत्यारोपण संस्थान भी स्थापित किया जाएगा।

खाद्य अमले ने होटल दुकानों से लिए नमूने

भोपाल। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अमले ने बुधवार को संत हिरदाराम नगर स्थित होटल, किराना दुकानों का निरीक्षण किया और खाद्य पदार्थों के नमूने लिए हैं। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि नैना चाट भंडार से आलू बड़ा, बस स्टैंड पर संचालित बालाजी पूड़ी भंडार से मैदा, नीलम रेस्टोरेंट से सोयाबीन तेल का और सौरभ पाइंट किराना दुकान से घी का नमूना लिया गया। उन्होंने बताया कि सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है, जिनकी रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिली टैरिफ में छूट

भोपाल। बिजली कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को सोलर आवर में 20 प्रतिशत छूट का लाभ दिया जा रहा है। बिजली कंपनी द्वारा अपने कार्यक्षेत्र के जिलों में करीब दो लाख 41 हजार 592

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम आफ डे (टीओडी) छूट का लाभ प्रदान किया गया है। इसके तहत अगस्त में कुल तीन करोड़ 30 लाख से अधिक की रियायत प्रदान की गई है, जिसमें भोपाल (ग्रामीण) के उपभोक्ताओं को 16 लाख 61 हजार 9950 469 रुपये की दिन के टैरिफ में छूट मिली है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को खपत के आधार पर टाइम आफ डे छूट के तहत रियायत दी गई है।

सड़क में गड्ढे ही गड्ढे....

भोपाल। बारिश के बाद सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई है। इससे निकलना मुश्किल हो गया है। चित्र : शाहजहांनाबाद क्षेत्र का।

लेटलतीफी : सरकारी कॉलेजों में 2 माह में भी नहीं हुई गेस्ट टीचर्स की भर्ती,पोर्टल पर अपलोड होंगे रिक्त पद

भोपाल। सरकारी कॉलेजों में कहीं टीचर्स की कमी है तो कहीं कम बच्चों पर अतिशेष शिक्षकों की भरमार है। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

प्रदेश टुडे एजुकेशन

गौरतलब है कि सरकारी कॉलेजों में नया शैक्षणिक सत्र 1 जुलाई से शुरू हो चुका है। लेकिन अब तक प्रोफेसर्स के खाली पदों पर अतिथि विद्वान नियुक्त नहीं किए जा सके हैं। कॉलेज प्राचार्यों का कहना है कि उच्च शिक्षा विभाग की यह प्रक्रिया बहुत धीमी है। उधर, उम्मीदवार

भी आरोप लगा रहे हैं कि अतिथि विद्वानों के चयन के लिए चार कैटेगरी बनाने का आदेश अब तक जारी नहीं किया है। जबकि हाईकोर्ट ने इन कैटेगरी के तहत मेरिट लिस्ट बनाने को कहा है। जिसमें पहली श्रेणी में नेट/सेट सहित पीएचडी, दूसरी नेट/सेट या पीएचडी, तीसरी एमफिल और चौथी कैटेगरी पीजी है।

इसके अनुसार अतिथि विद्वानों की नियुक्ति के लिए पहली प्राथमिकता उन उम्मीदवारों को मिलनी चाहिए जिन्होंने नेट/सेट क्वालिफाई करने के साथ पीएचडी की डिग्री भी प्राप्त कर ली है। उम्मीदवारों का कहना है कि इस प्रक्रिया को अपनाने के लिए विभाग ने कोई निर्देश जारी नहीं किया है।

वेतनमान के लिए शिक्षक संघ ने जताया सीएम का आभार

भोपाल

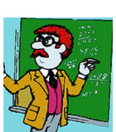

प्रदेश टुडे कर्मचारी हलचल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिक्षकों को चौथे वेतनमान की घोषणा कर शिक्षकों का सम्मान बढ़ाया है। डेढ़ लाख शिक्षकों को इसका लाभमिलेगा। शिक्षकों को हर महीने तीन से पांच हजार रुपए तक का फायदा होगा। मप्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर ने बताया कि संघ के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सौगात दी है। संघ के तरफ से मुख्यमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। जल्द ही संघ कार्यक्रम आयोजित कर मुख्यमंत्री का भी सम्मान किया जाएगा। आभार व्यक्त करने वालों में संघ के नागेश पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं।

रिक्त पदों पर आश्रितों को दी जाए अनुकंपा नियुक्ति

भोपाल। प्रदेश के सरकारी महकमों के खाली पड़े दो लाख मृत और पदों की भर्ती से पहले सरकार अधिकारियों कर्मचारियों के परिजनों, आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करे। यह मांग की है मप्र तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय महामत्री उमाशंकर तिवारी ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में की है। पत्र में कहा है कि प्रदेश में सरकार द्वारा 2 लाख पदों को भरने की एक अच्छी शुरूआत की गई है।

नई कैथ लैब में प्रोसीजर भी दोगुने तेजी से हो पाएंगे

हाईटेक बाइप्लेन कैथ लैब इसी माह होगी शुरू

भोपाल। हमीदिया अस्पताल में जापान से आई 7.7 करोड़ रुपए की हाईटेक बाइप्लेन कैथ लैब अगले माह सितंबर तक शुरू कर दी जाएगी। अभी इसका इंस्टॉलेशन किया जा रहा है। इस मशीन से हार्ट की जांच में डाई बेहद कम लगेगी और किडनी मरीज भी बिना डर के टेस्ट करा सकेंगे। नई कैथ लैब में प्रोसीजर भी दोगुने तेजी से हो पाएंगे। इस मशीन की खासियत यह है कि इससे जांच करने के दौरान बेहद कम डाई की जरूरत पड़ती है। वहीं, मरीज की स्कैनिंग रिपोर्ट 3डी इमेज फॉर्म में आती है, जिससे हृदय व खून की नसों की बेहतर तस्वीर मिलती है। यह हार्ट में ब्लॉकेज से लेकर अन्य समस्याओं की सटीक जानकारी देती है, जिससे डॉक्टर का काम आसान हो जाता है। जटिल सर्जरी में भी मरीजों को बेहतर परिणाम मिलते हैं।

बाइप्लेन कैथ लैब ऐसे बेहतर

इसमें मौजूद दो सी-आर्म के साथ दो अलग-अलग कोणों से इमेजिंग कर सकते हैं, जिससे 3डी इमेजिंग के लिए बेहतर स्पष्टता और डिटेल मिलती है।
दोनों सी-आर्म एक साथ काम करते हैं, जिससे प्रक्रिया में कम समय लगता है।
स्क्रीन पर धमनियों की प्रदर्शनी बेहतर होती है।
एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी के दौरान दी जाने वाली डाई की मात्रा कम होती है।

हाईटेक बाइप्लेन कैथ लैब का इंस्टॉलेशन किया जा रहा है। जल्द ही इसे शुरू किया जाएगा।
डॉ. सुनीत टंडन, अधीक्षक, हमीदिया अस्पताल

कैथ लैब में डाई का रोल

कैथ लैब में होने वाली एंजियोग्राफी एक जांच प्रक्रिया है, जिसमें हार्ट या ब्लड वेसल्स की स्थिति जानने के लिए कॉन्ट्रास्ट डाई का इस्तेमाल किया जाता है। यह डाई नसों के जरिए शरीर में पहुंचाई जाती है, जिसे एक्स-रे, सीटी या एमआरआई जैसी इमेजिंग तकनीकों में ब्लड वेसल्स को स्पष्ट रूप से दिखाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

ट्रायल और टेस्टिंग की प्रक्रिया

हमीदिया अस्पताल में इस आधुनिक कैथ लैब मशीन के लिए नए भवन ब्लॉक-वन की तीसरी मंजिल पर नई लैब तैयार की गई है। जिसमें जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर इलेक्ट्रिकल काम पूरा हो चुका है। इसके साथ मशीन का इंस्टॉलेशन भी शुरू कर दिया गया है। इसके बाद मशीन की ट्रायल टेस्टिंग होगी।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप के लिए दुबई पहुंची

भारतीय टीम ने जमकर अभ्यास किया

दुबई। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए यहां पहुंची भारतीय टीम ने अभ्यास शुरु कर दिया है। एशिया कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को मेजबान यूएई से होना है। भारतीय टीम आईसीसी अकादमी में अभ्यास के लिए उतरी। भारतीय टीम 14 सितंबर पाकिस्तान और 19 सितंबर को ओमान से खेलेगी। वहीं प्लेऑफ मुकाबले 20 सितंबर से प्रारंभ होंगे। अभ्यास सत्र में कप्तान सूर्यकुमार यादव, उप-कप्तान शुभमन गिल, संजू सैमसन, जितेश शर्मा, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा सभी ने नेट्स पर लंबे समय तक बल्लेबाजी की। भारतीय टीम यहां बिना अभ्यास के ही पहुंची है। टीम प्रबंधन का मानना था कि दुबई की आबोहवा में स्वयं को ढालने के लिए दुबई में ही अभ्यास करना बेहतर रहेगा। इस टूर्नामेंट में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टी20 में वापसी पर भी सबकी नजर रहेंगी। इसके अलावा ये देखना होगा कि इंग्लैंड में टेस्ट टीम की कप्तानी करते हुए 700 से अधिक रन बनाने वाले शुभमन गिल यहां कितने रन बना पाते हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी लंबे समय के बाद इस टूर्नामेंट से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते दिखेंगे। भारतीय टीम ने मुख्य कोच गंभीर, बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरु किया। ग्रुप ए में भारतीय टीम, पाकिस्तान, यूएई और ओमान शामिल के साथ हैं जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग की टीमें हैं।

एशिया कप के लिए सूर्या और पांड्या ने बदली हेयरस्टाइल

एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए दुबई पहुंची भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव नये हेयरस्टाइल में नजर आये। वहीं सात महीने के बाद मैदान में उतरने जा रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का भी लुक बदला हुआ नजर आया। हार्दिक का नया हेयरस्टाइल काफी अलग लग आया। पांड्या लगातार अपना हेयरस्टाइल बदलते रहे हैं। इस बार उनके लुक ने सबका ध्यान खींचा है। पांड्या ने अपने नए लुक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, न्यू मी। वहीं कप्तान सूर्या ने अपने स्टाइलिस्ट से कहा, मुझे आगामी टूर्नामेंट के लिए अच्छा लुक दो। सूर्यकुमार ने हेयरकट होने के बाद कहा, ' रैडी टू टॉस। उनके इस कमेंट को लेकर प्रशंसकों ने भी मजेदार प्रतिक्रिया दी हैं। एक यूजर ने लिखा, ' एशिया कप रेडी। सूर्यकुमार एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे जबकि शुभमन उपकप्तान की जिम्मेदारी निभाएंगे। एशिया कप के सभी मैच दुबई और अबुधाबी में खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक यूएई में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को ग्रुप ए में पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, ओमान और मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप बी में श्रीलंका, हांगकांग, अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीमें शामिल हैं।

एशिया कप में भारतीय टीम की जर्सी पर नहीं होगा किसी कंपनी का नाम या 'लोगो'

मुम्बई। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में यूएई में होने जा रहे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट टीम बिना किसी लोगो के ही उतरेगी क्योंकि इस बार टीम का कोई प्रयोजक नहीं है। ऐसे में 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारत की जर्सी पर किसी कंपनी का नाम और लोगो नहीं बल्कि केवल 'इंडिया' लिखा होगा। इसका कारण है कि भारतीय टीम के पास अभी कोई प्रयोजक नहीं है। हाल में केन्द्र सरकार

के ऑन लाइन गेमिंग ऐप पर प्रतिबंध के बाद से ही उसकी प्रयोजक कंपनी ड्रीम 11 को करार बीच में ही समाप्त करना पड़ा था। इसके बाद से ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) नये प्रयोजक की तलाश में है पर उसे वह अभी तक मिला नहीं है। भारतीय बोर्ड ने प्रायोजकों के लिए निविदाएं बुलायी हैं और बोली जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तय की है। वहीं एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से हो रही है। इसलिए टीम को कोई भी प्रायोजक नहीं मिला है। भारतीय टीम को आपना पहला मैच 10 तारीख को यूएई से जबकि 14 तारीख को पाकिस्तान से खिलाफ है। ऐसे में इन दोनो ही मुकाबलों के दौरान भारतीय टीम की जर्सी पर किसी ब्रांड का नाम और लोगो नहीं रहेगा।

एशिया कप में श्रीलंकाई टीम के सभी खिलाड़ियों को करना होगा बेहतर प्रदर्शन-अर्नोल्ड

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल अर्नोल्ड को उम्मीद है कि चरित असलांका की कप्तानी में श्रीलंकाई टीम एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करेगी। अर्नोल्ड ने कहा, मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट रोमांचक रहेगा। श्रीलंकाई टीम में अगल-अलग स्थानों के लिए बेहतर खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। टीम का संतुलन अच्छा लग रहा है। इसलिए, मुझे लगता है कि यह टीम के लिए देखने का एक बेहतरीन मौका है कि वे कहां हैं। वहीं अगर वे सही दिशा में काम करते हैं तो मुझे लगता है कि उनके पास आगे बढ़ने का अच्छा अवसर है। श्रीलंकाई टीम ग्रुप बी में है जिसे काफी कठिन माना जाता है। अर्नोल्ड ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही कठिन ग्रुप है। यह एक ऐसा ग्रुप है जिसे आप आसानी से नहीं हरा सकते। इसमें अफगानिस्तान भी शामिल है जिसका प्रदर्शन लगातार निखर रहा है। उनकी गेंदबाजी हमेशा अलग रही है। उनके पास राशिद खान सहित कई अच्छे स्पिनर हैं। इसके साथ ही अब उनके पास बेहतर बल्लेबाजों भी हो गये हैं। वहीं बांग्लादेश से मिलने वाली टक्कर को कम नहीं मान सकते। श्रीलंका का हाल ही में घरेलू सीरीज में उनसे 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इसलिए मुझे लगता है कि श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए बेहतर क्रिकेट खेलना होगा। हर किसी को अपनी भूमिका और जिस दिशा में वे टीम को ले जाना चाहते हैं, उसे सामने रखना होगा। वहीं ग्रुप ए में भारतीय टीम काफी मजबूत हैं और निरंतर बेहतर प्रदर्शन के कारण खिताब की प्रबल दावेदार है। पिछले दो सालों में मुझे लगता है कि उन्होंने केवल 10 मैच हारे हैं। उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि वे टूर्नामेंट के पसंदीदा हैं। इसके अलावा पाकिस्तान, आगे बढ़ने वाली दूसरी टीम होगी। अगर वे एक मैच हार जाते हैं और सुपर फोर में जगह नहीं बना पाते हैं, तो मुझे बहुत हैरानी होगी।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी करेंगे श्रेयस अय्यर

मुंबई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 सितंबर से लखनऊ में खेले जाने वाले दो बहु-दिवसीय मैचों के लिए भारत ए का कप्तान बनाया गया है। श्रेयस की कप्तानी वाली इस टीम में साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और प्रसिद्ध कृष्णा को भी

शामिल किया गया है। वहीं केएल राहुल और मोहम्मद सिराज को 23 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे मैच के लिए टीम में रखा जाएगा। इन मैचों को 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज़ से पहले अभ्यास के तौर पर रखा जा रहा है।

पूर्व ओलंपियन वंदना और ललित का हुआ सम्मान

हॉकी इंडिया ने पांच-पांच लाख रुपये की राशि दी

राजगीर। हॉकी इंडिया ने यहां जारी एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के दौरान पूर्व महिला हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया और ललित कुमार उपाध्याय को सम्मानित किया। इन दोना खिलाडियों को खेल में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। दोनों ने ही हाल ही में अंतराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लिया था। हॉकी इंडिया ने इन दोनो को ही पांच-पांच लाख रुपये की राशि दी है। वंदना ने 15 वर्षों से अधिक समय के करियर के बाद अप्रैल में ही खेल को अलविदा कहा था। 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वह सबसे अधिक 158 गोल करने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। साल 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण के बाद से ही वंदना भारतीय हॉकी की सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रही हैं। टोक्यो ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल करने वाली भारतीय टीम में भी वह शामिल रही थीं। वह ओलंपिक में हैट्रिक बनाने वाली अकेली भारतीय खिलाड़ी हैं। बनी थीं। वंदना ने सम्मान समारोह के बाद कहा, भारत की जर्सी पहनना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा अवसर रहा है। हॉकी ने मुझे सब कुछ दिया है। मैं इस सम्मान के लिए हॉकी इंडिया की और सबसे बढ़कर, अपने उन साथियों की बहुत आभारी हूं, जिनके साथ मैंने पिछले 15 साल तक का सफर तय किया है। वे मेरे लिए एक परिवार की तरह थे। हमने एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाया और साथ

दिया। किया। उन्होंने कहा, मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, वह उनके विश्वास, कड़ी मेहनत के बिना संभव नहीं होता। मैं अपने परिवार की भी उतनी ही आभारी हूं, जो हर चुनौती और त्याग में मेरे साथ रहा मैं अपने सभी कोचों, सहयोगी स्टाफ और प्रशंसकों का भी धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने इस पूरे सफर में मुझे प्रेरित किया। वहीं ललित ने जून में संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने साल 2014 में भारत के लिए पदार्पण करने के बाद से ही एक दशक से अधिक के करियर में भारतीय टीम की ओर से 183 मैचों में 67 गोल दागे। उन्होंने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत की कांस्य पदक जीत में अहम भूमिका निभाई। ललित ने कहा, मुझे भारतीय हॉकी के कुछ सबसे ऐतिहासिक पलों का हिस्सा बनकर बेहद गर्व महसूस हो रहा है। वाराणसी के एक छोटे से गांव से लेकर ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने तक का सफर खास रहा है उन्होंने कहा, उच्चतम स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से एक सपना रहा है और मैं अपने परिवार, कोचों, साथियों, सहयोगी स्टाफ और हॉकी इंडिया को उनके निरंतर समर्थन के लिए, तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। यह सम्मान उन सभी का है और मैं हॉकी इंडिया को जो भी उपयुक्त लगे, हॉकी को वापस देने के लिए हमेशा मौजूद रहूंगा। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने भी दोनो की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय हॉकी में इनका योगदान असाधारण रहा है।

अब यॉकशर्यार की ओर से काउंटी क्रिकेट खेलेंगे मयंक

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल अब यॉकशर्यार की ओर से काउंटी चैंपियनशिप मुकाबलों में खेलेंगे। मयंक समरसेट के खिलाफ 8 सितंबर को होने वाले मुकाबले से पहले यॉकशर्यार से जुड़ जाएंगे। मयंक 2025-26 रणजी ट्रॉफी सीजन के लिए भारत लौटने से पहले वह कुल तीन मुकाबले खेलेंगे। इससे पहले वह कर्नाटक की ओर से महाराजा टी20 ट्रॉफी में शामिल थे। वहीं उन्हें आईपीएल में देवदत्त प ्डिक्कल के विकल्प के तौर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने दल में शामिल किया था। मयंक को इंग्लैंड में खेलने का लंबा अनुभव है। वह साल 2021-22 के दौरे और 2023 के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के भारतीय दल के हिस्से के रूप में इंग्लैंड की यात्रा कर चुके हैं। साल 2021-22 के दौरे पर मयंक भारत के लिए पारी की शुरुआत करने के दावेदार थे पर उन्हें सीरीज के पहले मैच से पहले चोट लग गई जिसके चलते वह बाहर हो गए। मयंक दो बार ए टीम के साथ भी इंग्लैंड का दौरा कर चुके हैं। कर्नाटक के सभी प्रारूपों के कप्तान अग्रवाल के पास प्रथम श्रेणी का काफी अनुभव है। उन्होंने 180 पारियों में 43.98 की औसत, 18 शतक और 44 अर्धशतकों के साथ 8050 रन बना चुके हैं। मयंक ने भारत के लिए 36 टेस्ट पारियों में 41.33 की औसत और चार शतकों की बदौलत 1488 रन बनाए हैं जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 243 रनों की पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी है। उन्होंने अपना सबसे हालिया टेस्ट फरवरी 2023 में श्रीलंका के ख़िलाफ़ बेंगलुरु में खेला था।

रोहित के 19 यो-यो स्कोर वाली रिपोर्ट्स निकली आधारहीन

मुम्बई। भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों का हाल ही में बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में यो-यो टेस्ट हुआ था। इसमें केवल विराट कोहली विदेश में होने के कारण शामिल नहीं हुए थे। वहीं इसके बाद आई कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि इस टेस्ट में भारतीय एकदिवसीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को सबसे अधिक 19.4 और उन्होंने विराट कोहली तक को फिटनेस के मामले में पीछे छोड़ दिया हालांकि ये दावा सही नहीं है। इसका कारण है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नियम बनाया है कि कोई भी खिलाड़ी फिटनेस टेस्ट के स्कोर को सार्वजनिक नहीं कर सकता है। ऐसे में रोहित रोहित के यो-यो टेस्ट में 19 अंकों के आंकड़े को पार करने की सभी रिपोर्ट आधारहीन नजर आती हैं। नियमों के अनुसार क्रिकेटरों को अपने स्कोर कहीं भी सार्वजनिक करने की अनुमति नहीं है। यहां तक कि बोर्ड भी ये स्कोर किसी को नहीं बताता है। अगर कोई अपना यो-यो टेस्ट स्कोर उजागर करता है, तो उस खिलाड़ी पर कार्रवाई का नियम है। वहीं एक एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित के अलावा, शुभमन गिल, हार्दिक पंड्या और अन्य सभी भारतीय क्रिकेटरों ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वहीं विराट ने लंदन में ही ये टेस्ट दिया था जिसमें वह भी पास हो गये थे।

एशिया कप में तीसरे नंबर पर उतरें सैमसन-गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के महान बल्लेबाज रहे सुनील गावस्कर का मानना है कि एशिया कप में विकेट बल्लेबाज संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि सैमसन को छठे क्रम पर फिनिशर के रूप में बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजना चाहिये। गावस्कर ने कहा, किसी भी चयन समिति के लिए यह कठिनाई है कि उनके पास जितेश शर्मा और संजू सैमसन जैसे दो बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज हों। जितेश ने हाल ही में हुए आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद भी गावस्कर को लगता है कि सैमसन को मौका मिल जाएगा। जितेज आईपीएल में वह काफी सफल रहे है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनमें टी20 में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है। गौर है कि सैमसन का 2024 साल शानदार रहा। जहां उन्होंने 43.60 की औसत और 180.16 के स्ट्राइक रेट से 436 रन बनाए। जिसमें तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उन्होंने ज्यादातर रन सलामी बल्लेबाज के तौर पर बनाए। केरल क्रिकेट लीग में हाल में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। वहीं जितेश अनुभव के मामले में उनसे कहीं पीछे हैं।

रोहित, विराट कब संन्यास ले, कहने का अधिकार किसी को नहीं -दीपदास गुप्ता

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद संन्यास लेने की लगायी जा रही हैं। ये भी कहा जा रहा है कि ये दौरा इन दोनो का अंतिम अंतर्राष्ट्रीय दौरा हो सकता है। वहीं पूर्व क्रिकेटर दीपदास गुप्ता ने कहा है कि किसी को भी ये कहने का अधिकार नहीं है कि इन्हें कब संन्यास लेना चाहिये। दासगुप्ता ने कहा, हमने उन्हें कभी शुरुआत करने के लिए नहीं कहा, इसलिए हम उन्हें यह बताने वाले कोई नहीं होते कि कब रुकना है। वे जब रुकते हैं, तब रुकते हैं। यह पूरी तरह से उन पर निर्भर करता है। हां, जहां तक चयन का सवाल है तो हम एक प्रदर्शन-आधारित उद्योग में हैं। इसमें अगर आप प्रदर्शन करते हैं तो टीम में बने रहेंगे। मैंने हाल ही में रोहित तस्वीरें देखीं, वह फिट दिख रहे हैं, वह पूरी तरह से तैयार हैं और आने वाली चुनौती के लिए तैयार हैं। दासगुप्ता ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उन दोनों के पास आगे बढ़ने के लिए कुछ साल बाकी हैं। मुझे सचमुच थोड़ा गुस्सा आता है जब लोग कहते हैं, इन्हें संन्यास ले लेना चाहिए। मेरा मतलब है कि हम कौन होते हैं ऐसा सुझाव देने वाले? अगले एक साल में कम एकदिवसीय होने हैं ऐसे में दीप का मानना है कि इन दोनो को ही फिटनेस बनाये रखने के लिए आईपीएल अन्य जगहों पर भी खेलना होगा। दासगुप्ता ने कहा अगर दोनों मानदंड पूरे कर लेते हैं, तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में लीग क्रिकेट खेलने के विकल्पों पर विचार करना चाहिए।

त्रिकोणीय टी20 सीरीज-अफगानिस्तान ने यूएई को 4 रनों से हराया

दुबई । अफगानिस्तान की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए त्रिकोणीय टी20 सीरीज के अपने तीसरे लीग मुकाबले में यूएई को अंतिम गेंद पर चार रनों से हरा दिया। इस मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 170 रन। इसके बाद जीत के लिए मिले 171 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान यूएई 166 रन ही बना पायी। इस मैच में मेजबान टीम यूएई को जीत के लिए अंतिम ओवर में 17 रन की जरूरत थी पर वह ये लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी। फरीद अहमद की ओवर की पहली गेंद पर आसिफ खान ने चौका जबकि दूसरी गेंद पर छक्का लगा दिया। ऐसे में बची हुई 4 गेंद पर 7 रन चाहिए थे। ओवर की तीसरी गेंद पर दो रन बने। आखिरी 3 गेंद पर 5 रन चाहिए थे और यूएई की जीत तय नजर आ रही थी पर ओवर की चौथी और पांचवी गेंद पर रन नहीं बना। अंतिम गेंद पर 5 रन की जरूरत थी। फरीद अहमद ने आसिफ को विकेटकीपर गुरबाज के हाथों आउट कर यूएई की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस प्रकार हाथ में आया मैच मेजबान टीम ने गंवा दिया। आसिफ खान ने 28 गेंद पर 40 रन बनाए। इससे पहले 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। सलामी बल्लेबाजों अलीशान शराफू और कप्तान मुहम्मद वसीम ने पहले विकेट के लिए ही 65 रन बना दिये पर मध्यक्रम के विफल होने से टीम लड़खड़ा गयी।

अभी संन्यास नहीं लेंगे, अगले सत्र में 25 वां ग्रैंड स्लैम जीतने का प्रयास करेंगे जोकोविच

न्यूयॉर्क। सर्बियाइ टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच को अमेरिकी ओपन टेनिस के पुरुष एकल सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन के कार्लोस अल्काराज के खिलाफ 6-4, 7-6(4), 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। जिसके बाद से ही कहा जा रहा था कि अब वह संन्यास ले सकते हैं पर जोकोविच ने इस सभी बातों पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा है कि ये सब अफवाहें हैं। जोकोविच ने अपने बयान में कहा है कि वह अगले साल होने वाले ग्रैंड स्लैम सत्र में खेलेंगे। जोकोविच ने कहा है कि अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद भी वह निराश नहीं हैं और अगले सत्र में 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का प्रयास करेंगे। अल्काराज के खिलाफ मुकाबले में जोकोविच को अंत में सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं अभी पीछे नहीं हटने जा रहा हूं। मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने के अपने प्रयास जारी रखूंगा। मैं फाइनल में पहुंचने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करूंगा। मैं कम से कम एक और ट्रॉफी जीतने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। जोकोविच ने इस सत्र में चारों ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई पर एक बार भी उससे आगे नहीं बढ़ पाये। उन्हें तीन बार अल्काराज और एक बार इटली के यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल के बाद जोकोविच ने कहा, 'दूसरे सेट के बाद मेरी ताकत समाप्त हो गई थी। वहीं अल्काराज बेहतर होते गये जिससे ये मुकाबला मेरे हाथ से निकल गया।

दिनेश कार्तिक की अपनी पसंदीदा ऑल टाइम टी20 एकादश में धोनी, युवराज भी शामिल

मुम्बई। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने अपनी पसंदीदा भारत की ऑल टाइम टी20 एकादश बनायी है। इसमें कार्तिक ने पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से लेकर ऑलराउंडर युवराज सिंह, रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी शामिल किया है पर टी20 प्रारुप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को इसमें जगह नहीं मिली है। कार्तिक ने पारी की शुरुआत के लिए युवा अभिषेक शर्मा और रोहित शर्मा को रखा है। इसके बाद विराट उतरेंगे। स्थान पर हैं। वहीं चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव को रखा है। इसके बाद कप्तान और विकेटकीपर धोनी का नंबर आता है। ऑलराउंडरों में युवराज सिंह, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल को शामिल किया गया है। कार्तिक का मानना है कि युवराज उन बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्हें उन्होंने अब तक देखा है। गेंदबाजों में स्पिनर युजवेंद्र चहल की जगह उन्होंने वरुण चक्रवर्ती को शामिल किया है। तेज गेंदबाजों के लिए जसप्रीत बुमराह को रखा गया है पर सिर्फ 33 मैचों में 99 विकेट लेने वाले अर्शदीप को शामिल नहीं करते हुए उनकी जगह पर अनुभवी स्विंग गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शामिल किया है। दिनेश कार्तिक की पसंदीदा ऑल टाइम भारतीय एकादश = महेन्द्र सिंह धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, युवराज सिंह, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार।

पर्यटन कूटनीति के अंतर्गत बड़ी पहल

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एक्सपो वियतनाम में आईआरसीटीसी ने बढ़ाया वैश्विक प्रभाव

पटना। भारत के प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष घोषित किया है और आसियान देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यटन संबंधों को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा पर्यटन को लोगों के बीच आपसी जुड़ाव, साझा समृद्धि और भारत व आसियान देशों के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने का माध्यम मानती है। इस नई पहल के तहत भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को वियतनाम में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित इंटरनेशनल टूरिज़्म एक्सपो वियतनाम 2025 में भारत की भागीदारी आयोजित करने का दायित्व दिया गया है। यह आयोजन 4 से 6 सितंबर 2025 तक सैगॉन एक्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (स्श्वष्टष्ट), हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में आयोजित किया गया जिसमें आईआरसीटीसी के डायरेक्टर राहुल हिमालयन और कई दूसरे प्रतिनिधियों में हिस्सा लिया। आईआरसीटीसी यहां एक विशेष आसियान-भारत पैवेलियन स्थापित किया, जिसमें भारत के विविध पर्यटन उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे- जिनमें देश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आध्यात्मिक एवं वेलनेस पैकेज, प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियाँ और विश्वस्तरीय लक्ज़री ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों में महाराजा एक्सप्रेस, गोल्डन चैरीअट और बौद्ध सर्किट लक्ज़री एसी ट्रेन आकर्षण के प्रमुख केंद्र रहे। साथ ही आसियान देशों के पर्यटन दृश्य और आकर्षण भी प्रदर्शित किया गया। हो ची मिन्ह सिटी में भारतीय वाणिज्य

दूतावास के महावाणिज्यदूत श्री विप्र पांडेय ने इस पैवेलियन का उद्घाटन किया।

इस नए सहयोग और 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाने की तैयारी के तहत, आईआरसीटीसी ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से भारत और आसियान देशों के पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों को पाटा ट्रैवल मार्ट 2025 (बैंकॉक) में एकजुट किया। यह भारत-आसियान सांस्कृतिक और पर्यटन सहयोग के लिए एक नए युग की शुरुआत थी। बैंकॉक स्थित आसियान-भारत पैवेलियन का उद्घाटन थाईलैंड में भारत के राजदूत श्री नागेश सिंह ने किया। उनकी सक्रियता से इस पहल को और अधिक गति मिली। इसके अतिरिक्त, 28 अगस्त 2025 को थाईलैंड में एक रोड शो भी आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया और यह कार्यक्रम कार्यक्रम सफल रहा।

आईटीई वियतनाम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आईआरसीटीसी कर रहा है। इसमें भारत के प्रमुख पर्यटन जीएसए, राज्य पर्यटन बोर्ड के अधिकारी और आसियान देशों के प्रतिनिधि- पर्यटन व्यापार और नीति निर्माण संस्थाएं- शामिल हैं। यह सामूहिक भागीदारी प्रधानमंत्री की उस दृष्टि को मूर्त रूप देती है, जिसमें भारत और आसियान एक साथ विकास और पर्यटन सहयोग की दिशा में आगे बढ़ें।

आसियान-भारत पैवेलियन की स्थापना के अलावा आईआरसीटीसी को पूरे भारतीय प्रतिनिधिमंडल की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। साथ ही, आईआरसीटीसी हो ची मिन्ह सिटी में आसियान-भारत पर्यटन रोड शो का आयोजन कर रहा है, जिसमें भारत-आसियान पर्यटन उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गयी। इस दौरान स्थानीय ट्रैवल एजेंटों और टूर ऑपरेटरों से सीधा संवाद स्थापित कर नए कारोबारी साझेदारी के अवसर तलाश किए।

भारत के प्रधानमंत्री द्वारा आसियान-भारत पर्यटन वर्ष की घोषणा एक ऐतिहासिक कदम है, जो भारत को एक वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मददगार साबित हुआ। हो ची मिन्ह सिटी में आसियान-भारत पैवेलियन की स्थापना ने भारत और आसियान देशों के बीच संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के नए रास्ते खोले हैं। यह पहल न केवल क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाती है बल्कि आपसी विश्वास, मित्रता और सहयोग के संबंध भी मजबूत करती है। इसके माध्यम से पर्यटन आधारित विकास और सतत विकास के लक्ष्यों को आने वाले समय में भारत और आसियान दोनों देश मिलकर प्राप्त कर सकेंगे।

पाली एकेडमिक महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बिसोनी के प्रथम एकेडमिक इंस्टीट्यूशन, पाली एकेडमिक महाविद्यालय में 6 सितंबर को भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था की डायरेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य और प्राचार्य श्री विजय लीलारे उपस्थित रहे। उनके साथ महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, सपोर्टिंग स्टाफ, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं, और अध्यापक-छात्राएं शामिल हुए, जिन्होंने इस आयोजन को अविस्मरणीय बनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्रमुख और प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती और डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पमाला अर्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। अतिथियों और गुरुजनों का पुष्पमाला, श्रीफल, पेन और डायरी भेंट कर हार्दिक स्वागत किया गया। प्राचार्य विजय लिल्हारे ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में शिक्षकों के समाज में योगदान और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, शिक्षक न केवल ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं, बल्कि समाज के भविष्य को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राध्यापक के.के. मिश्रा ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन, दर्शन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षक ही समाज को सही दिशा प्रदान करता है। बी. पटले ने भी अपने विचार साझा करते हुए शिक्षक दिवस के महत्व और डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में डायरेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने शिक्षकों की महिमा और उनके सामाजिक योगदान को रेखांकित करते हुए सभी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। छात्र-छात्राओं ने नाटक, भाषण और गीतों के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्रोफेसर के.के. उमरे ने शिक्षक की भूमिका को परिभाषित करते हुए कहा, शिक्षक वह है जो शि-शिखर तक पहुंचाता है, क्ष-क्षमा करता है, और क-कष्टों को दूर करता है। समापन पर महाविद्यालय परिवार ने शिक्षक दिवस को श्रद्धापूर्वक मनाते हुए गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणादायक और स्मरणीय रहा।

छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में ईडी की रेड के बाद सामने आए आंकड़े

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित डीएफएल घोटाला केस में ईडी ने 4 करोड़ रुपए नकद और 10 किलो चांदी की ईंटें बरामद की हैं। इसके साथ ही कई संदिग्ध दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए गए हैं। ईडी को इन दस्तावेजों में भ्रष्टाचार और अवैध लेन-देन से जुड़े कई अहम सबूत मिले हैं। रायपुर जोनल ऑफिस की ईडी टीम ने 3 और 4 सितंबर को राज्यभर में 28 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की थी। ईडी की अलग-अलग टीमें धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत रायपुर, दुर्ग, भिलाई और गरियाबंद में दबिश दी थी। ईडी के मुताबिक 2 दिनों तक चली जांच में ठेकेदारों, वेंडर्स और लाइजनरों के दफ्तरों और आवासों को खंगाला गया। ये सभी आरोपी छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड (बीज निगम) से जुड़े हुए हैं। ईडी के मुताबिक डीएफएल घोटाले की परतें इन्हीं नेटवर्क के जरिए खुल रही हैं।

अजरबैजान का आरोप, भारत ने एससीओ की पूर्ण सदस्यता पर लगाई रोक

पाकिस्तान से दोस्ती का लिया बदला, आरोपों को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली। हाल में हुए चीन में एससीओ के शिखर सम्मेलन के बाद अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया। दरअसल अजरबैजान ने आरोप लगाया है कि भारत ने उसके एससीओ में पूर्ण सदस्यता के आवेदन को रोक दिया है। अजरबैजान का दावा है कि भारत ने यह फैसला पाकिस्तान से उसके करीबी संबंधों के चलते बदला लेने की भावना से किया है। भारत सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि एससीओ की सदस्यता प्रक्रिया संगठन के चार्टर और सदस्य देशों की सहमति पर आधारित होती है, न कि किसी द्विपक्षीय दुश्मनी पर। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने अपने मित्र देश आर्मेनिया का भी जिक्र करते हुए कहा है कि उसे भी पूर्ण सदस्य नहीं बनाया गया है।

बता दें चीन के तियानजिन शहर में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक एससीओ का 25वां शिखर सम्मेलन हुआ था। इस सम्मेलन में पीएम मोदी, पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत सभी प्रमुख सदस्य देशों के नेता शामिल हुए थे। एससीओ के वर्तमान में 10 पूर्ण सदस्य हैं, जिनमें भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं। इसके अलावा, 14 देश डायलॉग पार्टनर के रूप में जुड़े हैं, जिनमें अजरबैजान भी शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अजरबैजान लंबे समय से एससीओ में पूर्ण सदस्यता की मांग कर रहा था। सम्मेलन में अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव डायलॉग पार्टनर की हैसियत से मौजूद थे। उन्होंने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की थी, लेकिन सम्मेलन के समापन पर किसी नए सदस्य को शामिल करने की घोषणा नहीं हुई। अजरबैजानी मीडिया ने तुरंत भारत पर उंगली उठाई और कहा कि भारत ने वीटो पावर का इस्तेमाल कर अजरबैजान की सदस्यता को रोक दिया।

वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि समय की कमी के कारण हाल ही में चीन में हुए शिखर सम्मेलन में आर्मेनिया और अजरबैजान के एससीओ में शामिल होने के मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस साल, आर्मेनिया और अजरबैजान दोनों ने सदस्यता के लिए आवेदन दिया था। समय की कमी के कारण, तियानजिन में सदस्य देशों द्वारा इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं हो सका। यह मामला समूह द्वारा अभी भी विचाराधीन है।

बता कि भारत आर्मेनिया का करीबी रक्षा साझेदार है। भारत ने आर्मेनिया को पिनाका रॉकेट सिस्टम, आकाश मिसाइल, स्वाथी वेपन लोकेटिंग रडार और तोपें जैसी सैन्य आपूर्ति की है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के सामने खुलकर भारत की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत हमारे देश से शत्रुता का बर्ताव करता है। वैश्विक मंचों पर वह हमसे बदला लेने की कोशिश करता है, क्योंकि अजरबैजान का पाकिस्तान के साथ अच्छा संबंध है। अलीयेव ने दावा किया कि चीन, रूस और पाकिस्तान ने अजरबैजान की सदस्यता का समर्थन किया था, लेकिन भारत के विरोध के कारण यह संभव नहीं हो सका।

बता दें अजरबैजान की मीडिया रिपोर्ट्स में इसे शंघाई भावना के खिलाफ बताया। इसके अलावा, राष्ट्रपति अलीयेव ने कहा कि वह पाकिस्तान के साथ अपने भाईचारे वाले संबंधों को मजबूत करते रहेंगे, चाहे भारत कितना ही विरोध करे। अजरबैजान और पाकिस्तान के संबंधों की जड़ें गहरी हैं। अजरबैजान ने पाकिस्तान के कश्मीर दावे का समर्थन किया है।

कार हादसे में आरके यूनिवर्सिटी के 3 विद्यार्थियों की मौत, मृतक आंध्र प्रदेश के मूल निवासी थे

राजकोट। जिले के जंगवड गांव के निकट इनोवा कार के पलट जाने से उसमें सवार तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई7 जबकि 9 विद्यार्थी घायल हो गए, जिसमें 2 छात्रों का राजकोट के अस्पताल में उपचार चल रहा है7 यह हादसा जंगवड गांव के निकट मोड पर ड्राइवर के स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवाने के कारण हुआ7 आटकोट पुलिस मामले की जांच कर रही है7 जानकारी के मुताबिक राजकोट के आर.के. विश्वविद्यालय में कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे और छात्रावास में रह रहे कुल 12 विद्यार्थियों ने जूनागढ़, सोमनाथ, दीव और द्वारका जाने घूमने जाने के लिए रॉयल टूर एंड ट्रैवल्स, राजकोट से एक स्व-चालित इनोवा कार बुक की थी7 विद्यार्थियों को लेकर इनोवा कार जब राजकोट जिले की आटकोट तहसील के जंगवड गांव के मोड से गुजर रही थी, तब ड्राइवर ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और बेलगाम कार पलटी खा गई7 सड़क पर पलटी कार के परखच्चे उड़ गए7 दुर्घटना में घायल छात्रों को आटकोट पुलिस थाना टीम और स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से तीन छात्रों की मौत हो गई है और दो छात्रों का स्टर्लिंग अस्पताल में इलाज चल रहा है।

श्रीनगर की हजरतबल दरगाह में अशोक चिन्ह से विवाद शिलापट्ट तोड़कर राष्ट्रीय प्रतीक हटाया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हजरतबल दरगाह में शुक्रवार को ईद-ए-मिलाद के मौके पर अशोक स्तंभ वाली एक नवनिर्मित शिलापट्ट को कुछ लोगों ने तोड़ दिया। जुमे की नमाज के बाद भीड़ शिलापट्ट के पास जमा हो गई और वक्फ बोर्ड के खिलाफ नारे लगाए और पत्थरबाजी की। इस घटना को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सदियों से, दरगाह हजरतबल जम्मू-कश्मीर में मुस्लिमों के लिए सबसे पवित्र स्थल रहा है क्योंकि यहां पैगंबर मोहम्मद की निशानियां रखी हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में, वक्फ बोर्ड ने करोड़ों रुपए खर्च करके हजरतबल दरगाह का रिनोवेशन करके उद्घाटन किया था। उद्घाटन शिलापट्ट पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह अशोक चिन्ह उकेरा गया था, जिसकी आलोचना की जा रही थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और अन्य विपक्षी दलों ने इसे धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ बताया। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि मुस्लिम समुदाय को जानबूझकर उकसाया जा रहा है। घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अबदुल्ला ने कहा कि मैंने कभी किसी धार्मिक स्थल पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह का इस्तेमाल होते नहीं देखा। तो हजरतबल दरगाह के पत्थर पर प्रतीक चिन्ह लगाने की क्या जरूरत थी? क्या सिर्फ काम ही काफी नहीं था?

तो जेब में नोट भी न ले जाएं

जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन दरख्शां अंद्राबी ने इस घटना को संविधान पर चोट बताया। उन्होंने विरोध करने वालों को उपद्रवी-आतंकी करार दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर एफआईआर दर्ज न होने पर वह भूख हड़ताल करेंगी। अंद्राबी ने पुलिस और वक्फ बोर्ड के अधिकारियों से कहा कि जब भी विधायक दरगाह जाएं, उनकी तलाशी ली जाए, ताकि उनकी जेब में कोई नोट न हो। अगर है भी, तो उसे अंदर ले जाना मकरूह (घृणित) होगा। जिन लोगों को राष्ट्रीय प्रतीक के इस्तेमाल से समस्या है, उन्हें दरगाह जाते समय राष्ट्रीय प्रतीक वाले नोट नहीं ले जाने चाहिए।

नरेश बालियान मकोका केस

अदालत ने पुलिस को दस्तावेज उपलब्ध कराने दिए निर्देश

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता नरेश बालियान से जुड़े मकोका मामले में शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। अदालत ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वह आरोपियों को सभी संबंधित दस्तावेज 15 सितंबर तक उपलब्ध कराए। मामले की अगली सुनवाई अब 15 सितंबर को होगी। इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने नरेश बालियान और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत 3 जून तक बढ़ा दी थी। साथ ही दिल्ली पुलिस को आरोपी विकास गहलोत के खिलाफ जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। अदालत ने दोहराया कि जांच में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के अनुसार नरेश बालियान और उनके सहयोगियों पर संगठित आपराधिक नेटवर्क बनाने और उसे सक्रिय रूप से संचालित करने के गंभीर आरोप हैं। इस गिरोह पर हथियारों की तस्करी, जबरन वसूली और कई अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का दावा किया गया है। नरेश बालियान ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा, यह मामला पूरी तरह से राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। मुझे फर्जी तौर पर फंसाया गया है। विपक्षी ताकतें मेरी छवि खराब करना चाहती हैं। इस स्थिति में अब कोर्ट की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी, जिसे केस की दिशा तय करने में अहम माना जा रहा है। इस दौरान आरोप तय करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

117 साल से तिजोरी में रखा है बेशकीमती दरिया-ए-नूर हीरा, अब होंगे दर्शन!

नई दिल्ली। दुनिया में दो नायाब हीरे हैं। एक कोहिनूर और दूसरा दरिया-ए-नूर। कोहिनूर का इतिहास और वर्तमान सबके सामने है, लेकिन नूर के दरिया का वर्तमान अभी रहस्य बना हुआ है। सभी को उम्मीद है कि 117 साल से बांग्लादेश के बैंक की तिजोरी में रखा ये हीरा फिर शायद सामने आए। वित्तीय संकट से जूझ रही बांग्लादेश सरकार ने उस तिजोरी को खोलने का फैसला किया है, जिसमें बेशकीमती रत्न रखे हुए हैं। दरिया-ए-नूर हीरे को भारत की गोलकुंडा की खदानों से निकाला गया था। यहीं पर विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा भी मिला था। डिजिटल संग्रह संस्था बांग्लादेश ऑन रिकॉर्ड के मुताबिक दरिया-ए-नूर अपनी चमक के लिए दुनिया में बेजोड़ हीरा है। इसे सोने के बाजूबंद के बीच में जड़ा गया था, जिसके चारों ओर 10 छोटे हीरे जड़े हुए हैं। 1908 के अदालती दस्तावेजों में हीरे कितने कैरेट वजन का है, इसका उल्लेख नहीं है। हालांकि, रिपोर्ट में हीरा 182 कैरेट का बताया गया है, जबकि कहीं पर 26 कैरेट माना गया है। खदानों से निकलने के बाद हीरा लंबे समय तक मराठा शासकों के पास रहा। फिर हैदराबाद के नवाब शाही परिवार ने 1.30 लाख में खरीद लिया था। कुछ समय बाद फारसी सम्राट के पास पहुंच गया, जहां से पंजाब के शासक महाराजा रणजीत सिंह (1780-1839) ने कोहिनूर और दरिया-ए-नूर को जब्त कर लिया। 1849 में अंग्रेजों ने जब पंजाब पर कब्जा किया तो उन्होंने रणजीत सिंह के खजाने से कोहिनूर और दरिया-ए-नूर को ले लिया। 1850 में अंग्रेजों ने हीरों को महारानी विक्टोरिया को भेंट के तौर पर लंदन भेज दिया। नीलामी के समय ढाका के पहले नवाब ख्वाजा अलीमुल्लाह ने हीरे को खरीदा था। 1908 में ढाका के दूसरे नवाब सलीमुल्लाह ने आर्थिक संकट के बाद ब्रिटिश औपनिवेशिक शक्तियों से 14 लाख टका उधार लिया और दरिया-ए-नूर समेत 109 कीमती वस्तुओं को गिरवी रख दिया। कर्ज चुका नहीं पाने से हीरा सरकारी बैंकों के पास चला गया।

श्रद्धालुओं से भरे ऑटो को पिकअप ने मारी टक्कर, चालक की मौत, 9 घायल

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में एक सड़क हादसे में ऑटो चालक की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक हादसा रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग पर राजरप्पा थाना क्षेत्र के पास हुआ, जब एक ऑटो-रिक्शा श्रद्धालुओं को मंदिर ले जा रहा था तभी उसे एक पिकअप वैन ने टक्कर मार दी। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि मृत ऑटो चालक की पहचान बरकाकाना निवासी साजिद राय (50) के रूप में हुई है। राजरप्पा थाना प्रभारी ने कहा कि राजरप्पा मंदिर जा रहा ऑटो-रिक्शा को गोला से आ रहे पिकअप वैन ने टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पलट गया। ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में से एक यात्री, बबिता देवी गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें रिम्स रांची रेफर किया गया है। सभी श्रद्धालु बिहार के पटना और भागलपुर के रहने वाले हैं। उन्हें रामगढ़ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिकअप वैन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर जांच शुरु कर दी है।

ओडिशा में मजदूर ने बोली बंगाली भाषा तो भीड़ ने पीटते हुए तोड़ दिया हाथ और लूट लिए रुपये

कोलकाता। कटवा के कारजग्राम के रहने वाले प्रवासी मजदूर तरजन शेख ने आरोप लगाया है कि ओडिशा में पिछले रविवार को उन्हें बंगाली भाषा बोलने पर भीड़ ने बुरी तरह पीटा और उनकी हाथ की हड्डी तोड़ दी और उन्हें 'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किया। तरजन इस समय अपना इलाज करा रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को कटवा थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तरजन शेख पिछले पांच साल से ओडिशा के जलेश्वर इलाके में फेरी लगाकर सामान बेचते हैं। वह साइकिल पर स्टील के घरेलू बर्तन बेचकर गुजारा करते थे और राजपुर क्षेत्र में रहते थे। उन्होंने बताया कि यह घटना लक्ष्मणडिही क्षेत्र के पास हुई। शेख ने बताया कि रास्ते में कुछ लोगों ने उनसे ओड़िया भाषा में उनके ठिकाने के बारे में पूछा। जब उन्होंने बंगाली में जवाब दिया और अपनी पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड व मतदाता पहचान पत्र दिखाया तो भीड़ ने उनके कागजों को "फर्जी" बताकर बुरी तरह पीटा। मारपीट के दौरान उनके पास मौजूद हजारों रुपए भी लूट लिए। वह किसी तरह जान बचाकर वहां से भागे और अगले दिन अपने पैतृक स्थान कटवा आ गए। इस घटना को टीएमसी ने गंभीर बताते हुए बीजेपी पर निशाना साधा है। पार्टी ने बयान जारी कर कहा कि देश कब तक बीजेपी की नफरत और बंटवारे की राजनीति झेलेगा? ओडिशा में एक युवा फेरीवाले को केवल बंगाली बोलने पर दिनदहाड़े भीड़ ने पीटा। बीजेपी समर्थित गुंडों ने उन्हें 'बांग्लादेशी' बताकर उनका हाथ तोड़ दिया, उनकी कमाई लूट ली और गरिमा छीन ली। पार्टी ने कहा कि यही है बीजेपी की घृणा की असली तस्वीर, जहां भाषाओं का अपमान किया जाता है, संस्कृतियों को कलंकित किया जाता है और पहचान को नफरत के बोझ तले कुचला जाता है। यह लोगों को बांटने का काम कर रही है। स्थानीय पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग से दुष्कर्म कर ब्लैकमेल करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पौड़ी। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के कोटद्वार में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म कर उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप में दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि यूपी के बिजनौर से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रजनीश उर्फ रानू और अंकुश सैनी के रूप में हुई है। पीड़िता की मां ने 12 अगस्त को कोटद्वार पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी को रजनीश बहला-फुसलाकर हरिद्वार के एक होटल में ले गया और नशीला पदार्थ पिलाकर उससे दुष्कर्म किया। पुलिस को की शिकायत में मां ने बताया कि रजनीश ने दुष्कर्म का अश्लील वीडियो बनाया और अपने साथी अंकुश सैनी के जरिए पीड़िता को ब्लैकमेल करने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर पोक्सो का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने घटना से संबंधित सबूत जुटाने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है।

कोविड ड्यूटी करते समय गई प्रिंसिपल पति की जान, हाईकोर्ट ने दिया सख्त आदेश- पत्नी को 1 करोड़ रुपये दे दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि वह 8 हफ्तों के भीतर एक स्कूल प्रिंसिपल की विधवा को एक करोड़ रुपये का मुआवजा अदा करे। प्रिंसिपल की मौत कोविड-19 महामारी के दौरान टीकाकरण कार्य की निगरानी करते हुए संक्रमण से हुई थी। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने कहा कि सरकार की मुआवजा नीति एक कल्याणकारी उपाय है, जिसका उद्देश्य महामारी के दौरान सेवाएं देते हुए जान गंवाने वाले कर्मियों के परिजनों की सहायता करना है। दरअसल, प्रिंसिपल की पत्नी ने दिल्ली सरकार की मई 2020 की नीति के तहत मुआवजे की मांग की थी। उनकी याचिका को पहले सिंगल बेंच ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि अप्रैल 2021 में प्रिंसिपल कोविड ड्यूटी पर नहीं थे। मृतक की पत्नी ने दलील दी कि जिस स्कूल में उनके पति कार्यरत थे, वह कोविड टीकाकरण केंद्र के रूप में कार्य कर रहा था और कर्मचारियों को महामारी से संबंधित कार्य सौंपने की जिम्मेदारी उन्हीं की थी। अदालत ने इस दलील को स्वीकार करते हुए कहा कि संस्थान के प्रमुख होने के नाते उनका वहां उपस्थित रहना और अधीनस्थ कर्मचारियों के काम की देखरेख करना अनिवार्य था। पीठ ने कहा कि कोरोनावायरस लगातार उत्परिवर्तित होता रहा है और इसके नए रूपों ने दुनिया भर के चिकित्सा विशेषज्ञों के सामने अभूतपूर्व चुनौतियां खड़ी कीं। ऐसे में अदालतें मुआवजा नीति की व्याख्या सीमित या संकीर्ण दृष्टिकोण से नहीं कर सकतीं। दिल्ली हाईकोर्ट का यह फैसला उन परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकता है, जिन्होंने महामारी के दौरान फ्रंटलाइन सेवाओं में योगदान करते हुए अपनों को खोया है।

पट्टा टूटने से पुल पर फंसा लकड़ी से भरा ट्रक

घंघरिया के मनकुंवर नदी पुल का मामला ,8 घंटे बंद रहा बालाघाट-नैनपुर राजमार्ग, वाहनों को किया डायवर्ट, सुबह पांच बजे आवागमन हो सका बहाल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कभी बरसात से आई बाढ़ तो कभी किसी अन्य कारणों के चलते बालाघाट-नैनपुर राजमार्ग से आवागमन आए दिन बंद हो जाता है।जिसके चलते इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरो को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।इसी कड़ी में चांगोटोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीती रात तकरीबन 10.30 बजे घंघरिया के मनकुंवर नदी के पुल पर गड्ढे से गुजरने के दौरान, लकड़ी से भरे एक ट्रक, का पट्टा टूट गया।जिसके चलते ट्रक क्रमांक एमपी 07 एचबी 3088 ट्रक बीच रास्ते में फंस गया। जिसके कारण बालाघाट-नैनपुर राजमार्ग 543 में आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया। ट्रक के फंसे होने और आवागमन बंद होने की जानकारी के बाद तत्काल ही रात में पुलिस, पटवारी और आरआई मौके पर पहुंचे। ट्रक के पुल में फंसे होने के कारण रात में रास्ता बंद होने से पुलिस ने चांगोटोला से नैनपुर मार्ग में, पचपेड़ी-उगली मार्ग, नैनपुर लामता होते हुए बालाघाट तथा बालाघाट से लामता नैनपुर जाने वाले वाहनों के लिए आवागमन को डायवर्ट किया गया। जहा

अलसुबह करीब 5 बजे सुधार कार्य कर ट्रक अपने गंतव्य के लिए रवाना हुआ।

करीब 8 घण्टे पुल से यातायात रहा प्रभावित

बताया गया कि पुल पर ट्रक फसा होने के चलते इस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को अन्य रास्तो से डायवर्ट करना पड़ा, जिसके चलते करीब 8 घण्टे इस मार्ग से वाहनों का आवागमन पूरे तरीके से प्रभावित रहा।पुलिस ने इस मार्ग पर वाहनो की आवाजाही के लिए मार्ग को डायवर्ट किया।जिसमे नैनपुर से लामता बालाघाट आने वालो वाहनों को नैनपुर, केवलारी, उगली, कंजई, लालबर्रा की ओर डायवर्ट किया गया तो वही बालाघाट से लामता परसवाड़ा जाने के लिए नैनपुर केवलारी, उगली, पचपेड़ी, लामता की ओर रवाना किया गया।उधर पूरी रात ट्रक में आई खराबी पर सुधार कार्य चलता रहा।

सुबह 5 बजे से आवागमन बहाल हो गया है- राणा

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान चांगोटोला थाना प्रभारी शशांक राणा ने बताया कि सुबह 5 बजे तक ट्रक में आई खराबी में सुधार कार्य चलता रहा। जिसके बाद ट्रक को रवाना किया गया। तब इस मार्ग पर आवागमन बहाल हो गया है।

ट्रैक्टर पलटने से एक युवक की ट्रैक्टर में दबने मौके पर दर्दनाक मौत

एक साल से अपने मामा के घर रह रहा था राजू मरकाम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मछुरदा में ट्रैक्टर पलटने से एक युवक की ट्रैक्टर में दबने से मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक राजू पिता मानेश्वर मरकाम 23 वर्ष ग्राम छिंदीटोला खजरा थाना गढ़ी निवासी है। 5 सितंबर 1 बजे ग्राम मछुरदा में यह घटना उस समय हुई जब यह युवक अपने पिता के साथ रमेलाल का खेत की जुताई कर रहा था। बिरसा पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजू मरकाम ग्राम मथुरा में अपने बड़े मामा श्यामलाल मरकाम के घर करीब एक वर्ष से रह रहा था और खेती-बाड़ी में हाथ बताता था। 4 सितंबर को राजू मरकाम का पिता मानेश्वर मरकाम ग्राम मछुरदा आया था। 5 सितंबर को मानेश्वर मरकाम अपने बेटे राजू मरकाम के साथ ट्रैक्टर से खेत जुताई करने के लिए मातला रोड तरफ गए थे। ट्रैक्टर मानेश्वर मरकाम चल रहा था। और राजू मरकाम साइड में बैठा था। उस समय राजू मरकाम का छोटा मामा सरवन मरकाम अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था। जब मानेश्वर मरकाम मछुरदा निवासी रमेलाल के ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था और राजू मरकाम ट्रैक्टर की साइड सीट पर बैठा हुआ था उसी समय अचानक मानेश्वर मरकाम के द्वारा ब्रेक लगाने से ट्रैक्टर पलट गया। मानेश्वर मरकाम तो ट्रैक्टर से कूद गया था किंतु उसका बेटा राजू मरकाम ट्रैक्टर पलटने से दब गया। खबर मिलती ही सरवन मरकाम सहित अन्य गांव के लोग पहुंचे और लकड़ी के सहारे से ट्रैक्टर को उठा कर राजू मरकाम को बाहर निकले। किंतु उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटना की रिपोर्ट सरवन मरकाम 25 वर्ष ग्राम मछुरदा निवासी ने मछुरदा चौकी में की थी। जहां से प्रधान आरक्षक ओमप्रकाश डहेरिया ने मौके पर पहुंच कर मृतक राजू मरकाम का शव बरामद किए और पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। प्रधान आरक्षक श्री डहेरिया द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कायम कर जांच की जा रही है।

एक युवक ने अपने कमरे में पंखे के हुक में नायलॉन की रस्सी बांधकर लगाई फांसी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम करमसरा में एक युवक ने अपने कमरे में पंखे के हक में नायलॉन की रस्सी बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक युवक तरुण पिता नैनप्रसाद चौधरी 20 वर्ष की लाश मौके से बरामद कर पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कमसरा निवासी नैनप्रसाद चौधरी खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार पत्नी सुलोचना चौधरी और दो बेटे हैं। तरुण चौधरी छोटा था और डेढ़ साल से उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था पागलो जैसी हरकत करते रहता था। जिसका इलाज रायपुर से चल रहा था। 5 जून को 11ः00 बजे नैनप्रसाद चौधरी खेत चले गए थे घर मे बेटा तरुण चौधरी और उनकी मां सुलोचना चौधरी घर थे। तरुण चौधरी घर के ऊपर बने कमरे में 2 घन्टे से गया था। अंदर से दरवाजा बंद कर दिया था आवाज लगाने पर भी नहीं खोल रहा था। तब परिवार वालों ने ऊपर चढ़कर वेंटीलेशन से देखे तो तरुण चौधरी नायलोन की रस्सी पंखा के हुक में बांधकर फांसी का फंदा बनाकर लटका हुआ था ।परिवार वालों ने दरवाजा का कुंदा तोड़कर अंदर घुसे देखें तरुण चौधरी की मौत हो चुकी थी। जिसकी रिपोर्ट पालेश्वर चौधरी ने मलाजखंड थाना में की थी जहां से उप निरीक्षक कलीराम उइके ने ग्राम करमसरा पहुंच कर तरुण चौधरी की लाश बरामद किए और पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिए संभावना व्यक्त की गई की मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने के कारण तरुण चौधरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मलाजखंड पुलिस द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

तेजरफ्तार मोटरसाइकिल पैदल चल रहे दो लोंगो को ठोस मारकर हुई अनियंत्रित

मोटरसाइकिल सवार युवक गम्भीर रूप से घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय से करीब 6 किलोमीटर दूर रामपायली रोड़ ग्राम झालीवाड़ा से मेहंदीवाडा के बीच तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पैदल चल रहे दो लोगों को चपेट में लेकर अनियंत्रित हो गई। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।यह सड़क दुर्घटना 5 सितम्बर की शाम 7.30 बजे हुई ।घायल मोटरसाइकिल सवार युवक योगेश दमाहे झाड़गाँव निवासी बताया गया है। इस हादसे में दो लोगों को मामूली चोटे आई है। दुर्घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और घटना की सूचना 108 एंबुलेंस को दी गई लेकिन 108 एंबुलेंस को आने में समय लगने और युवक की हालत गंभीर बनी हुई थी उसी दौरान वहा से गुजर रहे राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के जिला अध्यक्ष जावेद अली ने मानवता का परिचय देते हुए अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर घायल इस युवक को अपने स्वयं वाहन से वारासिवनी के सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किये। जहां से इस युवक को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये पर चाहिए

बालाघाट शहर में कोई भी ऐसी बिल्डिंग जिसमें न्युनतम 8000-9000 वर्ग फ़ीट जगह हो, कोचिंग संस्थान चलाने के लिए लीज पर नवंबर 2025 से चाहिए। विद्यार्थियों के लिए पार्किंग सुविधा अनिवार्य है। पुरानी या बंद पाठशाला, कोचिंग संस्थान की बिल्डिंग के मालिक नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करे।

Mob No. 8948940687,8889063333

बालाघाट स्नातक कॉलेज गर्रा, बालाघाट

आवश्यकता है

क्रं.	पद	विषय	पद संख्या	योग्यता
1	सहायक प्राध्यापक	हिन्दी	1	हिन्दी में स्नातकोत्तर, एम.एड. एवं नेट या पी.एच.डी.
2	सहायक प्राध्यापक	मनोविज्ञान	1	मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर, एम.एड. एवं नेट या पी.एच.डी.
3	सहायक प्राध्यापक	इंग्लीश	1	इंग्लीश में स्नातकोत्तर, एम.एड. एवं नेट या पी.एच.डी.
4	सहायक प्राध्यापक	गणित	1	गणित में स्नातकोत्तर, एम.एड. एवं नेट या पी.एच.डी.

नोटः- 1. उपरोक्त पदों के लिए चयन एनसीटीई/यूजीसी एवं म.प्र. शासन के नियमों के आधार पर किया जावेगा। 2. वेतनमान एवं आरक्षण में यूजीसी एवं म.प्र. शासन के नियमों का पालन किया जावेगा। 3. आवेदक अपना आवेदन पत्र महाविद्यालय के पते पर, स्वयं व डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा 10 दिवस के भीतर दिनांक 15.09.2025 तक महाविद्यालय में जा करें। ईमेल-bgtsnatak.bed.college@gmail.com

संचालक

बालाघाट स्नातक कॉलेज गर्रा, बालाघाट

पता-मशीनटोला, मांझापुर रोड, गर्रा बालाघाट

मो.नं.- 7999566467, 7987771854

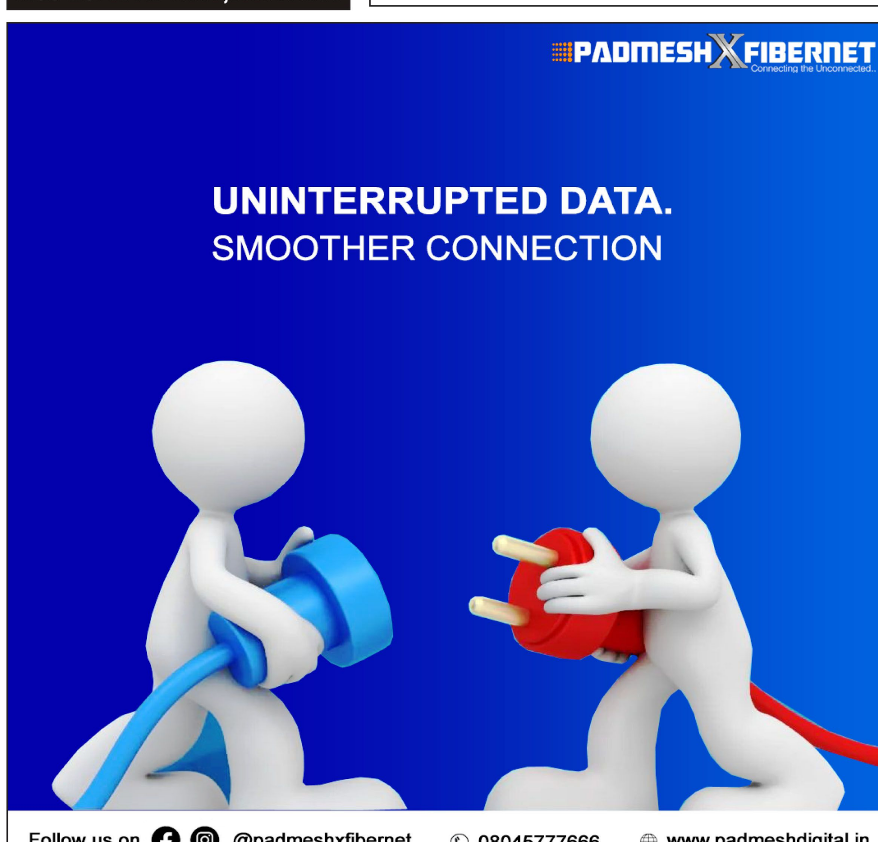

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट